शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 03 | गुवाहाटी | गुरुवार, 27 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

फैंसी बाजार लचित घाट में दुर्गा विसर्जन संभव न पेज 3
कारगिल युद्ध के नाम पर पाकिस्तान ने हमारी पीठ में खंजर घोंपा था : राजनाथ पेज 4
कारगिल युद्ध में दुनिया को भारत की सैन्य ताकत का अहसास हुआ : योगी आदित्यनाथ पेज 5
राजस्थान सहित छह राज्यों की चाबी अपने हाथ में रखेगी जेजेपी पेज 8

गोलाघाट में ट्रिपल मर्डर लव जिहाद का मामला : सीएम

राज्य में अपराध का कोई स्थान नहीं

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि गोलाघाट में ट्रिपल मर्डर *लव जिहाद* का नतीजा था। इस शब्द को मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं को बहकाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने के कथित अभियान के लिए उपयोग किया जाता है। अक्सर दक्षिणपंथी नेता आरोप लगाते हुए इसका इस्तेमाल करते हैं। शर्मा ने आश्वासन दिया कि आरोपियो के खिलाफ मुकदमे को तेजी से आगे बढ़ाने के इरादे से 15 दिनों के भीतर आरोप पत्र दायर किया जाएगा। शर्मा ने पीड़ितों के परिवार से मुलाकात के दौरान कहा कि यह पूरी तरह से लव जिहाद का मामला है। मृतक परिवार हिंदू था और आरोपी मुस्लिम समुदाय से है। उसने पहले फेसबुक पर अपना परिचय हिंदू नाम से दिया था... जब दंपति कोलकाता भाग गए थे तब महिला ने ड्रग्स लेना सीखा। रिपोर्टों के मुताबिक पीड़ितों की पहचान संजीव घोष, जुनू घोष और संघमित्रा घोष के रूप में हुई है। उनके शरीर पर चोटों के कई निशान पाए गए। उन पर सोमवार को धारदार हथियारों से हमला किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोपी 25 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर है, जिसकी पहचान नजीबुर रहमान बोरा के रूप में हुई है। वह नशे का आदी था और प्रतिबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी

तीसरे टर्म में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा भारत

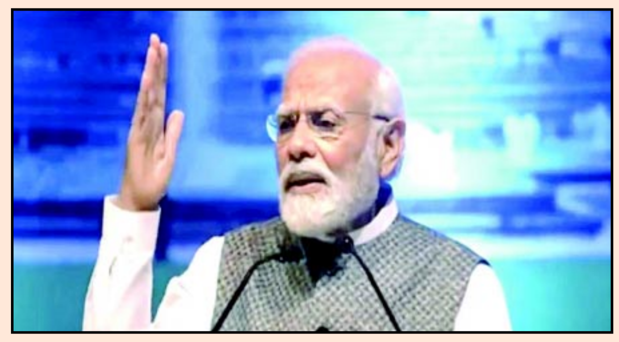

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने कहा कि ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने दिल्ली के प्रगति मैदान में नव विकसित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) परिसर का उद्घाटन किया और इसके नए नाम *भारत मंडपम* का अनावरण किया। लगभग 2700 करोड़ रुपए की लागत से विकसित यह विशाल परिसर 123 एकड़ में फैला हुआ है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने जी-20 पर स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। 2014 में भारत के विश्व अर्थव्यवस्था में दसवें स्थान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरे पहले कार्यकाल में जब आपने मुझे काम दिया तब हम दस नंबरी थे। दूसरे कार्यकाल में भारत दुनिया में पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मोदी ने कहा कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत विकसित होने की राह पर बढ़ेगा और देश की अर्थव्यवस्था पांचवें से शीर्ष तीन में पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि (हमारी सरकार के) तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं -शेष पृष्ठ दो पर

असम समझौता क्रियान्वयन पर जनता भवन में बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। आज जनता भवन में असम समझौते के कार्यान्वयन मंत्री अतुल बोरा के कार्यालय के बैठक कक्ष में राज्य के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने असम समझौते के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के उद्देश्य से एक बैठक की। इसका आयोजन पिछले वर्ष 7 सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा असम सरकार और अखिल असम छात्र संघ (आसू) के बीच गठित उप-समिति के सदस्यों को लेकर किया गया। यह पांचवीं बैठक थी। इसकी जानकारी मंत्री पीयूष हजारिका ने सोशल मीडिया के जरिए आज दी। मंत्री हजारिका ने कहा कि असम समझौते के कार्यान्वयन मंत्री अतुल बोरा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में असम के विकास -शेष पृष्ठ दो पर

29 को शिलांग दौरे पर आएंगे ओम बिरला

शिलांग। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को आठ पूर्वोत्तर राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों के एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अरुणाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष पासांग डी सोना की अध्यक्षता में 29 जुलाई से शुरू होने वाले दो दिवसीय सम्मेलन में प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन एवं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी (संपर्क) में सुधार के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। प्रदेश विधानसभा सचिवालय के अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ, भारत क्षेत्र जोन-तीन का 20वां वार्षिक सम्मेलन शनिवार से शिलांग में आयोजित किया जाएगा। बैठक में पूर्वोत्तर राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष शामिल होंगे। प्रतिनिधियों के शुक्रवार को मेघालय पहुंचने की उम्मीद है। सीपीए इंडिया क्षेत्र में पूर्व में असम -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

खेल व संस्कृति से जुड़ाव नशामुक्ति का उपाय : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि खेल और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़ाव बच्चों को नशा से दूर रख सकता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त असम बनाने का यह एक कारगर उपाय है। उन्होंने आज राजधानी में असम जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे बच्चों को कम उम्र से की खेल-कूद या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उत्साहित करना चाहिए। ऐसा करने से बच्चों का झुकाव नशे की ओर नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी नई पीढ़ी उच्छृंखल -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग, एक की मौत, दो गंभीर

पटना। आरजेडी और जेडीयू गठबंधन वाली बिहार की नीतीश कुमार सरकार की खीझ बीत रहे हर एक दिन के साथ बढ़ती जा रही है। परीक्षार्थियों और शिक्षकों पर लाठी चार्ज के बाद अब बिजली कटौती को रोकने की मांग कर रहे लोगों पर आफत बनकर टूट पड़ी। कटिहार में पुलिस की फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इस घटना के बाद भाजपा ने नीतीश कुमार की तुलना जनरल डायर से की है। दरअसल, भीषण गर्मी में बिजली कटौती से परेशान कटिहार के लोग बिजली विभाग के खिलाफ सड़कों पर उतर आए थे। बिजली कटौती के खिलाफ किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सड़क जाम कर रखा था। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर फायरिंग की, जिसमें 5 लोगों को गोली लगी है। इसमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने एक की मौत की पुष्टि की है। मृतक का नाम बासल गांव निवासी 34 वर्षीय खुर्शीद आलम (34) है। वहीं, बारसोई के चापाखोड़ पंचायत निवासी नियाज आलम (32) की हालत नाजुक है। कटिहार जिले के बारसोई अनुमंडल में बुधवार (26 जुलाई 2023) की दोपहर स्थानीय लोग बिजली विभाग के दफ्तर का घेराव करने पहुंचे। इस दौरान लोगों ने प्राणपुर के बस्तौल चौक और बारसोई प्रखंड मुख्यालय का मेन रोड जाम कर दिया और प्रदर्शन किया। मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रदर्शन स्थल पर पुलिस पहुंची। पुलिस को देखते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और वे आक्रोशित होकर पुलिस पर पथराव कर दिए। इसके बाद पुलिस ने उन पर फायरिंग -शेष पृष्ठ दो पर

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

एम्स में आपस में जुड़ी दो बच्चियों को किया गया अलग, दोनों स्वस्थ

नई दिल्ली (हि.स.)। यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आपस में जुड़ी एक साल की दो बच्चियों को सर्जरी के माध्यम से सफलतापूर्वक अलग किया गया है। आपस में पेट और छाती से जुड़े जुड़वां बच्चों को सर्जरी कर अलग करने में एम्स के डाक्टरों ने सफलता पाई है। एम्स के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मीनू वाजपेयी के नेतृत्व में करीब तीन दर्जन डाक्टरों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की टीम ने पिछले महीने यह सफल सर्जरी की। अब दोनों जुड़वां बच्चे स्वस्थ हैं। बच्चे उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के रहने वाले हैं। एम्स के मुताबिक पिछले तीन वर्षो में आपस में जुड़े जुड़वां बच्चों को अलग करने की यह तीसरी जटिल सर्जरी है। इन तीन सर्जरी में एम्स के डाक्टरों ने छह बच्चों को अलग कर -शेष पृष्ठ दो पर

लारेंस का करीबी विक्रमजीत सिंह एनआईए की गिरफ्त में

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी विक्रमजीत सिंह को संयुक्त अरब अमीरात से भारत प्रत्यर्पित करने के बाद गिरफतार कर लिया। विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्रम बरार पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की सनसनीखेज हत्या में शामिल रहा है। विक्रमजीत सिंह निर्दोष व्यक्तियों और व्यापारियों की हत्या के अलावा उसपर हथियारों की तस्करी और जबरन वसूली के मामलों में शामिल रहा है।

मणिपुर हिंसा पीड़ित विद्यार्थियों की हर संभव मदद को तैयार डीयू : कुलपति

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बुधवार को मणिपुर घटनाक्रम पर कहा कि विश्वविद्यालय मणिपुर हिंसा पीड़ित विद्यार्थियों की हर संभव मदद के लिए तैयार है। प्रो. योगेश सिंह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तीन वर्ष पूरे होने पर डीयू के वाइस रीगल लॉज स्थित कन्वेंशन हॉल में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मणिपुर में हिंसाग्रस्त क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की योजना को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कुलपति ने कहा कि मणिपुर की समस्या को पूरा देश समझता है। उन्होंने कहा कि डीयू ऐसे सभी पीड़ित विद्यार्थियों के लिए हर संभव मदद के लिए तैयार है। यदि किसी विद्यार्थी को -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

प्रकृति (सहज) रूप से प्रजा के संपन्न होने से नेता विहीन राज्य भी संचालित होता रहता है।
– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

पुणे में धमाके की साजिश का पर्दाफाश एक गिरफ्तार

मुंबई (हि.स.)। एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) की टीम ने गोंदिया में एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है, जो आतंकी संगठन अल सफा का सक्रिय सदस्य है। शाहनवाज की गिरफ्तारी इससे पहले पुणे में गिरफ्तार आतंकवादी मोहम्मद इमरान मोहम्मद यूसुफ खान और मोहम्मद यूनुस मोहम्मद की निशानदेही पर की गई है। इन तीनों से पूछताछ के दौरान पता चला है कि तीनों पुणे में बम विस्फोट की साजिश रच रहे थे। कोथरुड पुलिस स्टेशन की टीम ने पुणे के कोथरुड -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी मामला : सर्वे पर रोक, मुस्लिम पक्ष की दलील सुनेगी अदालत

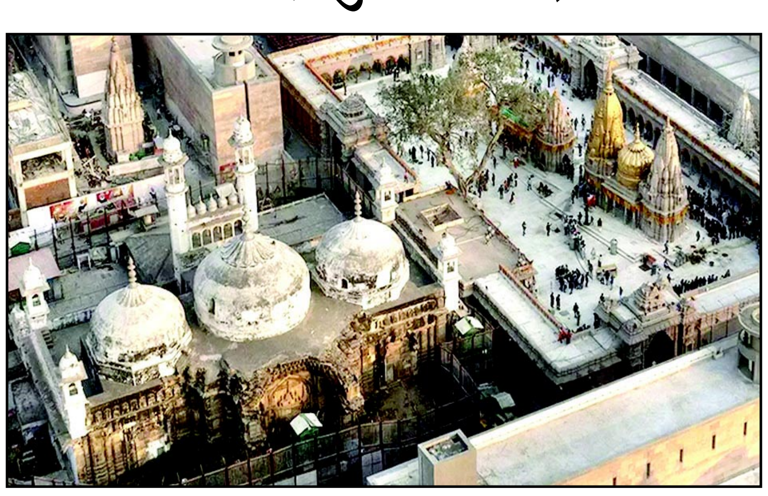

वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वे के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की याचिका पर आज इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद का एएसआई सर्वे कराया जाना चाहिए। कोर्ट को बताया गया कि 31 जुलाई तक इस काम को पूरा कर लिया जाएगा। हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की दलील सुनने के बाद सुनवाई कल तक के लिए स्थगित कर दी है। कल इस मामले में मुस्लिम पक्ष की दलील सुनी जाएगी। सुनवाई के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया है कि सर्वे का काम मस्जिद की संरचना को किसी भी तरह का नुकसान पहुंचाए बिना किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने एएसआई से पूछा कि सर्वे का कितना काम हो चुका है। इस पर एएसआई ने कहा कि सर्वे का काम 31 जुलाई तक पूरा करने की कोशिश की जा रही है। सुनवाई के दौरान सीजे ने पूछा कि क्या सर्वे का सील किए गए क्षेत्र यानी वजुखाना से कोई लेना-देना है? इस पर हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने कहा कि सील क्षेत्र में किसी भी तरह का कोई काम नहीं किया जाएगा। इस पर मुस्लिम पक्ष के वकील नकवी ने कहा कि वजूखाना संपत्ति का हिस्सा है, ऐसे में सर्वे किया गया तो उस क्षेत्र को भी नुकसान हो सकता है। इस पर सीजे ने कहा वाराणसी कोर्ट के आदेश में इस तरह का कोई जिक्र नहीं है कि सर्वे से वजुखाना को किसी -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के लिए लंबी दूरी की 120 ट्रेनें बनाएगा रूस

नई दिल्ली / मॉस्को। रूसी कंपनी मेट्रोवेगनमाश और रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के बीच के वंदे भारत के ट्रेनों के निर्माण को लेकर सबसे बड़ी नीलामी जीत ली है। दोनों कंपनियों के बीच 2029 तक 120 वंदे भारत ट्रेन बनाने तथा उनके मेंटेनेंस का समझौता हुआ है हालांकि, हिस्सेदारी को लेकर विवाद चल रहा था जिसे अब सुलझा लिया गया है। इंटरफैक्स के अनुसार, रूसी पक्ष के पास बनाए जा रहे संयुक्त उद्यम का 75 फीसदी हिस्सा होगा, जबकि भारतीय पक्ष के पास 25 फीसदी होगा। ट्रांसमैशहोल्डिंग के जनरल डायरेक्टर ने कहा कि कंपनी ने भारतीय रेलवे के सहयोगियों के साथ मिलकर रेलवे के इतिहास में सबसे बड़ा 6.5 बिलियन डॉलर का टेंडर जीता। परियोजना का अगला -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

राज्य में अपराध का कोई स्थान नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज ट्वीट कर कहा है कि असम में चाहे वह नाजीबुर रहमान हो या कोई अन्य व्यक्ति, हम दृढ़ प्रतिबद्ध हैं कि हमारे राज्य में अपराध का कोई स्थान नहीं है। हमारा संकल्प अटल है। कोई भी अपराधी कानून से नहीं बचेगा। यह ट्वीट मुख्यमंत्री ने गोलाघाट में आज ट्रिपल मर्डर के पीड़ित परिवार से मिलने के बाद किया। मुख्यमंत्री के इस ट्वीट का हवाला देते हुए असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने इसके साथ ही ट्वीट किया कि मुख्यमंत्री के अनुदेशों का अनुपालन किया जाएगा। हम अपराधियों और उसके साथ जुड़े लोगों के खिलाफ फुलप्रूफ चार्जशीट सुनिश्चित करेंगे। पिछली जांच में जोड़े गए विवाह प्रमाण पत्र की वैधता सहित पहले के मामलों की जांच

में खामियों को भी देखा जाएगा। ज्ञात हो कि इस मसले पर लगातार डीजीपी अद्यतन जानकारी लेकर मीडिया के सामने स्वयं आ रहे हैं।

सड़क हादसे में सेना के जवान की मौत

शोणितपुर (हिंस)। जिले के जमुगुरीहाट के तौभंगा में राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक सेना के जवान की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि डंपर और बाइक की आमने सामने हुई टक्कर में यह मौत हुई। जानकारी के अनुसार मृत बाइक सवार की पहचान बिश्वनाथ के बालीसंग गांव के रूपक हजारिका के रूप में की गई है। बताया जाता है कि यह हादसा लोखरा स्थित कैंटीन से सामान लेकर बाइक से जाते समय रास्ते में हुआ। घायल अवस्था में नृपेन हजारिका को पहले उत्तर जामुगुड़ी ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। उनकी स्थिति गंभीर होने की वजह से नृपेन हजारिका को तेजपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। घटना के सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वक्फ बोर्ड के पास किसी व्यक्ति या समुदाय को धर्म से निष्कासित करने का अधिकार नहीं : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली (हि.स.)। आंध्र प्रदेश वक्फ बोर्ड के एक फतवे पर केंद्र सरकार ने सख्त नाराजगी जताई है। इस फतवे के जरिए अहमदिया समाज को *गैर मुस्लिम* और *काफिर* घोषित किया गया है। आंध्र प्रदेश वक्फ बोर्ड द्वारा अहमदिया समुदाय को गैर-मुस्लिम बताने वाला एक प्रस्ताव पारित करने पर अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि देश में किसी भी वक्फ बोर्ड के पास किसी व्यक्ति या समुदाय को किसी धर्म से बाहर निकालने का अधिकार नहीं है। स्मृति ईरानी ने कहा कि इस मामले में आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव से जवाब मांगा गया है। इस मामले में तथ्यों को पेश करने का अनुरोध किया गया है, क्योंकि अहमदिया मुस्लिम समुदाय ने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के समक्ष अपील की है। स्मृति ईरानी ने कहा कि किसी को भी संसद के अधिनियम का उल्लंघन करने का अधिकार नहीं है। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश वक्फ बोर्ड के एक फतवे पर अहमदिया मुस्लिमों ने इसके खिलाफ केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय से शिकायत की थी।

दुनिया से बेहतर भारत की मौसम पूर्वानुमान प्रणालियां : रिजिजू

नई दिल्ली (हि.स.)। पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि भारत की मौसम पूर्वानुमान प्रणालियां दुनिया भर की सभी प्रणालियों से बेहतर हैं। मौसम विभाग की मौसम को लेकर की जाने वाली पूर्वानुमान की सटीकता में भी सुधार हुआ है। बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में किरेन रिजिजू ने कहा कि हमारा मौसम पूर्वानुमान अवलोकन पर निर्भर है। यदि निरीक्षण करने की क्षमता बढ़ा दी जाए तो मौसम की जानकारी अधिक सटीक हो सकती है। इसलिए अधिक अवलोकन प्रणालियां स्थापित करके इस क्षमता को बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि साल 2013 में डॉप्लर राडार की संख्या सिर्फ 15 थी, जिसे बढ़ा कर 35 कर दिया गया है और अगले तीन सालों में देश में डॉप्लर राडार की संख्या 35 से बढ़ाकर 68 की जाएगी।

कालेज छात्रों ने मनाया कारगिल विजय दिवस

यमुनानगर (हिंस)। गुरु नानक खालसा महाविद्यालय में बुधवार को 24वां कारगिल विजय दिवस मनाया गया। दौरान कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. हरिंद्र सिंह कंग ने सभी बच्चों को कारगिल विजय दिवस के बारे में बताया और शहीदों के सम्मान में शपथ ली गई। सभी एनसीसी कैडेट्स ने इसमें बढ़चढ़ कर भाग लिया और सब ने शपथ ली कि वह देशसेवा के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। डॉ. हरिंद्र सिंह कंग ने बताया कि कॉलेज के पूर्व कैडेट और विद्यार्थी कर्नल विजय बख्शी ने इस युद्ध में भाग लिया और टाइगर हिल पर विजय हासिल करने में योगदान दिया था। इस कार्यक्रम का आयोजन कमान अधिकारी कर्नल जर्नल सिंह और प्रशानिक अधिकारी कर्नल संदीप शर्मा के मार्ग दर्शन में किया गया। इस अवसर पर डॉ. कमलप्रीत कौर, डॉ. बोध राज, डॉ. रामेश्वर दास, एनसीसी केअरटेकर डॉ. विनय चंदेल एवं रविता उपस्थित थे। कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष रणदीप सिंह जौहर ने सभी कैडेटों को देश सेवा के लिए प्रेरित किया और इस कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई दी।

न्याय में देरी के कारण जेल में कट रहा है कई लोगों का जीवन : राष्ट्रपति

भुवनेश्वर (हि.स.)। न्याय में विलंब होना चिंता का विषय है। देरी से न्याय के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों का जीवन जेल में ही कट रहा है। न्याय में विलंब के कारण पीड़ित भी हताश हो रहा है। इसलिए त्वरित न्याय पीड़ित और निर्दोष दोनों के लिए सहायक होगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कटक के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में बुधवार को आयोजित ओडिशा हाई कोर्ट की 75 वर्षगांठ के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही। राष्ट्रपति ने जय जगन्नाथ बोलकर अपना उद्बोधन शुरू किया। राष्ट्रपति ने कहा कि वंचितों को उपयुक्त न्यायिक सुविधा मिलनी चाहिए। यह बात वह पहले भी बोल चुकी हैं और फिर से दोहरा रही हैं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कारगिल दिवस पर बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने अपने भाषण में ओडिशा के बलिदानी मेजर पद्मपाणि आचार्य का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में राज्यपाल प्रो गणेशीलाल, ओडिशा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एस. मुरलीधर, राज्य के विधि मंत्री जगन्नाथ सारका और बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धरणीधर नायक समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। इससे पहले राष्ट्रपति आज सुबह सड़क मार्ग से भुवनेश्वर से कटक पहुंची और कटक के चंडी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति मुर्मू नेताजी सुभाष बोस के जन्म स्थान पर भी गईं और वहां संग्रहालय को देखने के साथ-साथ नेताजी की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित की।

हिसार नगर निगम अफसरों ने नहीं दिया आरटीआई का जवाब

हिसार (हिंस)। नगर निगम के पीआईओ द्वारा आरटीआई का जवाब नहीं देने व धमकाने के चलते अपीलकर्ता लाडवा निवासी विकास ने नगर निगम मेयर व अधिकारियों को गुलाब के फूल थमाकर अपना रोष व्यक्त किया। विकास ने बुधवार को बताया कि उन्होंने शहर में कंस्ट्रक्शन पर कार्रवाई संबंधी सूचना 30 मई को आरटीआई के माध्मय से मांगी थी लेकिन ये जानकारियों उन्हें नहीं दी गई। विकास ने आरोप लगाया कि जब वे इस संबंध में पीआईओ सुमित ढांडा से पूछने गए तो अधिकारी सुमित ढांडा ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि उन्हें यह पूछने का कोई हक नहीं बनता, वे आरटीआई का जवाब नहीं देंगे चाहे किसी का भी फोन करवा

लो। फर्स्ट, सेंकेड किसी अपील में चले जाओ मुझे कुछ फर्क नहीं पड़ता। पीआईओ सुमित ढांडा के इस व्यवहार से क्षुब्ध विकास ने नगर निगम मेयर व कमिश्नर को गुलाब के फूल भेंट कर उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि शहर की असली सरकार ये अधिकारी हैं या आप लोग उन्हें समझ नहीं आ रहा। इसके साथ ही विकास ने उपायुक्त को भी एक शिकायत देकर इस मामले में संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।

पृष्ठ एक का शेष

गोलाघाट में ट्रिपल...

पदार्थों की तस्करी में शामिल था। शर्मा ने दावा किया कि महिला को नशीली दवाएं दी गईं, जिसके प्रभाव में रहते हुए वह गर्भवती हो गई। वह आरोपी के घर रहने गई और बाद में अपने मायके लौट आई तो उसे प्रताड़ित किया गया। मुख्यमंत्री ने ऐसे मामलों पर चिंता जताई जिनमें महिलाओं को शादी के लिए प्रभावित करने के लिए धार्मिक पहचान छिपाई जाती है। तब ऐसी स्थिति पैदा होती है जहां महिला वापस लौटने का फैसला करती है तो सामाजिक स्वीकृति मुश्किल हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में, वह अंतत: अपना धर्म बदल लेती है, सब कुछ त्याग देती है और एक अलग जीवन अपना लेती है। पत्नी और उसके माता-पिता की हत्या के बाद नजीबुर रहमान बोरा ने ऊपरी असम के गोलाघाट जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसके परिवार के अन्य सदस्यों, विशेष रूप से आरोपी के भाई और मां की संभावित संलिप्तता के बारे में उठ रहे सवालों को लेकर शर्मा ने कहा कि उचित जांच की जाएगी और मुझे उम्मीद है कि उसके बाद और विवरण सामने आएंगे... हम यथासंभव सख्त कार्रवाई करेंगे और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। शर्मा ने इसे एक *खुला मामला* बताया, जिसमें अगले 15 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने की योजना है। बाद में उन्होंने ट्वीट किया कि कोई भी अपराधी न्याय से नहीं बचेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें घटना के बारे में आरोपी की साली अंकिता का एक पत्र मिला था, लेकिन उनके पास बड़ी मात्रा में आने वाले पत्रों के कारण वह पत्र पढ़ने से चूक गए थे। उन्होंने कहा कि यह पत्र कोविड-19 महामारी के के दौर में लॉकडाउन के दौरान भेजा गया था। शर्मा ने बताया कि तब परिस्थितियां अलग थीं क्योंकि कोरोना के कारण लॉकडाउन लागू था, इस वजह से, मुझसे पत्र छूट गया होगा, अन्यथा मैं एसपी को पत्र भेज देता। असम के पुलिस महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जांच चल रही है। सिंह ने कहा कि हम अपराधियों और उकसाने वालों के खिलाफ एक फुलप्रूफ आरोपपत्र सुनिश्चित करेंगे। पिछली जांच में जोड़े गए विवाह प्रमाण पत्र की वैधता सहित पहले के मामलों की जांच में खामियों पर भी ध्यान दिया जाएगा। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी अपनी पत्नी से मारपीट के आरोप में जेल जा चुका था और छूटने के बाद उसने फिर से झगड़ा करना शुरू कर दिया था। इसके कारण अंतत: उसने पत्नी और सास-ससुर की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने अपने नौ महीने के बेटे के साथ गोलाघाट पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया।

तीसरे टर्म में दुनिया...

में से एक होगा। ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोगों की प्रवृत्ति होती है टिप्पणी करने और अच्छे कार्यों को रोकने की। जब *कर्तव्य पथ* बन रहा था तो कई बातें ब्रेकिंग न्यूज के तौर पर अखबारों के पहले पन्ने पर चल रही थीं। इसे अदालतों में भी उठाया गया, लेकिन जब इसका निर्माण हुआ तो उन्हीं लोगों ने कहा कि यह अच्छा है। मुझे यकीन है कि नकारात्मक विचारकों की टोली भी एक दिन भारत मंडपम को स्वीकार करेगी और यह भी संभव है कि वे यहां किसी सेमिनार में व्याख्यान देने आएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जल्द ही दिल्ली में दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय *युगे युगीन भारत* का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम को आजादी के अमृतकाल में देश के लोकतंत्र को उपहार बताते हुए कहा कि भारत मंडपम को देखकर हर भारतीय आनंदित हैं और गौरव से भरा हुआ है। कुछ हफ्तों बाद यहीं पर जी-20 से जुड़े आयोजन होंगे, दुनिया के बड़े बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष यहां उपस्थित होंगे। उन्होंने कहा कि भारत मंडपम के नाम के पीछे भगवान बशवेश्वर के अनुभव मंडपम की प्रेरणा है। अनुभव मंडपम यानि वाद और संवाद की लोकतांत्रिक पद्धति। अनुभव मंडपम यानि अभिव्यक्ति, अभिमत। उन्होंने कहा कि आज दुनिया ये स्वीकार कर रही है कि भारत लोकतंत्र की जननी है। तमिलनाडु के उत्तरामेरूर में मिले शिलालेखों से लेकर वैशाली तक भारत की जीवंत लोकतंत्र सदियों से हमारा गौरव रही है। उन्होंने कहा कि भारत मंडपम के निर्माण से जुड़े हर श्रमिक भाई-बहन की मेहनत देख, पूरा भारत चकित है। कोरोना के कठिन काल में जब हर तरफ काम रूका हुआ था, हमारे देश के श्रमजीवियों ने दिन-रात मेहनत करके इसका निर्माण पूरा किया है। प्रधानमंत्री ने कारगिल विजय दिवस के मद्देनजर शहीद सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध में अपना बलिदान देने वाले प्रत्येक वीर को मैं कृतज्ञ राष्ट्र की तरफ से श्रद्धांजलि देता हूं। देश के दुश्मनों ने जो दुस्साहास दिखाया था, उसे मां भारती के सपूतों ने अपने पराक्रम से परास्त कर दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में हमें 21वीं सदी की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला निर्माण करना ही होगा। उन्होंने कहा कि भारत मंडपम हमारे सिनेमा-जगत, आर्टिस्ट्स की परफॉर्मेंस का साक्षी बनेगा। हमारे हस्तशिल्पियों, कारीगरों-बुनकरों के परिश्रम को मंच देने वाला भी बनेगा। भारत मंडपम आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल अभियान का प्रतिबिंब बनेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी देश हो, कोई भी समाज हो, वो टुकड़ों में सोचकर, टुकड़ों में काम करके आगे नहीं बढ़ सकता। मोदी ने कहा कि भारत मंडपम इस बात का भी गवाह है कि हमारी सरकार कैसे संपूर्ण रूप से, बहुत दूर की सोचकर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब वो चीजें हासिल कर रहा है जो पहले अकल्पनीय थीं। उन्होंने कहा कि बड़ा सोचें, बड़ा सपना देखें, बड़ा कार्य करें इसी सिद्धांत को अपनाकर भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पिछले 5 वर्षों में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये हैं। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां भी कह रही हैं कि भारत में अत्यधिक गरीबी ख़त्म होने की कगार पर है। इससे पता चलता है कि पिछले नौ वर्षों में जो निर्णय और नीतियां बनाई गई हैं, वे देश को सही दिशा में ले जा रही हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारत मंडपम हम सभी के लिए गौरव का प्रतीक है। यह हम सभी को नई दृष्टि के साथ आधुनिक और विकसित भारत बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

खेल व संस्कृति से ...

होती जा रही है। इससे बचाने के लिए सरकार ने खेल महारण और सांस्कृतिक महासंग्राम नामक योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि खेल महारण के तहत प्रत्येक गांव में पांच-पांच बच्चों की टीम बनाई जाएगी। जिनका मुकाबला पंचायत स्तर पर कराने के बाद विधानसभा स्तर पर और फिर राज्य स्तर पर कराया जाएगा। इस प्रकार खेल से राज्य के 10 लाख बच्चे सीधे तौर पर जुड़ जाएंगे। वहीं, सांस्कृतिक महासंग्राम योजना के तहत भूपेंद्र संगीत, ज्योति संगीत, राभा संगीत, बिहू नृत्य तथा एक जनजातीय नृत्य की प्रतिस्पर्धा इसी प्रकार पंचायत स्तर से लेकर राज्य स्तर तक कराई जाएगी। इस प्रतिस्पर्धा के जरिए 7 से 8 लाख बच्चे कला से जुड़ जाएंगे। इससे न सिर्फ बच्चों में खेल और कला के प्रति रुझान आएगा, बल्कि नशा के प्रति भी उनका रुझान कम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में इससे जुड़े और भी कई तथ्य लोगों के सामने रखे।

असम समझौता क्रियान्वयन ...

की गति को तेज करने के हित में असम समझौते के प्रावधानों के उचित कार्यान्वयन के संबंध में आसू नेताओं के साथ चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में असम सरकार असम समझौते के तहत विकास गतिविधियों को जारी रखे हुए है। असम सरकार और आसू एनआरसी और असमिया लोगों के हित में आम सहमति से काम कर रहा है। असम सरकार ने हमेशा असम आंदोलन में शहीदों और उत्पीड़ित परिवारों के लिए काम किया है और भविष्य में जारी रखने की योजनाओं पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि असम समझौते के अनुसार असम में कई राष्ट्रीय संस्थान पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं और किन संस्थानों का निर्माण किया जा सकता है, इस पर इस बैठक में चर्चा की गई। बैठक में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के मुख्य सलाहकार डॉ. समुज्जल कुमार भट्टाचार्य, कार्यकारी अध्यक्ष उत्पल शर्मा, महासचिव शंकर ज्योति बरुवा, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के महासचिव अशोक बर्मन, असम समझौता कार्यान्वयन विभाग के विशेष सचिव और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार में प्रदर्शनकारियों पर ...

कर दी। कहा जा रहा है कि इसी फायरिंग में खुर्शीद की मौत हुई है। फायरिंग में मौत क बाद बिहार की राजनीति गर्मा गई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद जयहिंद ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तुलना अंग्रेजी हुकूमत के दौरान जालियांवाला बाग नरसंहार को अंजाम देने वाले जनरल डायर से की। शहजाद ने कहा कि बिहार के जनरल डायर ने कटिहार में बिजली आपूर्ति की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलवा दीं। एक की मौत, 2 गंभीर रूप से घायल हैं। बिहार में युवा, किसान, शिक्षक, आम आदमीज जो भी अपना अधिकार मांगता है, उसे लाठियां या गोली मिलती है। सीएम नीतीश कुमार को तानाशाह बताते हुए भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि हाल ही में एक भाजपा नेता को भी पीटा गया और उनकी मृत्यु हो गई! यह जनरल नीतीश डायर और उनकी तानाशाही सरकार का असली चेहरा है। यह लोकतंत्र का बचाव है या लोकतंत्र की हत्या? क्या यह आई.एन.डी.आई.ए. के लोकतंत्र का यही विचार है? बंगाल से बिहार तक -गोली, बम, विस्फोट? कटिहार जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने कहा कि फायरिंग कैसे हुई, इसका आदेश किसने दिया, इसकी जांच कराई जाएगी। वहीं, इस मामले पर बिहार पुलिस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अपने कई ट्वीट में बिहार पुलिस ने कहा कि बिजली विभाग के कार्यालय पर लगभग एक हजार की संख्या में स्थानीय नागरिकों के द्वारा उग्र प्रदर्शन किया गया। उग्र प्रदर्शन के क्रम में भीड़ में सम्मिलित असामाजिक तत्वों के द्वारा बिजलीकर्मियों पर हमला कर दिया गया। सूचना पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु बिजली विभाग के कार्यालय पर पहुंची। पुलिस ने आगे कहा कि पुलिस टीम पर भी उग्र असामाजिक तत्वों के द्वारा लाठी-डण्डा, ईंट तथा पत्थर से जानलेवा हमला किया गया। पुलिस के द्वारा उपद्रवियों को सर्वप्रथम चेतावनी दी गयी। चेतावनी नहीं मानने पर सीमित बल प्रयोग कर उन्हें नियंत्रित करने का प्रयास किया गया, किन्तु भीड़ नियंत्रित नहीं हुई तथा हमला करती रही। अनियंत्रित भीड़ के हमलावर होने तथा नियंत्रित नहीं होने की स्थिति में पुलिस बल के द्वारा बिजली कर्मियों के प्राण रक्षा हेतु एवं आत्मरक्षार्थ नियंत्रित एवं सीमित फायरिंग की गयी। उग्र भीड़ में सम्मिलित 1 व्यक्ति की मृत्यु होने तथा 2 अन्य के जख्मी होने की सूचना है। पुलिस ने कहा कि उग्र भीड़ के हमले में लगभग एक दर्जन पुलिसकर्मी तथा बिजली विभाग के कर्मियों के जख्मी होने की सूचना है। जख्मी लोगों का इलाज अनुमण्डल अस्पताल, बारसोई में चल रहा है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद देने की अपील की है।

29 को शिलांग ...

से लेकर पश्चिम में गुजरात तक कुल 31 विधानमंडल शामिल हैं। जोन तीन में असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह भी मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा के साथ पहले दिन सम्मेलन को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि मेघालय के राज्यपाल फागू चौहान रविवार को सम्मेलन को संबोधित करेंगे और शाम को वह यहां राजभवन में प्रतिनिधियों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। प्रतिनिधि 31 जुलाई को पूर्वी खासी हिल्स जिले में सुंदर सोहरा का दौरा करेंगे और वहां एक रिसॉर्ट में मेघालय विधानसभा अध्यक्ष थॉमस ए सांग्मा द्वारा आयोजित दोपहर भोज में शिरकत करेंगे।

एम्स में आपस में ...

उन्हें नई जिंदगी दी है। बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चिकित्सकों ने बताया कि बच्चियों को एक दूसरे से जुड़े रहने के कारण सोने में दिक्कत होती थी। एम्स में जांच के दौरान पता चला कि एक बच्चे के लिवर का दायां हिस्सा दूसरे बच्चे के बायें हिस्से से जुड़ा था। इसके अलावा छाती की पसलियां और हृदय का ऊपरी हिस्सा आपस में जुड़ा था। हालांकि बच्चों के हृदय की धमनियां या नसें आपस में नहीं जुड़ी थीं। आठ घंटे तक चली सर्जरी में बच्चों के लिवर और छाती के हिस्से को अलग किया गया। बच्चों को डाक्टरों की निगरानी में रखा गया और अब बच्चे स्वस्थ हैं। जल्दी ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

मणिपुर हिंसा पीड़ित ...

कोई दिक्कत है तो वह डीयू प्रशासन से संपर्क कर सकता है। अगर अलग से भी कुछ प्रावधान करने की जरूरत पड़ी तो विश्वविद्यालय उन्हें करने का प्रयास करेगा। हिंदू स्टडीज को लेकर पूछे गए एक प्रश्न पर कुलपति ने कहा कि इस पर अभी काम चल रहा है। लगभग एक सप्ताह में एडमिशन पॉलिसी आ जाएगी। फिलहाल यह प्रायोगिक तौर पर किया जा रहा है। योगेश सिंह ने कहा कि शिक्षा सबके लिए सुलभ होनी चाहिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) का यही मकसद है और दिल्ली विश्वविद्यालय इसे लेकर पूरी तरह से गंभीर है। इस अवसर पर कुलपति ने एनईपी 2020 को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय की अब तक की उपलब्धियां भी गिनाईं। कुलपति ने कहा कि एनईपी के फॉर्मेट और रेगुलराइजेशन पर बहुत काम हो गया है, अब इसका दूसरा चरण शुरू हो रहा है। कुलपति ने एनईपी को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देते हुए कहा कि कोई भी नया प्रावधान परिवर्तनों की ओर लेकर जाता है और परिवर्तनों को शुरू में स्वीकारने में कुछ दिक्कतें आती हैं। एनईपी को सभी ने खुले मन से स्वीकार किया है और शिक्षक भी इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यूजी कैरीकुलम फ्रेमवर्क 2022 के तहत पड़ाई शुरू हो चुकी है। अब आगे पीजी कैरीकुलम फ्रेमवर्क पर काम होगा। एक प्रश्न के उत्तर में कुलपति ने बताया कि किसी भी अन्य विश्वविद्यालय से अगर कोई विद्यार्थी 3 वर्षीय यूजी प्रोग्राम पास कर के आता है तो दिल्ली विश्वविद्यालय में उसे 2 वर्षीय पीजी प्रोग्राम में दाखिला मिलेगा और जो 4 वर्षीय यूजी प्रोग्राम पास करके आएगा तो उसे एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम में दाखिला मिलेगा। उन्होंने बताया कि विदेशी विश्वविद्यालयों से भी एमओयू साइन हो रहे हैं और ज्वाइंट डिग्री प्रोग्रामों के लिए योजना तैयार हो रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय में 22 भारतीय भाषाओं की पड़ाई को लेकर प्रश्न के उत्तर में कुलपति ने कहा कि विद्यार्थी पड़ने वाले होने चाहिए, उनके लिए इन भाषाओं के शिक्षक जोड़े जाएंगे। इसके लिए योजना अनुसार कॉलेजों के क्लस्टर भी बनाए गए हैं, ताकि कम विद्यार्थियों की स्थिति में संयुक्त रूप से विद्यार्थियों को पड़ाया जा सके।

ज्ञानवापी मामला : सर्वे पर...

तरह का कोई नुकसान हो सकता है। इस पर नकवी ने कहा कि हिंदू पक्ष की ओर से पहले ही याचिका में कहा जा चुका है कि तीन गुंबदों के नीचे खुदाई कराई जाएगी। पिछले अनुभवों को देखते हुए हम सर्वे पर किसी भी तरह का भरोसा नहीं सकते हैं। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि तब तो आप कोर्ट के फैसले पर कैसे भरोसा करेंगे? कोर्ट ने विष्णु जैन को आदेश दिए कि पूरे सर्वे की वीडियोग्राफी की जाए और सुनिश्चित करें कि ढांचे को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होगा। एएसआई के एडिशनल डिप्टी डायरेक्टर आलोक त्रिपाठी ने कोर्ट में एफिडेविट में कहा, सर्वे में इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा कि ज्ञानवापी परिसर को किसी भी तरह का कोई नुकसान न हो। उन्होंने कोर्ट को बताया कि अभी तक ज्ञानवापी सर्वे का काम केवल 5 प्रतिशत हुआ है। इस पर मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि उन्हें एएसआई के हलफनामे को पढ़ने के लिए कुछ समय दिया जाए। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर के सर्वे पर कल तक के लिए रोक लगा दी है।

भारत के लिए ...

चरण भारतीय रेलवे के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर होना चाहिए। रेल परिवहन के लिए रोलिंग स्टॉक के रूस के सबसे बड़े निर्माता, ट्रांसमैशहोल्डिंग ने एक संयुक्त उद्यम, किनेट रेलवे सॉल्यूशंस लिमिटेड स्थापित करने के लिए भारतीय कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के साथ एक शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। नई कंपनी भारत में वंदे भारत ट्रेनों की आपूर्ति और रखरखाव करेगी। रूसी प्रधान मंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने उलान-उडे लोकोमोटिव कार रिपेयर प्लांट की यात्रा के दौरान ट्रांसमैशहोल्डिंग के महानिदेशक किरिल लीपा को समझौते पर हस्ताक्षर करने के बारे में बताया। दस्तावेज़ के अनुसार, बर्थ वाली कुल 120 लंबी दूरी की इलेक्ट्रिक ट्रेनों का उत्पादन किया जाएगा। रोलिंग स्टॉक का उत्पादन अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की तारीख से पांच साल के भीतर भारत में लाटौर शहर में शुरू किया जाएगा। उपकरणों का सेवा रखरखाव 35 वर्षों तक किया जाएगा।

पुणे में धमाके ...

इलाके में से मोहम्मद युसुफ खान और मोहम्मद युनुस मोहम्मद को मोटर साइकिल की चोरी का प्रयास करते हुए गिरफ्तार किया था। शुरुआती पूछताछ में इन लोगों ने अपने हिंदू नाम बताये थे, लेकिन ट्रूकालर के सहयोग से दोनों की असलियत सामने आई। इसके बाद पता चला कि दोनों राजस्थान के एक मामले में इनामी आतंकवादी थे। इसके बाद कोथरुड पुलिस ने इन दोनों को एटीएस को सौंप दिया था। इसके बाद एटीएस ने इन दोनों से पूछताछ कर तीसरे आतंकवादी शाहनवाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार इन तीनों आतंकियों ने पुणे, सतारा और कोल्हापुर जिले के जंगलों में बम बनाने और बम विस्फोट की ट्रेनिंग भी ली थी। साथ ही तीनों ने अन्य छह लोगों को भी अपने साथ जोड़ा है। एटीएस की टीम अन्य छह लोगों की भी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

स्वर्वेद भाष्य

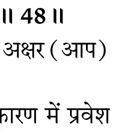

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

नि:अक्षर अक्षर नहीं, नहिं बावन क्षर आय।
क्षर अक्षर में व्याप्त है, नि:अक्षर सुखदाय॥ 47॥

शब्दार्थ : (सुखदाय) सुख देने वाला (व्याप्त) व्यापक।

भाष्य : नि:अक्षर अक्षर नहीं है, न बावन क्षर है। सुखदायक नि:अक्षर, क्षर-अक्षर दोनों में व्याप्त हैं।

करत भेद अभ्यास में, अनहद आप समाय।
अजपा आप विलीन है, झिलमिल ज्योति नशाय॥ 48॥

शब्दार्थ : (भेद अभ्यास) विहंगम योग का साधन (अजपा) अक्षर (आप) स्वयं (विलीन) लय।

भाष्य : विहंगम योग के अभ्यास से अनहद स्वयं अपने कारण में प्रवेश कर जाता है अर्थात अजपा अक्षर मं विलीन हो जाता है और झिलमिल-ज्योति भी नष्ट हो जाती है।

चोर के संदेह में हुई हत्या मामले में 13 लोग गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले में चोर होने के संदेह में लोगों की भीड़ द्वारा एक व्यक्ति की की गई पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने अबतक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में पुतुल दास, प्रकाश राभा, राम प्रसाद दास, रूप ज्योति राभा, उपजीत राभा, स्वपन राभा तथा राहुल विश्वास शामिल हैं। जबकि तीन लोगों राजकुमार राभा, रातुल राभा तथा शिवम मंडल ने आज पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। ज्ञात हो कि यह घटना शोलमारी कल्याणपुर में बीते कल हुई थी। मृतक की पहचान सेंगसांग मराक के रूप में हुई थी। मृतक की पत्नी द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, चोर होने के संदेह में लोगों के एक समूह ने मृतक को कथित तौर पर रात भर प्रताड़ित किया था। इसके बाद मंगलवार की सुबह व्यक्ति का शव बरामद किया गया था। उसकी पत्नी ने आरोप लगाया था कि मृतक रात में दुकान से सामान लेने गया था। इसके बाद से वह लापता था। आखिरकार पुलिस ने मंगलवार की सुबह मृतक का शव बरामद कर लिया था। इस सिलसिले में अब तक कुल 13 लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं। घटना की जांच की जा रही है।

गाड़ीवाले ने महिला से लूटा नकदी, जेवर, मोबाइल

दरंग (हिंस)। जालुकबाड़ी से खारुपेटिया ले जाते समय बदमाशों द्वारा एक महिला के गहने, मोबाइल व नकदी छीनने की घटना से सनसनी फैल गई है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार, दरंग के खारुपेटिया बाजार में महावीर रोड के मनोहर लाल झांझरी की पत्नी बैजयंती माला झांझरी खारुपेटिया के घर आने के लिए गुवाहाटी के जालुकबारी में बस का इंतजार कर रही थी। तभी एक चार पहिया वाहन उसके सामने आकर रुका। गाड़ी में 3 लोग पहले से ही सवार थे। कहां जाना है पूछा। इसके बाद महिला ने उन्हें खारुपेटिया जाने को कहा। युवकों ने महिला से कहा कि वे भी तेजपुर जा रहे थे। उन्हें बस के समान किराया देने से हो जाएगा। महिला उनकी गाड़ी में बैठ गई। महिला जब उस वाहन में उनके साथ घर जा रही थी, तभी शाम करीब छह बजे मंगलदै के मेनापारा पार करने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर एक सुनसान जगह पर वाहन रोक दिया और महिला को धारदार हथियार दिखाकर उसके हाथ, मुंह को बांध दिया। उसके पहने हुए सोने के जेवर, मोबाइल और नकदी ले लिए। युवकों ने महिला को घटनास्थल पर ही कार से धक्का देकर बाहर उतार दिया। जिससे महिला घायल हो भी गई। पीड़िता ने घटना के संबंध में धूला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने एफआईआर के आधार पर जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक बदमाशों के गिरोह के बारे में कोई सुराग नहीं मिला है।

इटानगर में प्रशासन ने चलाया बेदखली अभियान

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर के जिला प्रशासन ने बुधवार को विद्युत भवन के पास जीरो पॉइंट में बेदखली अभियान चलाया। कार्यकारी मजिस्ट्रेट नानगराम पिंगकैप ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश का पालन नहीं करने के कारण यह बेदखली अभियान चलाया गया। पिंगकैप ने कहा कि जिला प्रशासन ने पहले कुछ निजी व्यक्तियों को उक्त क्षेत्रों को खाली करने के लिए सात दिनों का नोटिस दिया गया था लेकिन उन्होंने आदेश का पालन नहीं किया, जिसके कारण प्रशासन को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि वास्तव में, निजी पक्ष द्वारा बनाया गया अवैध ढांचा एनएच-415 के रास्ते के अधिकार के अंतर्गत आता है। अभियान के दौरान प्रशासन ने 4-5 अवैध अस्थायी और स्थायी संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया।

कामपुर में ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। बुधवार को जिले के कामपुर के काकोती गांव में दो लोगों को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दोनों को स्थानीय ग्राम रक्षक ने काकोती गांव के रेलवे स्टेशन से पकड़ लिया। ग्राम रक्षकों ने उसे हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान एहिया अली और अबू शाहिद के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों के पास से ड्रग्स से भरे 10 कंटेनर जब्त किए हैं। पुलिस

अधिक जानकारी हासिल करने के लिए दोनों से पूछताछ कर रही है।

टोकारी गीत के सम्राट उमाकांत वैरागी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रंगिया (विभास)। टोकरी गीतों के माध्यम से संस्कृति के क्षेत्र में एक विशेष आवदान देने वाले उमाकांत वैरागी के निधन से राज्य का सांस्कृतिक जगत स्तब्ध है। टोकारी गीत सम्राट से विभूषित कलाकार के वियोग पर आज रंगिया स्थित सांस्कृतिक संस्था संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस मौके पर महान कलाकार उमाकांत वैरागी की छवि के सामने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। संगठन के सचिव पंकज पल्लव शर्मा के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रमुख पत्रकार बिपुल कलिता, कामरूप जिला छात्र संघ के सांस्कृतिक सचिव प्रिंस टोफिकुर राजा, मनोरंजन शर्मा, उज्ज्वल डेका और कई अन्य गणमान्य लोगों सहित प्रशिक्षुओं ने भी दिवंगत कलाकार के चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

ड्रग्स के साथ महिला समेत तीन गिरफ्तार

नगांव (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक नवनीत महंत के नेतृत्व में नगांव जिले में अपराध और अपराधियो के खिलाफ पुलिस शक्ति से कार्य कर रही है। इन दिनो ड्रग्स के खिलाफ अभियान में नगांव पुलिस को जोरदार सफलता मिली है। करोड़ों रुपयों की ड्रग्स जब्त करने के साथ कई ड्रग्स कारोबारी को सलाखो के पिछे धकेला गया है। मंगलवार की शाम को नगांव थाना अंतर्गत हैबरगांव धिंग गेट के नवीन नगर से अमीर हुसैन नामक व्यक्ति के घर से लगभग ढाई करोड़ रुपए मूल्य के नशीले पदार्थ (ड्रग्स) जब्त करने में पुलिस को सफलता प्राप्त की है इस नशीले पदार्थ में 3952 टेबलेट और 1531 बोतल सिरप बताई गई है। नगांव पुलिस ने हाल ही में अपराधियो के खिलाफ अभियान चलाने हेतु स्पेशल फोर्स का गठन किया गया था और उक्त फोर्स ने अभियान चलाकर करोड़ों रुपए की ड्रग्स जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। इस अभियान में पुलिस के आला अधिकारी

में मौजूद थेष पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार अमीर हुसैन (43), अफराज हुसैन (20) और अनवरा बैगम (43) को गिरफ्तार किया गया है और आगे की छानबीन की जा रही है।

लूटने आया डकैत पिस्तौल के साथ गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। वित्तीय संस्थान में डाका डालने आया एक डकैत पिस्तौल के साथ गिरफ्तार हो गया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह घटना बुधवार को नगांव जिले के रूपीहाट में हुई। रूपहीहाट के शिंगीमारी में एक वित्तीय प्रतिष्ठान में डकैती करने आए जियाबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि, अभियुक्त जियाबुर का एक सहयोगी भागने में सफल रहा। खबरों के अनुसार बाइक पर आए दो डकैतों के गिरोह में से एक को पब्लिक ने दबोच लिया।

शिव-शक्ति विवाह के साक्षी बने गुवाहाटीवासी

जीवंत झांकी व महाआरती देख भाव विभोर हुए श्रद्धालु

गुवाहाटी (विभास)। सेठ सांवरिया सत्संग समिति के तत्वावधान में आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के पावन प्रांगण वृंदावन गार्डन में चल रहे नौ दिवसीय श्री रामचरित्र मानस तथा शिव चरित्र कथा के तीसरे दिन शिव-शक्ति विवाह की साक्षी बनी गुवाहाटीवासी। कथा को तीसरे दिन आगे बढ़ते हुए व्यास पीठ पर विराजमान परम मनीषी, विद्धान पुज्य आचार्य श्री गौरवजी व्यास (श्री गोपालजी) द्वारा शिव शक्ति विवाह प्रसंग के दौरान पहले शिव बारात निकाली गई, जिसमें महाकाल रूप में बम भोले अपने गणों के साथ बैंड बाजे के साथ नाचते गाते, संग में भक्तों को नचाते हुए सभी को बराती बना दिया। माता पार्वती की आधारना पर देवाधिदेव महादेव ने अपना लावण्य स्वरूप बनाया और महादेवजी व शक्ति का विवाह जीवंत झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसमें भूत प्रेत की टोली और असम की पहली महिला बैंड भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। इस मनोरम दृश्य को देख पंडाल में उपस्थित हजारों की संख्या भक्त भाव विभोर हो उठे। इस दौरान आयोजको द्वारा शिव शक्ति विवाह उत्सव की बधाई भी बाटी गई। इससे पूर्व आज सुबह भगवान शिव का महा रुद्राभिषेक किया गया,

जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने सपत्नीक जोड़े से महाअभिषेक किया। महा अभिषेक का कार्य प्रति दिन सुबह जारी रहेगा। यजमान के रूप में ईश्वर चौधरी, प्रदीप भुवालका, रमेश कुमार चांडक, नरेंद्र सोनी एवं रवि शर्मा ने व्यासपीठ का पुजन कर गुरूजी से आशीर्वाद ग्रहण किया। पुरुषोत्तम मास के मौके पर आयोजित इस विराट धार्मिक अनुष्ठान की उपस्थित सभी भक्तो ने मुक्त कंठ से प्रसंशा की। बनारस से पधारे विद्वान पंडितो द्वारा रोजाना महाआरती का आयोजन किया जा रहा है, अद्भुत आरती दर्शन पाने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथा का आयोजन आगामी 1 अगस्त तक रोजाना दोपहर 2.30 बजे से 6 बजे तक श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन में किया जा रहा हैं। वहीं गुरुवार को असम बैद्यनाथ कावर संघ की और से विशेष कीर्तन का आयोजन स्थल पर शाम 6 बजे से किया जाएगा।

रंगिया : दिव्यांगता पहचान पत्र के लिए शिविर का आयोजन कल

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा प्रशासन के सौजन्य से एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन ने एक संवाद मेल के माध्यम से बताया है कि दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी कार्ड) नहीं होने के कारण दिव्यांगजन सभी सरकारी सुविधाओं से बंचित रह जाते है, इसलिए महकमा प्रशासन द्वारा आगामी 28 जुलाई (शुक्रवार) को दिव्यांगता पहचान पत्र बनाने के लिए रंगिया में एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर रंगिया नगर के बीचों बीच स्थित हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में सुबह 9.30 बजे से शुरू किया जाएगा। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण और आवेदक की दिव्यांगता का आकलन कर स्वाबलंबन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करा दिया जाएगा और दिव्यांगजनों के पक्ष में दिव्यांगता प्रमाण पत्र उसी पोर्टल से प्राप्त हो सकेगा। इस मौके पर महकमाधिपति ने रंगिया महकमा के अंतर्गत रहने वाले दिव्यांगजनों को आह्वान किया है कि वें इस मौके का लाभ जरूर उठाए और इस विशेष शिविर में 28 जुलाई को आकर अपना दिव्यांगता पहचान पत्र बनवाएं। उन्होंने बताया कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के लिए

राशन कार्ड/वोटर कार्ड/आधार कार्ड और दिव्यांग व्यक्ति की फोटो जरूरी हैं। महकमाधिपति ने जानकारी दी है कि इसके अलावा अन्य कोई सुविधाएं अगर मौजूद हैं तो राशन कार्ड के माध्यम से यह सुविधाएं पाने के लिए लभ्यार्थी सक्षम होंगे। उन्होंने बताया जिन्होंने ऑनलाइन आवेदन कर दिया है, या अभी तक नहीं किया है वें सभी इस शिविर का लाभ उठा सकते है और शिविर के बारे अधिक जानकारी के लिए फोन नं. 9957056040 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

खिड़की से लटककर गर्भवती महिला ने की आत्महत्या

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी सदर थानांतर्गत हेराम गांव में एक गर्भवती महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने को लेकर पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार मृतक महिला का शव मंगलवार की रात घर के अंदर खिड़की के ग्रील से लटकता हुआ बरामद हुआ। मृतक महिला हेराम गांव के परागज्योति दत्त की नवविवाहिता पत्नी थी। घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा। आसपास के लोगों का आरोप है कि महिला को मरने के बाद खिड़की से लटका दिया गया होगा। लोगों का कहना है कि गले में बांधा गया फंदा भी मामूली हल्के तरीके से बांधा हुआ था। जबकि, मृतक महिला का शव जमीन से लगभग सटा हुआ ही था। मृतक के मायके (भेहपाड़ा गांव) वालों ने धेमाजी सदर थाना में हत्या का मामला दर्ज कराया है।

नॉर्थ-ईस्ट डाइजेस्टिव एंड लिवर फाउंडेशन का हेपेटाइटिस पर सप्ताहभर का जागरूकता कार्यक्रम

गुवाहाटी। नॉर्थ ईस्ट डाइजेस्टिव एंड लिवर फाउंडेशन आम जनता के बीच इस बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए गुवाहाटी में हेपेटाइटिस पर एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। विश्व हेपेटाइटिस दिवस हर साल 28 जुलाई को वायरल हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है, जो लिवर की सूजन का कारण बनता है जो गंभीर बीमारियों यानी लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर की ओर जाता है। गुवाहाटी के वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और हेपेटोलॉजिस्ट डॉ. बीडी गोस्वामी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्व हेपेटाइटिस दिवस 2023 पर, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ संरेखित करते हुए नॉर्थ ईस्ट डाइजेस्टिव एंड लिवर फाउंडेशन, हेपेटाइटिस देखभाल को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं और समुदायों के करीब लाने

की आवश्यकता पर प्रकाश डाल रहा है ताकि लोगों को उपचार और देखभाल तक बेहतर पहुंच मिल सके, चाहे उन्हें किसी भी प्रकार का हेपेटाइटिस हो हेपेटाइटिस एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या है जहां हर 30 सेकंड में, वायरल हेपेटाइटिस से संबंधित बीमारी से एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। हालांकि, मौजूदा रोकथाम, परीक्षण और उपचार सेवाओं के साथ हेपेटाइटिस से संबंधित हर मौत को रोका जा सकता है। वायरल बीमारी के बारे में विस्तार से बताते हुए, गुवाहाटी के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. अमिताव गोस्वामी ने कहा कि हेपेटाइटिस किसी को भी प्रभावित कर सकता है, लेकिन स्वास्थ्य प्रणालियों द्वारा सबसे अधिक वंचित लोगों और समुदायों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। हेपेटाइटिस लिवर की सूजन है, जो आमतौर पर वायरल संक्रमण के कारण होता है। पाँच मुख्य हेपेटाइटिस वायरस हैं, जिन्हें प्रकार ए,बी,सी,डी और ई कहा जाता है। ये पांच प्रकार सबसे बड़ी चिंता का विषय हैं क्योंकि इनके कारण होने वाली बीमारी और मृत्यु का बोझ और प्रकोप और महामारी फैलने की संभावना है।

NOTICE INVITING TENDER

No. C/S. File No. 89 of 2023-24/.........

Sealed tenders eventually to be drawn in **F-2** form affixing not refundable Court Fee Stamps of Rs. 8.25 (Rupees Eight and paisa twenty Five) only and with a validity period of 180 (One Hundred and Eighty) days are invited from the registered contractors of APWD Bidg. for the work as detailed below and will be issued in the Office of the undersigned from **28/07/2023 to 29/7/2023** and received from **03/08/2023 to 05/08/2023** upto 14.00 hours of **05.08.2023** will be opened on the same date at **2.30 pm** in the office of the undersigned.

Gr. No.	Name or work	Approx Value of work (Exclusive of GST)	Bid security (in Rs.) (Bank Draft, TDR) (For Gen. category)	(For SC/ST/ OBC/ MOBC/UGE	Cost of Document IPO/D.D/ Banker Cheque	Time of Comple-tion	Eligibility of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Construction of 2 (Two) Nos. of Room alongwith attached bathroom for Drivers of Hon'ble Members in the Block-F compound at Old MLA Hostel, Complex, Dispur	Rs. 1,901,089.00	Rs. 38,022.00	Rs. 19,011.00	Rs. 500.00	30 Days	Class-I (A,B,C) Bldg. Class-II & III Cat-egory Contractor Only
2	Repairing / Renovation and painting works of C/No,.57 at old M.L.A. Hostel Dispur, Guwahati-6	Rs. 1,476,671.00	Rs. 29,533.00	Rs. 14,767.00	Rs. 500.00		

1. Details particulars and tender papers will be issued to the eligible contractor or their authorized agents with attested signature in application from **28/07/2023** to **29/7/2023** upto 2.00 P.M.
2. IPO and bid security must be payable in favour of the “ The Executive Engineer, PWD, Capital Construction Division, Dispur, Ghy-6”.
3. Contractor must have prequalification documents having similar nature of works executed for last 3 (Three) years.
4. The Contractor will have to submit upto date registration certificate for the year **2022-23,** GST,Labour Licence, EPF, Partnership deed/Power of attorney in case of Proprietorship firm dully attested by Govt. Gazetted Officer.
5. If for any reason last date of receiving or issuing tender paper is a declared holiday/bandh, tender will received and opened on the next working day
6. The undersigned will be the sole authority to cancel or accept any tender without showing any reason.
7. The short NIT will be a part of the contract agreement.
8. Other details can be seen in the tender document.

Sd/-
Executive Engineer, P.W.D.
C.C. Division, Dispur, Ghy-6.

-- Janasanyog /C/7786/23

कारगिल युद्ध के नाम पर पाकिस्तान ने हमारी पीठ में खंजर घोंपा था : राजनाथ

- कारगिल युद्ध में जीत के 24 साल पूरे होने का जश्न मना रही हैं तीनों सेनाएं

- सीडीएस और तीनों सेना प्रमुखों ने जान गंवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध में जीत के 24 साल पूरे होने का तीनों सेनाएं जश्न मना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी देश पर जान न्योछावर करने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सैन्य बलों के प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाध्यक्षों ने कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर 1999 के कारगिल युद्ध में अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। लद्दाख स्थित द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर सैन्य परम्परा के साथ हुए इस श्रद्धांजलि समारोह के पास से तीन चीतल हेलिकॉप्टर गुजरे और फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। कारगिल विजय दिवस पर चार मिग 29 विमानों ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक से उड़ान भरी। इसके बाद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके 1999 के कारगिल युद्ध में अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल युद्ध स्मारक पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि आज, 'कारगिल विजय दिवस' पर भारत माता के उन जांबाज सपूतों को नमन करता हूं, जिन्होंने राष्ट्र को सर्वप्रथम रखा और उसके लिए प्राणों की आहुति देने से भी पीछे नहीं हटे। रक्षा मंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध भारत के

ऊपर एक थोपा गया युद्ध था। उस समय देश ने पाकिस्तान से बातचीत के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने का प्रयास किया। स्वयं अटलजी ने पाकिस्तान की यात्रा करके कश्मीर सहित अन्य मुद्दों को सुलझाने का प्रयास किया था, लेकिन पाकिस्तान ने हमारी पीठ में खंजर घोंप दिया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने सम्मान स्वरूप उन्हें एक स्मृति चिन्ह और एक शॉल भी सौंपा। उन्होंने कारगिल युद्ध के बहादुरों की याद में द्रास में बने 'हट ऑफ रिमेंबरेंस' संग्रहालय का दौरा किया। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कारगिल विजय दिवस पर द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कारगिल विजय दिवस पर द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने एक संदेश में कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के पराक्रम, शौर्य और दृढ़ निश्चय का प्रतीक है। आज के इस गौरवशाली दिवस पर उन सभी शूरवीरों को नमन, जिनके अदम्य साहस से यह विजय हासिल हुई। देश के स्वाभिमान और संप्रभुता की रक्षा के लिए भारतीय सेना सदैव समर्पित है। भारतीय सेना ने कहा कि कारगिल विजय दिवस उन बहादुरों की निडर बहादुरी और साहस की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने खून और बलिदान से इतिहास में एक सुनहरा अध्याय लिखा। उन्होंने दुश्मन के दुस्साहस का करारा जवाब दिया और इस देश को शानदार जीत दिलाई।

सीओएएस जनरल मनोज पांडे ने कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास में एक भव्य समारोह 'शौर्य संध्या' में कारगिल युद्ध के बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वीर नायकों, वीर नारियों और विभिन्न नागरिक और सैन्य गणमान्य व्यक्तियों ने जान न्योछावर करे वाले बहादुरों के सम्मान में 559 दीपक जलाए। जनरल पांडे ने कारगिल युद्ध के दिग्गजों, वीर नायकों और शहीद नायकों के परिवार के सदस्यों को भी सम्मानित किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण अवसर पर नारी सशक्तिकरण महिला मोटरसाइकिल रैली टीम और उपस्थित अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान सैन्य बैंड और लद्दाख की समृद्ध और विविध संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन का मनमोहक प्रदर्शन भी किया गया। त्रिशूल डिवीजन के हीरक जयंती समारोह और 24वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, जीओसी त्रिशूल डिवीजन ने त्रिशूल युद्ध स्मारक पर बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान त्रिशूल डिवीजन का एक विशेष दिवस कवर भी जारी किया गया।

प्रधानमंत्री ने आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स में की पूजा

- श्रमिकों को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सुबह 10 बजे प्रगति मैदान पहुंचकर यहां पुनर्विकसित आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स परिसर में हवन-पूजन किया। प्रधानमंत्री ने आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स को बनाने वाले श्रमिकों से भेंटकर उन्हें शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने श्रमजीवियों के साथ ग्रुप फोटो भी खिचवाया। भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) परिसर का औपचारिक उद्घाटन आज शाम को होगा, जहां सितंबर में जी-20 नेताओं की बैठक का आयोजन किया जाना है। आईटीपीओ परिसर को प्रगति मैदान परिसर के नाम से भी जाना जाता है। इस परिसर की बात करें तो करीब 123 एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर का उपयोग बैठकों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए किया जाता है। आईटीपीओ परिसर का पुनर्विकसित तथा आधुनिक आ-

ईईसीसी (इंटरनेशनल एग्जिबिशन कम कन्वेंशन सेंटर) परिसर दुनिया के शीर्ष 10 प्रदर्शनी और सम्मेलन परिसरों में से एक है। सम्मेलन केंद्र के लेवल-3 पर 7,000 लोगों के बैठने की क्षमता है, जो इसे ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक सिडनी ओपेरा हाउस से अधिक बड़ा बनाता है। जहां तकरीबन 5,500 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। अधिकारियों के मुताबिक यह विशेषता आईईसीसी को वैश्विक पैमाने पर बड़े सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उपयुक्त स्थान बनाती है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी सभागारों में उत्पाद, नवोन्मेष और नए विचारों का प्रदर्शन करने के लिए सात आधुनिक स्थल हैं। इसके साथ ही आईईसीसी में एक बड़ा एम्फीथिएटर है, जिसमें 3,000 लोगों के बैठने की क्षमता है। अधिकारियों के मुताबिक, आईईसीसी आने वाले लोगों की सुविधा शीर्ष प्राथमिकता है और इसके लिए यहां 5,500 से अधिक वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी संसद में दें जवाब : खड़गे

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर मुद्दे पर संसद के अंदर अपना बयान दें। खड़गे ने गृह मंत्री अमित शाह के पत्र का जवाब देते हुए कहा कि आपको (गृह मंत्री शाह) ध्यान होगा कि मणिपुर में 03 मई के बाद की स्थिति पर इंडिया घटक दलों की लगातार मांग रही है कि प्रधानमंत्री सदन के पटल पर पहले अपना बयान दें। उसके बाद दोनों सदनों में इस विषय पर एक विस्तृत बहस और चर्चा की जाए। जिस तरह की गंभीर स्थिति पिछले 84 दिनों से मणिपुर में व्याप्त है और जिस तरह की घटनाएं एक-एक कर सामने आ रही हैं, हम सभी राजनीतिक दलों से यह अपेक्षित है कि हम वहां पर तत्काल शांति बहाली के लिए व जनता को संदेश देने के लिए देश के सर्वोच्च सदन में कम से

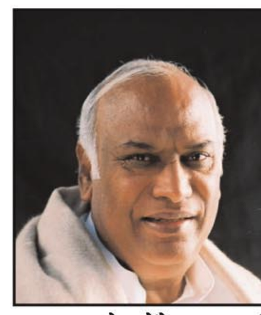

कम इतना तो करेंगे। हम सामूहिक रूप से यही मांग कर रहे हैं। खड़गे ने कहा कि आपके पत्र में व्यक्त भावनाओं की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। सरकार का रवैया आपके पत्र के भाव के विपरीत सदन में असंवेदनशील और मनमाना रहा है। यह रवैया नया नहीं बल्कि पिछले कई सत्रों में भी विपक्ष को देखने को मिला है। नियमों और परिपाटी को ताक पर रखकर विपक्ष को एक चाबुक से हांका जा रहा है। छोटी घटनाओं को तिल का ताड़ बनाकर सदस्यों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को गृह मंत्री शाह ने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे को पत्र लिखकर मणिपुर मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध किया था। शाह ने कहा था कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उनकी सरकार इस मुद्दे पर कुछ भी छिपाना नहीं चाहती है। इस पर खड़गे ने आज गृह मंत्री को पत्र लिख कर कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में अपनी बात रखें और फिर इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा की जाए। बीते दिनों मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसे लेकर विपक्ष लगातार केन्द्र और राज्य सरकार की आलोचना कर रही है और संसद के दोनों सदनों में मणिपुर के हालात पर चर्चा की मांग कर रही है।

उत्तराखंड में 30 जुलाई तक ऑरेंज व येलो अलर्ट, ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय मार्ग सहित 304 सड़कें बंद

देहरादून, (हि.स.)। राज्य में पहाड़ से लेकर मैदान तक मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी है। बुधवार की सुबह बारिश के साथ शुरू हुई। लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। मौसम विभाग की ओर से आगामी चार दिनों यानी 30 जुलाई तक के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में तीन ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के अलावा तीन बॉर्डर मार्ग सहित कुल 304 सड़कें बंद हैं। इन मार्गों को खोलने का कार्य जारी है। बुधवार सुबह की शुरूआत देहरादून सहित प्रदेश के कई स्थानों पर झमाझम वर्षा के साथ हुई। रुक-रुक हल्की और मध्यम गति से बारिश का क्रम जारी है। जिससे तापमान में कमी आई है। राज्य के अधिकतर स्थानों पर आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले 24 घंटे के लिए नैनीताल, चंपावत, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर पांच जिले में अत्यधिक वर्षा को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा अन्य सात जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली चमकने की चेतावनी है। राज्य में 30 जुलाई तक के लिए सभी जिलों में येलो अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। छितौनी को लेकर आपदा विभाग और जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। मौसम विभाग के

निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह का कहना है कि राज्य में चार दिन तक कई जिलों में अच्छी बारिश होगी। पहाड़ी इलाकों में सतर्कता बरतने की जरूरत है। भूस्खलन से रोड बंद हो सकते हैं। नदी-नालों के आसपास सतर्क रहें। दो दिन मुश्किल भरे रहेंगे। राज्य में लगातार हो रही वर्षा और भूस्खलन से तीन राष्ट्रीय राजमार्ग और तीन बार्डर मार्ग, 18 राज्य मार्ग सहित कुल 304 सड़कें बंद हैं। उत्तर काशी जिले में ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-94) डाबरकोट में मलबा, बोल्डर लगातार आने के कारण यातायात के अवरुद्ध है। ऋषिकेश गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-108) लालढांग मलबा आने के कारण बाधित है। बीआरओ द्वारा मार्ग को खोले जाने की कार्यवाही की जा रही है। गंगोत्री गौमुख पैदल मार्ग यातायात के लिए सुचारू है। चमोली जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-58) कमेड़ा के पास 100 मीटर रोड वॉशआउट होने और नंदप्रयाग टंगणी, पागलनाला में मलवा आने के कारण अवरुद्ध है। गोपेश्वर-मंडल-चोपता राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-107ए) यातायात के लिए खुला है। कर्णप्रयाग-गैरसैण राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-109) कालीमाटी के पास वॉशआउट होने से अवरुद्ध था। जिसे छोटे वाहनों के लिए सुचारू कर दिया गया है और बड़े वाहनों के लिए मार्ग को खोले जाने की कार्यवाही की जा रही है। जोशीमठ मलारी बॉर्डर रोड जुम्मा के पास वॉशआउट होने से यातायात मार्ग पर पैदल आवागमन के लिए पैदल पुल का निर्माण कर दिया गया है। रुद्रप्रयाग जिले में ऋषिकेश-केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-107) स्थान टरशाली के किमी 65 में अवरुद्ध है। बंद मार्ग को खोलने के लिए कार्य जारी है।

संसद में आएगा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को विपक्षी दलों ने केन्द्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर नोटिस दिया। प्रस्ताव को अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकृति प्रदान कर दी और उचित समय पर चर्चा कराने का आश्वासन दिया। लोकसभा में 12 बजे कार्यवाही शुरू होने के थोड़े समय बाद अध्यक्ष बिरला ने कहा कि उन्हें सदस्य गौरव गोगोई की ओर से नियम 198 के अंतर्गत मंत्रिपरिषद में अविश्वास का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इसके बाद प्रस्ताव को सदन में पेश किए जाने की अनुमति के लिए समर्थन देने वाले सांसद अपने स्थान पर खड़े हुए । अनुमति के लिए आवश्यक संख्या को देखते हुए अध्यक्ष ने प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान

कर दी। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव की अनुमति दी जाती है। उन्होंने कहा कि सभी दलों से चर्चा करके और नियमों के तहत उचित समय पर चर्चा की तिथि से सभी को अवगत करा दूंगा। उल्लेखनीय है कि मणिपुर मुद्दे पर कांग्रेस की ओर से आज लोकसभा में अविश्वास का नोटिस दिया गया था। विपक्ष लगातार मणिपुर के हालात और वहां दो महिलाओं के साथ हुई अभद्रता का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री से इस पर बयान की मांग कर रहा है।

कारगिल युद्ध में हमारे सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को कभी नहीं भूलेगा देश : सेना प्रमुख

द्रास, (हि.स.)। कारगिल विजय दिवस पर भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता को श्रद्धांजलि देते हुए सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ 1999 के संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवान हमेशा लोगों के दिल और दिमाग में जीवित रहेंगे। बुधवार को कारगिल की बर्फीली चोटियों में शहीद हुए सैनिकों की याद में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि देश 1999 के कारगिल युद्ध में हमारे सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान

को कभी नहीं भूलेगा। ऑपरेशन विजय को याद करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन विजय एक कठिन और उच्च तीव्रता वाला सैन्य अभियान था। यह एक दुर्गम इलाका था, जिस पर दुश्मन का कब्जा था। यह एक चुनौती थी, जिसे हमारे सैनिकों ने पूरा किया। सेना प्रमुख ने कहा कि मैं अंतिम उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमारे वायु योद्धाओं की भी सराहना करना चाहता हूं। कारगिल नायकों के परिजनों को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि देश आपके बलिदानों को नहीं भूलेगा और आपका आभारी रहेगा। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भी स्मारक पर शहीद कारगिल नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हिंसा पर भाजपा ने साधा ममता सरकार पर निशाना

नई दिल्ली, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों में हिंसा पर भाजपा द्वारा गठित 'फैक्ट फाइंडिंग कमेटी' ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट अध्यक्ष जे पी नड्डा को सौंप दी। बुधवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कमेटी के संयोजक भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान लोकतंत्र का एक शर्मनाक और घृणित चेहरा लोगों के सामने आया । उन्होंने पंचायत चुनाव में हिंसा के बीच साहस दिखाने वाले कार्यकताओं पर गर्व करते हुए कहा कि भाजपा के 11,000 सदस्य ग्राम पंचायत के लिए चुने गए हैं। यदि चुनाव निष्पक्ष होते तो भाजपा ग्राम पंचायत चुनावों में जीत हासिल करती। उल्लेखनीय है कि फैक्ट फाइंडिंग कमेटी में भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद को संयोजक बनाया गया था जबकि सांसद सत्यपाल सिंह, रेखा वर्मा, बृजलाल और राजदीप रॉय इसके सदस्य थे। रिपोर्ट के बारे में बताते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब दो हजार किलोमीटर का दौरा किया गया और लोगों से बात की गई। ममता सरकार में शर्मनाक एवं विकृत लोकतंत्र देखा। हमें राज्य में कई जगह रोका गया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में पांच तथ्य हैं, जिसमें नॉमिनेशन नहीं करने देना, नॉमिनेशन कर लिया तो प्रचार नहीं करने देना, अगर प्रचार किया तो अगवा कर लेना, बम-बारी करना और अगर जीत गए तो सर्टिफिकेट जारी नहीं करना शामिल है। उन्होंने कहा कि टीएमसी कार्यकताओं ने भाजपा कार्यकताओं को बुरी तरह पीटा, कई लोगों की हत्याएं की गईं। उनके परिवारजनों से मिलना बेहद पीड़ादायक रहा। ममता सरकार में लोकतंत्र का घृणित चेहरा देखने को मिला है।

गंगाराम अस्पताल में मरीज ने डॉक्टर को मारा चाकू, केस दर्ज

नई दिल्ली, (हि.स.)। मध्य जिले के राजेन्द्र नगर स्थित सर गंगाराम अस्पताल के एक न्यूरो सर्जन पर एक मरीज के द्वारा चाकू से हमला करने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि बिहार से आए इस मरीज ने गुस्से में आकर न्यूरो सर्जन डॉ. सतनाम छाबड़ा पर वहीं रखे एक चाकूनुमा औजार से हमला कर दिया, जिसमें डाक्टर को मामूली चोट लगी है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने शख्स को पकड़ लिया। आरोपित शख्स की पहचान राजकुमार (21) के रूप में हुई है और वह मानसिक रोग से ग्रस्त बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक घटना मंगलवार शाम साढ़े तीन बजे के करीब की है। बिहार से आए मरीज राजकुमार सर गंगाराम अस्पताल के न्यूरो विभाग के सीनियर सर्जन डॉ. सतनाम छाबड़ा को दिखाने के लिए उनके चैम्बर में गया था, लेकिन किसी बात को लेकर मरीज राजकुमार ने वहीं रखे

चाकूनुमा औजार से हमला करके डॉ. सतनाम को घायल कर दिया। इस मामले पर डीसीपी संजय सैन ने बताया कि डॉ. सतनाम की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। डॉक्टर की हालत फिलहाल स्थिर है और अस्पताल में सुरक्षाकर्मियों को सतर्क कर दिया गया है।

बंगाल में डेंगू से हो चुकी है छह लोगों की मौत, ढाई हजार संक्रमित

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में बारिश शुरू होते ही डेंगू का संक्रमण विकराल रूप लेता जा रहा है। एक दिन पहले मंगलवार को पता चला था कि डेंगू से गत शुक्रवार को एक बच्ची की मौत हुई थी जो इस सीजन राज्य में पहली मौत थी लेकिन बुधवार को पता चला है कि वह पहली नहीं बल्कि छठी मौत थी। राज्य में अब तक डेंगू से छह लोगों की मौत हो चुकी है। हैरानी यह है कि राज्य स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू संक्रमण के मामले में चुप्पी साध रखी है और मौतों के बारे में मीडिया को कोई जानकारी नहीं दी जा रही। गत 22 जुलाई शनिवार को एक 10 साल की बच्ची की मौत के बाद उसके मृत्यु प्रमाण पत्र पर डेंगू का उल्लेख होने के बाद जब मीडिया में खबर आई तब राज्य के स्वास्थ्य निदेशक सिद्धार्थ नियोगी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे हालात पर नजर रख रही है। लोगों को और अधिक जागरूक होने की जरूरत है।

हालांकि उन्होंने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया कि डेंगू से होने वाली मौत के आंकड़े क्यों नहीं जारी किए जा रहे। राज्य स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि शनिवार को बच्ची की मौत से पहले शुक्रवार 21 जुलाई को डेंगी से तीन लोगों की मौत पहले ही हो चुकी थी। उसके दो दिन पहले फूल बागान के बीसी रॉय शिशु अस्पताल में एक नवजात बच्चे की मौत डेंगू की वजह से हुई थी जबकि डेढ़ हफ्ते पहले भी बारासात की एक किशोरी की मौत आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डेंगू की वजह से हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बताया कि फिलहाल पूरे राज्य में करीब ढाई हजार मरीजों में डेंगू संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिन लोगों की डेंगू से अब तक मौत हो चुकी है उनमें पिकनिक गार्डन की रहने वाली 10 साल की बच्ची पल्लवी दे, नदिया के राणाघाट की रहने वाली 45 साल की उमा सरकार और ताहिर पुर के 66 साल के हरिपद मिस्त्री शामिल है। इसी तरह से दमदम के बांगुर एवेन्यू की 30 साल की रिंकी राय और बारासात की किशोरी 13 साल की शायनिका हालदार की मौत डेंगी की वजह से हुई है।

दिल्ली सरकार ने जुलाई से सितंबर के लिए घोषित किए चार ड्राई डे

- मुहर्रम, स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी और ईद पर दिल्ली में शराब की बिक्री पर रहेगी रोक

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर जुलाई से सितंबर की अवधि के लिए चार ड्राई डे (शुष्क दिवस) घोषित किये हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी विभाग से ड्राई डे को लेकर आए प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। जुलाई से सितंबर महीने के दौरान मुहर्रम, स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी और मिलाद-उन-नबी/ईद-ए-मिलाद का पर्व पड़ रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा शुष्क दिवस के रूप में चिह्नित इन दिनों पर शराब की बिक्री और उपभोग की अनुमति नहीं होगी। केजरीवाल सरकार ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य धार्मिक और राष्ट्रीय उत्सवों

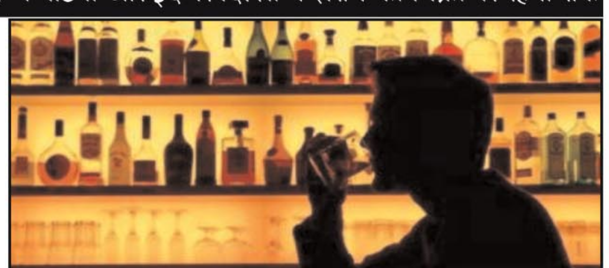

के दौरान सम्मानजनक और गंभीर माहौल बनाए रखना है। दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग ने एक जुलाई 2023 से 30 सितंबर 2023 की अवधि के लिए ड्राई डे की सूची जारी कर दी है। इस सूची के अनुसार, 29 जुलाई को मुहर्रम, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 07 सितंबर को कृष्ण जन्माष्टमी और 28 सितंबर को मिलाद-उन-नबी/ईद-ए-मिलाद का पर्व पड़ रहा है। सरकार ने इन पर्वों को ड्राई डे के रूप में शामिल किया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार हर 3 माह में ड्राई डे की लिस्ट जारी करती है। इसी परिप्रेक्ष्य में यह सूची जारी की गई है।

भारत खुद बनाएगा 400 किमी. रेंज का एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत अपनी 400 किलोमीटर श्रेणी की सतह से हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली विकसित कर रहा है। तीन स्तरीय लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली विकसित करने का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय के पास है और जल्द ही इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है। भारत ने फिलहाल रूस से पांच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदे हैं, जिनमें से तीन की आपूर्ति हो चुकी है। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) अपना स्वयं का 400 किलोमीटर लंबी दूरी का वायु रक्षा प्रणाली विकसित कर रहा है, जो रूस से लिए गए एस-400 सिस्टम के बराबर है। यह प्रस्ताव अग्रिम चरण में है और जल्द ही रक्षा मंत्रालय से मंजूरी दे दी जाएगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 2.5 बिलियन डॉलर है, जिससे भारत को हवा में दुश्मन की संपत्ति को मार गिराने की स्वदेशी क्षमता मिलेगी। मिसाइल प्रणाली में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की तीन परतें होंगी, जो विभिन्न दूरी पर लक्ष्य को भेद सकेंगी। भारत ने पहले ही मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली एमआर-एसएएम विकसित करने के लिए इजरायल के साथ काम किया है, जो 70 से अधिक किलोमीटर तक हवाई लक्ष्य पर हमला

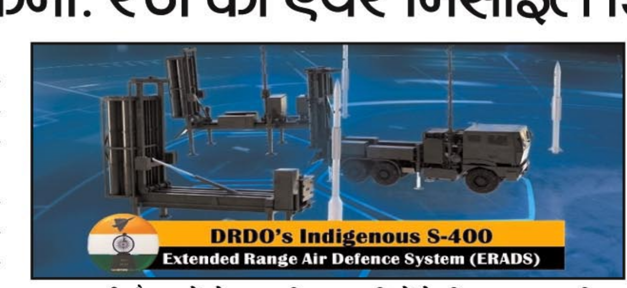

कर सकती है। सूत्रों ने कहा कि भारतीय प्रणाली रूस से हासिल की गई एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की श्रेणी में होगी और चीन एवं पाकिस्तान सीमा पर तैनात की जाएगी। सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली का विकास कार्य तब हो रहा है, जब डीआरडीओ ने जमीन आधारित और युद्धपोत आधारित दोनों प्रणालियों के लिए वायु रक्षा हथियार विकसित करने के मामले में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। एलआर-एसएएम परियोजना का नेतृत्व भारतीय वायु सेना करेगी, जो रक्षा हार्डवेयर में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक है। डीआरडीओ की एलआरएसएएम परियोजना शुरू किए जाने के बाद भारतीय नौसेना ने अपनी स्वदेशी एलआर-एसएएम प्रणाली का नाम बदलकर एमआर-एसएएम कर दिया है। सेना और वायु सेना ने पहले ही इसी तरह की स्वदेशी प्रणाली को एमआर-एसएएम नाम दिया था। भारत और रूस के बीच हुए पांच स्क्वाड्रन एस-400 मिसाइल सिस्टम का यह सौदा 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। रूस अब तक भारत को 3 एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति कर चुका है, जबकि दो सिस्टम अभी मिलने बाकी हैं। रूस से मिली 2 एस-400 स्क्वाड्रन को देश की उत्तरी और पूर्वी इलाकों में तैनात किया जा चुका है। तीसरी स्क्वाड्रन को पाकिस्तानी सीमा पर तैनात किए जाने की तैयारी है।

पूरे भारत में लागू होगा यूपी का हेल्थ मॉडल : मनसुख मांडविया

लखनऊ, (हि.स.)। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश में जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए प्राईमरी एण्ड हेल्थ सेन्टर पर स्वास्थ्य मेला लगता है। जिसमें ढाई से तीन लाख गरीब लोगों का प्रति सप्ताह इलाज हो रहा है। इस मॉडल को हम देशभर में लागू करेंगे। ताकि सारे देश में हेल्थ मेला लगाया जाय। उक्त बातें केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को एक पत्रकारवार्ता में पत्रकारों से कही। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डिजिटल प्लेटफार्म वैक्सीनेशन के लिए बनाया गया है। गांव की आशा अपने मोबाइल पर देखकर बता सकती हैं कि कितने बच्चों का वैक्सीनेशन हो गया और कितने बच्चे बाकी हैं। इसी तरह जिला अस्पतालों के ऑपरेशन थियेटर को डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ा गया है। ऑपरेशन थियेटर का कितना उपयोग हो रहा है। कितना ऑपरेशन हो रहा है। इसकी सूचना मिल जा रही है। उसे हम राष्ट्रीय स्तर पर लागू करेंगे । इसके अलावा ई रूपया हेल्थ सेक्टर में उपयोग करने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य है। मनसुख मांडविया ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द ही उत्तर प्रदेश में क्रिटिकल केयर ब्लाक, डिस्टिक हेल्थ और ब्लाक लेवल हेल्थ यूनिट का शिलान्यास करेंगे। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यूपी बड़ा राज्य है। राज्य में नैनो यूरिया का प्रचार हो रहा है। फटीर्लाईजसर का उपयोग कम हो। ताकि हमारी मिट्टी की सेहत बनी रही। केमिकल फटीर्लाइजर के ज्यादा उपयोग से उत्पादन में कमी आती है। उन्होंने कहा कि किसान नैनो यूरिया का उपयोग करें। नेचुरल फार्मिंग पर आगे बढ़ें। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने आयुष्मान भारत योजना, नेशनल हेल्थ मिशन के तहत हेल्थ इंफ्रा प्रोजेक्ट की प्रगति के साथ मेडिकल कॉलेज संबंधित अनुदान व नये नर्सिंग कॉलेज खोलने को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह के अलावा स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

वंदे भारत ट्रेन का रूट तय कराने के लिए रेल मंत्री से मिले सांसद राजेंद्र अग्रवाल

मेरठ, (हि.स.)। मेरठ-हापुड़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने बुधवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। सांसद ने रेल मंत्री से सहारनपुर से प्रयागराज के बीच घोषित वंदे भारत ट्रेन का रूट तय करने की मांग की। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के संसद भवन स्थित कार्यालय में मुलाकात के दौरान सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि इस ट्रेन को सहारनपुर से मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, खुर्जा, कानपुर होते हुए प्रयागराज तक चलाया जाना चाहिए। इस रेलमार्ग पर भारी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है तथा इस पर वन्दे भारत ट्रेन चलाया जाना आर्थिक दृष्टि से भी उपयोगी होगा। इस दौरान सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने रेल मंत्री को मेरठ से हापुड़-मुरादाबाद होते हुए लखनऊ तक वन्दे भारत ट्रेन चलाए जाने की पूर्व में की गई मांग को भी याद दिलाया तथा डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर न्यू परतापुर स्टेशन के कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराए जाने का अनुरोध किया। सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने रेल मंत्री से मेरठ तथा पानीपत के मध्य रेल मार्ग निर्माण करने का कार्य मंत्रालय द्वारा शीघ्र प्रारंभ कराये जाने की मांग की। उन्होंने कहा मेरठ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तथा पानीपत हरियाणा में अत्यंत महत्वपूर्ण व्यापारिक एवं आर्थिक केंद्र है। परन्तु मेरठ और पानीपत के मध्य अभी तक कोई रेल संपर्क नहीं है। मेरठ हैंडलूम, खेल उद्योग, प्रकाशन उद्योग, स्वर्ण आभूषण निर्माण उद्योग, गुड़ एवं चीनी का प्रमुख उत्पादन केंद्र है। मेरठ को पानीपत जैसे महत्वपूर्ण नगर से रेल के द्वारा जोड़ने के महत्त्व को सरकार ने स्वीकार करते हुए वर्ष 2017 के रेल बजट में सर्वेक्षण हेतु 300 करोड़ रुपये की धनराशि भी अवमुक्त की थी। इस रेल संपर्क से मेरठ के साथ मुजफ्फरनगर, बागपत एवं शामली तथा हरियाणा में पानीपत व समीपवर्ती क्षेत्रों का अधिक तेजी से विकास होगा। मेरठ तथा पानीपत के मध्य रेल मार्ग निर्माण करने का कार्य मंत्रालय द्वारा शीघ्र प्रारंभ कराया जाए।

गाजियाबाद में बारिश ने बाढ़ पीड़ितों की बधाई परेशानी, राहत शिविर में घुसा पानी

गाजियाबाद, (हि.स.)। बाढ़ से जूझ रहे लोगों के लिए बारिश ने और परेशानी खड़ी कर दी है। स्थिति यह हो गयी है कि राहत शिविरों में भी पानी घुस गया है। वहीं लाइन पार के सजवान नगर में भी हिंडन का पानी घुस गया है। बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ की टीमों को उन लोगों को बाहर लाने में चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। करहेड़ा के उस कम्पोजिट स्कूल परिसर में भी बारिश का पानी भर गया है, जिसको प्रशासन ने राहत शिविर के तौर पर तब्दील किया था। इधर कनावनी एवं सिद्धार्थ विहार पुस्ते के डूब क्षेत्र में बने भवनों को भी खतरा पैदा हो गया है। बिजली विभाग ने कान्हा उपवन और करहेडा स्थित बिजली घर से आपूर्ति बंद कर दी है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दूसरे सब स्टेशनों से बिजली की आपूर्ति की जा रही है। मोरटी पावर हाउस पर ब्रेक डाउन आया था, जो ठीक कर लिया गया। नंद ग्राम की तरफ से जो नाले हिंडन में गिरते हैं, उन्हें बद किए जाने के साथ क्षेत्र में स्थित एसटीपी को बंद किए जाने के चलते जगह जगह सडकों पर पानी भर गया है। पानी निकासी के लिए जो निगम के द्वारा पंप लगाया गया था, डीजल न मिलने के कारण चार दिन से शो पीस बना हुआ है। करहेडा की सड़कों से काफी हद तक पानी का स्तर नीचे उतरा है। वहीं हिंडन का पानी बहाव कनावनी की तरफ मोड़े जाने के परिणाम स्वरूप कनावनी एवं सिद्धार्थ विहार के डूब क्षेत्र की बिल्डिंगों को खतरा पैदा हो गया है। जीडीए के द्वारा कनावनी के डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण पर नियंत्रण एवं समय रहते एक्शन के लिए चार अभियंताओं की डयूटी लगाई गई है।

29वीं राष्ट्रीय थांग-टा चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा झारखंड

रांची, (हि.स.)। 29वीं राष्ट्रीय सब जूनियर तथा सीनियर थांग-टा चैम्पियनशिप की मेजबानी झारखंड को मिली है। झारखंड थांग-टा संघ के अध्यक्ष रंजीत केशरी ने बताया कि चैंपियनशिप का आयोजन 24 से 26 नवंबर तक रांची में खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में होगा। स्वदेशी खेल थांग टा के इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देशभर के 500 चुनिंदा पुरुष तथा महिला खिलाड़ी भाग लेंगे। इस बाबत शीघ्र ही झारखंड थांग-टा संघ की एक बैठक आयोजित होगी, जिसमें चैंपियनशिप के सफल आयोजन हेतु एक आयोजन समिति का गठन किया जाएगा। भारत में आरंभ से ही कई संस्कृतियों का समावेश है। यही कारण है कि यहां कई प्रकार की विभिन्न कलाएं भी विद्यमान हैं। यहां अलग-अलग तरह की कलाओं एवं संस्कृतियों का जन्म हुआ। ऐसी ही एक युद्धकला भारत देश में मणिपुर प्रदेश से सम्बंधित है। इस कला का नाम है थांग-ता। यह कला तलवार, ढाल और भाले के साथ खेली जाती है। यह कला आत्मरक्षा, एवं युद्ध कला के साथ-साथ पारम्परिक लोक नृत्य के रूप में जानी जाती है। यह कला शस्त्रों से परिपूर्ण एक युद्धकला है। इसमें थांग शब्द का अर्थ है तलवार, और ता का अर्थ है भाला इस कला में तलवार, ढाल और भाले का प्रयोग किया जाता है।

जनसंख्या समाधान फाउंडेशन का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन रांची में 29 जुलाई को

अररिया, (हि.स.)। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 29 जुलाई से झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित होगा। यह जानकारी बुधवार को जेएसएफ के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य रूप से गत वर्ष मेरठ अधिवेशन तय किये गए कार्ययोजना और जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग को लेकर देश भर हुए आंदोलन व जन जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी।साथ ही आगामी 29 अक्टूबर को दिल्ली सीमा से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय तक प्रस्तावित रैली सह प्रदर्शन की तैयारी को न सिर्फ अंतिम रूप दिया जाएगा,बल्कि आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना की रूप रेखा तय की जाएगी। देश में जनसंख्या की विस्फोटक स्थिति के कारण उत्पन्न जनसंख्या असंतुलन की गम्भीर समस्या पर प्रस्ताव भी लाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष कुमार ने कहा कि अधिवेशन में जहां राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों सहित देश के सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष व महिला और युवा विंग के प्रदेश संयोजक सहित हर प्रदेश से चयनित प्रदेश पदाधिकारी भाग लेंगे। वही सदस्यों व पदाधिकारियों के मार्गदर्शन के लिए फाउंडेशन के संरक्षक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय अधिकारी इंद्रेश कुमार, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी राष्ट्रीय संयोजिका ममता सहगल,राष्ट्रीय महामंत्री कृष्णमुरारी, सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी के आलावे जाने माने समाजिक कार्यकर्ता शिरकत करेंगे।मौके पर प्रदेश अध्यक्ष श्री कुमार के साथ प्रदेश महामंत्री राजीव झा उर्फ पप्पू झा भी मौजूद थे।

कारगिल युद्ध में दुनिया को भारत की सैन्य ताकत का अहसास हुआ : योगी आदित्यनाथ

- योगी ने कारगिल में शहीद हुए योद्धाओं को दी श्रद्धांजलि
- मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कारगिल युद्ध विषम परिस्थितियों में लड़ा गया था। मई 1999 में प्रारंभ हुआ यह युद्ध 26 जुलाई को औपचारिक कारगिल विजय दिवस के रूप में घोषित कर घुसपैठिए पाकिस्तानी सैनिकों को भारत की धरती से खदेड़ने में हमें सफलता प्राप्त हुई थी। कारगिल विजय से वैश्विक मंच पर दुनिया ने एक बार फिर से भारत की सैन्य ताकत का अहसास किया था। मुख्यमंत्री बुधवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कारगिल में शहीद हुए योद्धाओं की प्रतिमा के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही पूरे प्रदेशवासियों को कारगिल विजय दिवस की बधाई दी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज नए भारत में हम पीएम मोदी के नेतृत्व में कार्य कर रहे हैं। यह नया भारत, जिसमें हर नागरिकों को सुरक्षा की गारंटी है। जिस भारत में आतंकवाद, नक्सलवाद व घुसपैठ की जगह नहीं है। हर व्यक्ति को समान रूप से जीवन जीने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। देश के विकास के लिए न केवल केंद्र व राज्य सरकारें, बल्कि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर कार्य करते हुए लोक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उन सभी तबके तक पहुंच रहे हैं, जो आजादी के बाद उपेक्षित थे।

हमारे लिए अविस्मरणीय है इन सपूतों का बलिदान - मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आंतरिक व वाह्य सुरक्षा के लिए भारत मां के सपूतों का बलिदान अमूल्य है। हम सभी के लिए अविस्मरणीय व राष्ट्र के लिए अभिनंदनीय है, लेकिन प्रदेश सरकार ने उनके परिवारजनों के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करते हुए देश या आंतरिक सुरक्षा में शहीद होने वालों के परिजनों को 50 लाख रुपये व एक सदस्य को उप्र शासन में सेवा का अवसर देने व उनके नाम पर कोई संस्था, मार्ग का नामकरण की व्यवस्था छह वर्ष में लागू की है।

2047 तक दुनिया की बड़ी ताकत होगा भारत - मुख्यमंत्री ने बताया कि कैप्टन मनोज पांडेय के नाम पर देश के पहले सैनिक स्कूल का नामकरण किया गया। मेजर आदित्य मिश्रा, मेजर रितेश शर्मा, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी, लांस नायक सुनील जंग के परिवार वालों का अभिनंदन करता हूं। योगी ने कहा कि यदि हम नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करते हैं तो भारत प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप 2047 में दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित होगा। इस दौरान प्रदेश सरकार के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, जय देवी, अमरेश कुमार, एमएलसी मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, अवनीश सिंह आदि मौजूद रहे।

अमर शहीदों के परिजनों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित - इस अवसर पर परमवीर चक्र विजेता मनोज पांडेय के पिता गोपीचंद पांडे, अमर शहीद मेजर रितेश शर्मा के पिता सत्यप्रकाश शर्मा, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी की पत्नी कमला द्विवेदी और अमर शहीद राइफलमैन सुनील जंग की मां वीना महत का सम्मान किया गया।

गोरखपुर के चिल्लूपार की घटना के दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। गोरखपुर के चिल्लूपार क्षेत्र में खनन माफिया द्वारा दलित परिवार के सदस्य की हत्या को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस घटना से यह प्रतीत होता है कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। मायावती ने राज्य सरकार से घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मायावती ने बुधवार को ट्विटर के जरिए कहा कि प्रदेश में आपराधिक तत्वों के हौंसले कितने बुलन्द हैं। इसका एक और नमूना आज गोरखपुर के चिल्लूपार क्षेत्र के रुदौली में देखने को मिला। जब अवैध खनन करने वाले गिरोह ने दलित परिवार पर हमला करके एक व्यक्ति की हत्या कर दी। अन्य कई लोगों को घायल कर दिया। यह अति दुःखद एवं निंदनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस घटना का तुरंत संज्ञान ले। सभी नामजद लोगों के खिलाफ तत्काल उचित धाराओं में सख्त कार्रवाई करे।

ज्ञानवापी मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एएसआई के वैज्ञानिक को किया तलब

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर ने ज्ञानवापी परिसर में सर्वे कराये जाने के मामले में दाखिल अंजुमन इंतजामिया कमेटी की याचिका पर सुनवाई करते हुए एएसआई के वैज्ञानिक को आज 4.30 बजे तलब किया है। कोर्ट एएसआई से यह जानना चाहता है कि सर्वे के दौरान कोई क्षति तो नहीं होगी। कोर्ट इस मामले में एएसआई से उस विधि को भी जानना चाहता है, जिसके जरिए यह सर्वे किया जाएगा। कोर्ट सर्वे सिस्टम का डेमो भी देखेगा। इसके पहले सुनवाई के दौरान मस्जिद पक्ष की ओर से कहा गया कि सर्वे से संरचना को क्षति हो सकती है। वाराणसी जिला जज को सर्वे कराये जाने का अधिकार नहीं है। यह आदेश गलत है। जवाब में मंदिर पक्ष की ओर से जवाब दिया गया कि सर्वे के बाद ही मंदिर के स्ट्रक्चर का सही पता चल सकता है। एएसआई दो तकनीकों के माध्यम- फोटोग्राफी और इमेजिंग से सर्वे करेगी। किसी तरह की क्षति नहीं होगी। इस पर कोर्ट ने सर्वे का डेमो जानना चाहा और सर्वे में लगे एएसआई के वैज्ञानिक को 4.30 बजे तलब किया है।

चेक बाउंस मामले में अभिनेत्री अमीषा पटेल पर 500 रुपये का जुर्माना

रांची (झारखंड), (हि.स.)। न्यायिक दंडाधिकारी डीएन शुक्ला की अदालत ने चेक बाउंस मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल पर पांच सौ रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट में बुधवार को मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट में अजय कुमार सिंह ने गवाह का बयान दर्ज करवाया जबकि अमीषा के वकील ने गवाह से क्रॉस एग्जामिनेशन (प्रतिप्रेक्षण) के लिए समय की मांग की। मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होगी। अजय सिंह की ओर से अधिवक्ता स्मिता पाठक ने बहस की। उल्लेखनीय है कि फिल्म मेकर अजय कुमार सिंह ने अभिनेत्री अमीषा पटेल पर धोखाधड़ी का मुकदमा 2017 में दर्ज कराया था। देसी मैजिक फिल्म बनाने के नाम पर अजय से अमीषा पटेल ने दो करोड़ रुपये लिए थे। अजय के रुपये मांगने पर अमीषा ने दो चेक दिए, जो बाउंस हो गए। इसे लेकर अजय ने अमीषा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। पिछले दिनों अमीषा कोर्ट में हाजिरी लगा चुकी है।

बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष बने भोला यादव

पटना, (हि.स.)। बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड का अध्यक्ष भोला यादव को बनाया गया है। भोला यादव राजद सुप्रीमो लालू यादव के करीबी हैं। बोर्ड में अन्य 9 लोगों को सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया है। बोर्ड के सदस्यों में विनय कुमार चौधरी, ललित नारायण मंडल, प्रेम चंद्र मिश्रा, आचार्य सिया राम प्रसाद यादव, नारायण महतो, चितरंजन गगन, मदन शर्मा, रामाशीष यादव और प्रतिमा कुमारी हैं। बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड का पुनर्गठन तीन वर्षों के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दो दिनों में विभिन्न आयोग और बोर्डों का पुनर्गठन किया है। इससे पूर्व नीतीश सरकार ने बुधवार को राज्य महिला आयोग का पुनर्गठन किया, जिसका अध्यक्ष उजियारपुर की पूर्व सांसद और जदयू की समस्तीपुर की जिला अध्यक्ष अश्वमेध देवी को नियुक्ति किया गया है। ये पद पिछले ढाई साल से खाली था। नीतीश सरकार ने मदरसा बोर्ड का भी पुनर्गठन किया है। इसमें मदरसा बोर्ड का अध्यक्ष जेडीयू नेता और नीतीश के भरोसेमंद कहे जाने वाले पूर्व एमएलसी सलीम परवेज को बनाया गया है। इसके अलावा विधानसभा और विधानपरिषद के कई मेंबर को इस में सदस्य बनाया गया है।

देश के आंतरिक व वाह्य शत्रुओं से सावधान रहना चाहिए : कर्नल

-ज्वाला देवी में हर्षोल्लास से मनाया गया कारगिल विजय दिवस

प्रयागराज, (हि.स.)। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज गंगापुरी, रसूलाबाद में बुधवार को कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अवकाश प्राप्त कर्नल आर.बी सिंह ने कहा कि हमें देश के आंतरिक व वाह्य दोनों प्रकार के शत्रुओं से सावधान रहते हुए देश की रक्षा के लिए तत्पर रहना चाहिए और देश के लिए समर्पित रहना चाहिए। विद्यालय के रज्जू भैया सभागार में मुख्य अतिथि ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को देश सेवा के लिए जागरूक करें। देश की आन, बान और शान सेना होती है, जिसका हमें सदैव सम्मान करते रहना चाहिए। उन्होंने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें कारगिल को अंतिम न मानकर सदैव सजग रहना चाहिए। इसके पूर्व विशिष्ट अतिथि मेजर लल्लन मिश्र (तोपखाना कारगिल योद्धा), सतपाल श्रीवास्तव (कारगिल फ्रंटलाइन योद्धा) तथा सूबेदार मेजर मुलायम सिंह व प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने मॉ सरस्वती की प्रतिमा तथा कारगिल में शहीद हुए अमर जवानों के चित्र पर दीपार्चन एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अतिथि परिचय कराते हुए शहीदों को नमन किया तथा छात्रों को सेना में जाने के लिए प्रेरित किया। कारगिल योद्धा सतपाल श्रीवास्तव ने कहा कि किसी युद्ध को जीतने के लिए सिर्फ अत्याधुनिक उपकरण और सैन्य ताकत ही नहीं, बल्कि उस देश के नागरिकों के अपने राष्ट्र भूमि के रक्षार्थ अपना सर्वस्व अर्पित करने की भावना से सुनिश्चित होता है। कैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट सौरभ कालिया, मेजर योगेन्द्र सिंह यादव एवं कैप्टन मनोज पाण्डेय आदि शहीदों का जिक्र करते हुए कहा कि हमें भी अपने देश के सम्मान एवं निष्ठा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय की छात्रा इशिता तिवारी, अदिति यादव, प्रणव शुक्ला, सिद्धिका ने अपने विचार रखे एवं छात्रा कीर्ति त्रिपाठी ने देश भक्ति गीत ए मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या रीता विश्वकर्मा व आचार्य सरोज सिंह ने किया। मीडिया प्रभारी दीपक कुमार मिश्र के अनुसार इस अवसर पर सूबेदार गामा पटेल, श्याम देव, हवलदार साकेत बिहारी शुक्ला, हवलदार शिव शंकर मौर्य, हवलदार राम निरंजन यादव आदि उपस्थित रहे।

रांची में नए बस स्टैंड की तलाश, नगर निगम और जिला प्रशासन को मिली जिम्मेदारी

रांची, (हि.स.)। रांची वासियों को जल्द ही एक और बस स्टैंड मिलने वाला है। रांची में सिटी बसों के लिए नए बस स्टैंड की तलाश की जा रही है। इसके लिए नगर निगम और जिला प्रशासन के पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि वो इसके लिए उपयुक्त जगह ढूंढें। जानकारी के अनुसार आईटीआई बस स्टैंड के साथ जाकिर हुसैन के पास की खाली जमीन को भी बस स्टैंड के तौर पर विकसित किया जाएगा। इसके अलावा रेलवे स्टेशन के पास सरकारी बस स्टैंड को सिटी बस स्टैंड बनाने की योजना है। इस संबंध में जिला परिवहन पदाधिकारी प्रवीण प्रकाश ने बताया कि रांची में नौ बस स्टैंड बनाये जायेंगे। इसकी तैयारी चल रही है। जिन जगहों पर बस स्टैंड बनाये जायेंगे उन जगहों को चिन्हित की जा रही है। बताया जाता है कि आम लोगों की सुविधा के लिए रांची नगर निगम द्वारा शहर में अब 244 नई सिटी बसों का संचालन करने की तैयारी में जुट गया है। बसों के संचालन के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। जल्द ही निगम बसों को चलाने की तैयारी शुरू करेगा। इन बसों की खरीदारी पीपीपी मोड पर प्राइवेट एजेंसी के जरिए की जाएगी। प्राइवेट एजेंसी के साथ मिलकर निगम बसों को चलाएगा। इसका रूटमैप रांची नगर निगम तैयार करेगा। जो भी प्राइवेट एजेंसी शहर में सिटी बस की खरीदारी करेगी, निगम से उसको परसेंटेज के आधार पर शेयर भी दिया जाएगा। बस का संचालन और मेनटेनेंस की सारी जिम्मेवारी एजेंसी की होगी। रांची नगर निगम उसे सिर्फ रूट निर्धारण करके देगा।

कार्यपालक अभियंता के घर निगरानी विभाग की छापेमारी, जेवरात, नगद राशि और दर्जनों जमीन के कागजात बरामद

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के जोगसर थाना क्षेत्र अंतर्गत हनुमान नगर कॉलोनी निवासी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर श्रीकांत शर्मा के आवास पर बुधवार को विजिलेंस की टीम ने छापेमारी की। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम में श्रीकांत शर्मा एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के तौर पर कार्यरत हैं। उनके घर से विजिलेंस विभाग की टीम ने छापेमारी कर 80 लाख रुपए नगद, लाखों रुपए के जेवरात और जमीन के कई कागजात बरामद किए हैं। जब छापेमारी शुरू हुई तो उन्होंने टीम को कुछ भी बताने से इन्कार किया। फिर छापेमारी के दौरान उनके घर से एक ब्रीफकेस में नोटों से भरा बंडल बरामद किया गया। वहीं निगरानी टीम ने आय से अधिक संपत्ति रखने के एवज में उसे गिरफ्तार भी कर लिया है। कार्यपालक अभियंता श्रीकांत शर्मा को फिलहाल विशेष निगरानी इकाई की टीम अवैध संपत्ति सहित कागजातों को खंगालने में जुटी हुई। उल्लेखनीय है कि बिहार में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए विशेष निगरानी टीम की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में बिहार पुल निर्माण निगम के कार्यपालक अभियंता के बारे में भी पता चला कि उनके पास आय से अधिक संपत्ति है। जिसको लेकर यह कार्रवाई की गई। पटना से आए अधिकारियों ने बताया कि इस पर विशेष जांच टीम बैठाई गई है। इसकी जांच की जाएगी। इनके कई ठिकानों पर भी छापेमारी की जाएगी। उसके बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल श्रीकांत शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। छापेमारी दल में संजय जायसवाल डीएसपी विजिलेंस पटना, सत्यकाम डीएसपी निगरानी पटना सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

संपादकीय

नियमों में फंसी चर्चा

संसदीय सदन शर्तों और जिद से नहीं चला करते। सदन की कार्यवाही न तो प्रधानमंत्री, न कोई मंत्री और न ही विपक्ष तय कर सकते हैं। लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति को कुछ विशेषाधिकार प्राप्त हैं। वे 'कार्य मंत्रणा समिति' के परामर्श से सदन को संचालित कर सकते हैं। शेष सदन के लिए कई नियम भी बनाए गए हैं। सांसद के नोटिस को किस रूप में, किस नियम के तहत, स्वीकार किया जाए, यह भी पीठासीन अध्यक्ष का विशेषाधिकार है अथवा वे ध्वनि-मत से सदन के बहुमत की राय ले सकते हैं। अब मणिपुर के मुद्दे पर कांग्रेस की मांग है कि पहले प्रधानमंत्री संसद के भीतर बोलें और सरकार का पक्ष रखें। उसके बाद विपक्ष तय करेगा कि चर्चा किस आधार पर करनी है। चर्चा के नियम क्या होने चाहिए? संसद के भीतर विपक्ष की यह अड़ियल मांग 'असंसदीय' है, क्योंकि यह परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव है। यदि मणिपुर की हिंसा और धधकते माहौल के मद्देनजर, विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पेश करना चाहता है, तो यह उसका संसदीय अधिकार है, लेकिन वह प्रस्ताव भी बेमानी साबित होगा। सरकार के पक्ष में प्रचंड बहुमत आज भी है। शायद इसीलिए विपक्ष राज्यसभा में नियम 267 के तहत चर्चा पर आमादा है, क्योंकि उसमें बहस के बाद मत-विभाजन का प्रावधान है। बेशक राज्यसभा में भाजपा-एनडीए का बहुमत नहीं है, लेकिन वे इतने भी अल्पमत में नहीं हैं कि विपक्ष को बहुमत हासिल हो जाए। सत्ता-पक्ष नियम 176 के तहत चर्चा का पक्षधर है, जिसके तहत अधिकतम अढाई घंटे तक ही चर्चा की जा सकती है, लेकिन सभापति उसकी अवधि बढ़ा भी सकते हैं। विपक्ष 'नैतिकता' को लेकर मणिपुर के लिए अढाई घंटे को नाकाफी समय मान रहा है। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में द्रमुक सांसद टीआर बालू और तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता सुदीप बंदोपाध्याय से फोन पर बातचीत कर गतिरोध को समाप्त करने का अनुरोध किया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी अपील की, लेकिन विपक्ष अपनी शर्त और जिद पर अड़ा है कि पहले प्रधानमंत्री दोनों सदनों में अपना वक्तव्य दें। उसी के बाद चर्चा पर कोई निर्णय होगा। बीते सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह ने भी लोकसभा में कहा कि मणिपुर पर सरकार चर्चा को तैयार है, लेकिन न जाने क्यों विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। सारांश यह है कि सदन की कार्यवाही आरंभ की जाती है, लेकिन कुछ ही मिनटों के बाद कार्यवाही को अगले दिन तक स्थगित करना पड़ता है। क्या संसद इसी तरह काम करती रहेगी? संसद को चलाना सत्ता-पक्ष का दायित्व इसलिए माना जाता है, क्योंकि विधेयक आदि सभी कुछ सरकार तैयार करती है, सदन का प्रारूप तय करती है कि कब, क्या कार्यक्रम होगा? क्या विषय होंगे? कौन से दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाएंगे। अलबत्ता संसद चलाने का दायित्व दोनों पक्षों का है, क्योंकि लोकतंत्र में दोनों की भूमिकाएं अनिवार्य हैं। लिहाजा संसद के भीतर का हंगामा और गतिरोध देशहित में नहीं है। यह दलील कबूल नहीं की जा सकती कि भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए ऐसे ही गतिरोध पैदा किए थे और पूरा का पूरा सत्र हंगामे की बलि चढ़ जाता था। संसद किसी भी तरह की प्रतिशोधात्मक राजनीति का अड्डा नहीं है। संसद राष्ट्रीय है। बहरहाल मणिपुर का भयावह यथार्थ यह है कि करीब 65,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। 5000 से ज्यादा घरों में आगजनी की गई है। बीते एक पखवाड़े में करीब 13,000 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मणिपुर में 160 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। क्या ऐसे जलते मणिपुर पर संसद में चर्चा नहीं होनी चाहिए।

सांसद के नोटिस को किस रूप में, किस नियम के तहत, स्वीकार किया जाए, यह भी पीठासीन अध्यक्ष का विशेषाधिकार है अथवा वे ध्वनि-मत से सदन के बहुमत की राय ले सकते हैं। अब मणिपुर के मुद्दे पर कांग्रेस की मांग है कि पहले प्रधानमंत्री संसद के भीतर बोलें और सरकार का पक्ष रखें। उसके बाद विपक्ष तय करेगा कि चर्चा किस आधार पर करनी है। चर्चा के नियम क्या होने चाहिए? संसद के भीतर विपक्ष की यह अड़ियल मांग 'असंसदीय' है, क्योंकि यह परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव है। यदि मणिपुर की हिंसा और धधकते माहौल के मद्देनजर, विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पेश करना चाहता है, तो यह उसका संसदीय अधिकार है, लेकिन वह प्रस्ताव भी बेमानी साबित होगा। सरकार के पक्ष में प्रचंड बहुमत आज भी है। शायद इसीलिए विपक्ष राज्यसभा में नियम 267 के तहत चर्चा पर आमादा है, क्योंकि उसमें बहस के बाद मत-विभाजन का प्रावधान है। बेशक राज्यसभा में भाजपा-एनडीए का बहुमत नहीं है, लेकिन वे इतने भी अल्पमत में नहीं हैं कि विपक्ष को बहुमत हासिल हो जाए।

बोधि वृक्ष

इस तरह चिंताओं से मुक्त होकर जीवन का लें आनंद

क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आपने किसी चीज के लिए पूरे मन से मेहनत की हो, आपको लगा हो कि ऐसा होगा या वैसा होगा और फिर नतीजा आपकी सोच से बिलकुल अलग निकला हो? ऐसे में हम निराश हो जाते हैं। लगने लगता है कि जीवन कठिन है। कभी-कभी तो हम यहां तक सोचने लगते हैं कि मेहनत करने का क्या मतलब है? मेहनत करने के बाद भी हमें वह परिणाम नहीं मिलता है जो चाहिए। हम सबके मन में कभी न कभी ऐसे विचार आते हैं। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, हम जो कार्य करते हैं उसके परिणाम के पीछे बहुत सारी चीजें जुड़ी हुई हैं जो हमारे हाथ में नहीं हैं। जो चीज हमारे हाथ में ही नहीं है, उसके बारे में हम कैसे आशा कर लें कि जो हमें चाहिए वही होगा। मन में इस बात की गांठ बांध लेना कि जो परिणाम आप चाहते हैं उसी से आपको खुशी मिलेगी, अक्सर दुख और हताशा का कारण बन जाता है। मैं आपको उदाहरण देती हूं। 6 साल के एक बच्चे को एक दिन उसकी मां ने कहा कि जब वह शाम को स्कूल से आएगा तब उसे गुलाब जामुन देगी।

अब बच्चा पूरा दिन खुश था। स्कूल में उसने कोई शैतीनी नहीं की, टीचर की हर बात मानी और पूरे दिन मन लगा कर पढ़ाई की। स्कूल छूटते ही भाग कर घर आया तो उसने देखा कि मां तो लड्डू लिए खड़ी है। अब बच्चा निराश हो गया। उसका मन तो गुलाब जामुन पर अटका हुआ था। वह रोया, रूठा और ऐसे ही सो गया। न उसे लड्डू मिला और न गुलाब जामुन। हममें से कई लोग ऐसे बच्चे की हंसी उड़ाएंगे कि अरे इसमें क्या हुआ! लड्डू मिल रहे हैं तो लड्डू का मजा लो। लेकिन क्या हम इस बात को अपने ऊपर लागू करते हैं? जब कोई चीज हमारे मन के अनुसार नहीं हो रही होती है, तब क्या हम उसी बात पर मन नहीं बांध लेते? हमारा मन उसी से इतना जुड़ जाता है कि हम अपने जीवन और आसपास जो कुछ भी अच्छा चल रहा होता है उसे बिल्कुल अनदेखा कर देते हैं। जीवन से कर्म से रूठ जाते हैं और मुंह फुला कर किसी कोने में बैठ जाते हैं, क्यों? क्योंकि परिणाम वह नहीं निकला जिसकी हम उम्मीद कर रहे थे। हम तो इस बात पर भी ध्यान नहीं देते कि शायद किसी चीज का ना होना हमारी भलाई के लिए ही था। शायद उस दिन गुलाब जामुन न खाना हमारे लिए अच्छा था। दूसरा उदाहरण रिश्तों से लेते हैं। कभी-कभी हम कोई रिश्ता बनाने के लिए सब कुछ करते हैं। पर वह रिश्ता जुड़ता नहीं है। फिर हमें लगता है जिंदगी कितनी क्रूर है। हमने सब कुछ किया, इतना प्यार दिया फिर भी हमें प्यार क्यों नहीं मिला? हम यह नहीं सोचते कि भगवान हमें ऐसे रिश्ते में बांधने से रोक रहे हैं जिसमें दूसरे व्यक्ति को हमारे प्यार और भावनाओं की कद्र ही नहीं। हम भले अपना अच्छा-बुरा भूल जाएं लेकिन भगवान कभी हमारे साथ बुरा नहीं होने देंगे। इसलिए जब भी आपके साथ वह हो रहा हो जो आपने नहीं सोचा था, तो याद रखिए कि भगवान आपके साथ जो कर रहे हैं उसमें आपके साथ अच्छा ही होगा। आपकी सोच से ज्यादा ही आपको मिलेगा। इसलिए सारी चिंता छोड़ दीजिए और जीवन का आनंद लीजिए।

हमारे माता-पिता पुरातन संस्कारों और रीति-रिवाजों का निर्वहन करते हैं

स्कूली शिक्षा में संस्कार

डा. वरिंद्र भाटिया

शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। शिक्षा मनुष्य के जीवन का उपहार है जो व्यक्ति के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल देती है और संस्कार जीवन का सार है जिसके माध्यम से मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण और विकास होता है। जब मनुष्य में शिक्षा और संस्कार दोनों का विकास होगा, तभी वह परिवार, समाज और देश के विकास की ओर अग्रसर होगा। शिक्षा का तात्पर्य सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि चारित्रिक ज्ञान भी होता है जो आज की इस भागदौड़ वाली जिंदगी में हम भूल चुके हैं। हम अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में दाखिला दिलाकर संतुष्ट हो जाते हैं, परन्तु यह हमारी लापरवाही है जो हमारे बच्चों को गुमराह कर रही है। आज के अधिकांश बच्चे संभ्रांत तो हैं, पर विवेकशील नहीं।

भारतीय शिक्षा प्रणाली में छात्रों को संस्कार दिए जाना लगभग नगण्य होता जा रहा है। यह एक चिंता का विषय होना चाहिए। शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। शिक्षा मनुष्य के जीवन का उपहार है जो व्यक्ति के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल देती है और संस्कार जीवन का सार है जिसके माध्यम से मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण और विकास होता है। जब मनुष्य में शिक्षा और संस्कार दोनों का विकास होगा, तभी वह परिवार, समाज और देश के विकास की ओर अग्रसर होगा। शिक्षा का तात्पर्य सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि चारित्रिक ज्ञान भी होता है जो आज की इस भागदौड़ वाली जिंदगी में हम भूल चुके हैं। हम अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में दाखिला दिलाकर संतुष्ट हो जाते हैं, परन्तु यह हमारी लापरवाही है जो हमारे बच्चों को गुमराह कर रही है। आज के अधिकांश बच्चे संभ्रांत तो हैं, पर विवेकशील नहीं। भारतीय संस्कृति में संस्कारों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। समाज में पुरुष प्रधान व्यवस्था होने के उपरांत भी महिलाओं को बराबरी का दर्जा एवं बराबर का सम्मान देने की प्रथा है। तथाकथित आधुनिक समाज आधुनिकता का हवाला देकर पुरातन संस्कारों को दकियानूसी बताकर, दुत्कार रहा है और अंग्रेजी सभ्यता को अपना रहा है। हमारी मातृभाषा, मातृभूमि की उपेक्षा होने के कारण संस्कारों के अभाव में आधुनिक समाज का चारित्रिक पतन, अपराधीकरण एव धनलोलुप हो जाना आम है, जो युवाओं को कुप्रवृत्तियों की तरफ धकेल कर नशा आदि का आदी बना देता है। इससे हमारे देश का भविष्य चिंतनीय हो सकता है। यह अत्यंत चिंता का विषय है कि रोजगार की तलाश में, सुंदर भविष्य का सपना संजोए ग्रामीण भारत, कर्मठ भारत शहरों और विदेशों को पलायन कर रहा है। यहां यह बात ध्यान देने की है कि पुरातन संस्कारों की नींव अत्यंत गहरी है अन्यथा भारतीय समाज अपनी वास्तविक पहचान कब का खो चुका होता। हमारे माता-पिता पुरातन संस्कारों और रीति-रिवाजों का निर्वहन करते हैं। धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर उन पर आस्था प्रकट करते हैं। यह बच्चों के कोमल हृदय पर अचूक छाप छोड़ता है। समाज के बदलाव के लिए व्यक्ति में अच्छे गुणों की आवश्यकता होती है और उसकी नींव हमें हमारे बच्चों की बाल्यावस्था में ही रखनी पड़ती है। बच्चों को तीन गुण आत्मसात करवाने की आवश्यकता है। ज्ञान, कर्म और श्रद्धा। इन्हीं तीन गुणों से उनके जीवन में बदलाव आएगा और वे परिवार, समाज और देश सेवा में आगे बढ़ेंगे। आज जो राष्ट्रव्यापी अनैतिकवाद प्रदूषण हमारे समाज और देश को

दूषित कर रहा है उसका कारण सिर्फ बच्चों में संस्कार और शिक्षा का अभाव है जिसका दोषी कौन है? हम झूठे दिखावे के लिए अपने भारतीय अमूल्य संस्कारों के प्रति उदासीन होते जा रहे हैं। पाश्चात्य सभ्यता का आंख मूंद कर अनुसरण करना ही हमें और हमारे बच्चों को पथभ्रष्ट कर रहा है। इसे रोकना होगा। हम समझें कि शिक्षा का अंतिम लक्ष्य सुंदर चरित्र है। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का पूर्ण और संतुलित विकास करती है। बच्चों में सांसारिक और आध्यात्मिक शिक्षा दोनों की नितांत आवश्यता है क्योंकि शिक्षा हमें जीविका देती है और संस्कार जीवन को मूल्यवान बनाते हैं। शिक्षा में ही संस्कार का समावेश है। अगर हम अपने बच्चों में भारतीय संस्कृति, भारतीय परम्पराएं, भाईचारा, एकता आदि का बीजारोपण करते हैं तो उनमें खुद-ब-खुद संस्कार आ जाते हैं जिसकी जिम्मेदारी माता-पिता, परिवार और शिक्षक की होती है। आज हम अनेक विद्यालयों में देखते हैं कि शिक्षा केवल नाम के लिए रह गई है, शिक्षा के द्वारा प्राचीन समय में हमें ज्ञान तथा नैतिक मूल्यों को सिखाया जाता था। परन्तु आज यह बहुत बड़ा प्रश्न हमारे सामने उठ खड़ा हुआ है कि आज की शिक्षा प्रणाली के जरिए हम वही ज्ञान और नैतिक मूल्यों को अर्जित कर रहे हैं, शिक्षार्थियों को केवल उत्तीर्ण करने के लिए उन्हें ज्ञान दिया जाता है, या फिर कह सकते हैं कि उन्हें तैयार किया जाता है! शिक्षा में संस्कारों की कमी के चलते आज के युवा पीढ़ी के विद्यार्थी हर वो अनुचित कार्य कर रहे हैं जिसके करने के विचार से ही मन घबरा एवं सहम सा जाता है। क्या सही मायने में हम उन्हें सही ज्ञान और आदर्श सिखा रहे हैं? आखिरकार यह जिम्मेदारी किसकी है? माता-पिता की, शिक्षक की, विद्यालय की या पूरे समाज की, या सबसे अहम भूमिका सरकार की सतर्कता के साथ सदैव कार्यशील एवं तत्पर रहना ही हमारे अच्छे भविष्य का निर्माण कर सकती है। कड़वा सच है कि आज के इस युग में शिक्षक की भी परिभाषा बदल गयी है। इतने सारे अनैतिक कार्य कुछेक शिक्षकों के द्वारा किये जाते हैं जिनकी हम कभी परिकल्पना भी नहीं कर सकते हैं और दोषारोपण केवल आज की शिक्षा प्रणाली एवं समाज और सरकार पर ही किया जाता है। ये कई हद तक सही भी है, परन्तु एक विद्यार्थी के साथ एक शिक्षक को भी अपने आदर्शों का मान रखना चाहिए! शिक्षक नाम के गर्व को बनाये रखना चाहिए। कहते हैं एक मछली पूरे तालाब को गन्दा करती है, उसी प्रकार किसी एक या दो शिक्षकों के गलत कार्यों के द्वारा कहीं न कहीं पूरे शिक्षक समाज पर इसके छींटे पड़ते हैं और इन छींटों को हमारे शिक्षक समाज को मिलकर ही दूर करना होगा। हमें अपने नाम के आगे गौरव की वो शिखा स्थापित करनी होगी जिसे पार करना या वहां तक पहुंचना किसी भी चरित्रहीन व्यक्ति के बस की बात न हो! भ्रष्टाचार, आतंक, असमानता, जातिवाद, सभी का आधार कहीं न कहीं शिक्षा ही बनती जा रही है! शिक्षा के बल पर दुनिया जीती जा सकती है, परन्तु आज की शिक्षा व्यवस्था और उससे जुड़े लोग यह कथन असत्य कर रहे हैं! आजकल घूस, दलाली, चोरी, एक खुला व्यापार सब शिक्षा जगत में आसानी से प्रवेश कर चुका है। और हो न हो ये कहीं न कहीं नैतिक मूल्यों की कमी और उसके हनन का ही एक ज्वलंत परिणाम हमारे सामने उभर कर आया है। क्या हमने सोचा है कि ज्ञान के नाम पर हम आज क्या परोस रहे हैं, जिससे आने वाले भविष्य में क्या परिणाम होगा, इसका शायद किसी को अंदाजा भी नहीं है या फिर अंदाजा कभी लगाया ही न गया हो। जरा भी विचार हुआ होता तो शायद कुछ सुधार हो गए होते। इन सबके बीच नैतिक मूल्य तो कहीं भी दिखाई ही नहीं पड़ते हैं। संस्कार का मतलब अशिक्षित बनना नहीं है। संस्कार का मतलब है सही शिक्षा पाना। शिक्षा का मतलब केवल किताबी ज्ञान नहीं है। किताबी ज्ञान तो कोई भी पा सकता है, लेकिन संस्कार युक्त शिक्षा ऐसी शिक्षा है जो ज्ञान के साथ-साथ जीवन को भी पवित्र बनाए। आजकल लोग कैरेक्टर की उपेक्षा करते हैं, केवल कैरियर बनाने की बात सोचते हैं। हमारी संस्कृति केवल कैरियर की बात नहीं करती, हमारी संस्कृति कैरियर से ज्यादा चरित्र की बात करती है। दुनिया के क्षेत्र में आगे बढने वाले लोग अगर अपने चरित्र के क्षेत्र में पिछड़ जाते हैं, तो ये उनके जीवन की बहुत बड़ी हानि है, ऐसी हानि से बचना चाहिए। अंत में कहना होगा कि हमारी स्कूली शिक्षा में सांस्कृतिक शिक्षा का संतुलित समावेश किया जाना चाहिए। इसके लिए पाठ्यक्रम संशोधित किए जाने चाहिए। हमारी चुनी हुई सरकारें इस मामले में शीघ्र पहल करें तो बेहतर होगा।

अदम्य साहस की दास्तां कारगिल युद्ध

पाकिस्तान ने 21 फरवरी 1999 के लाहौर समझौते को दरकिनार करके नियंत्रण रेखा को पार करके कारगिल में मंसूबाबंदी को अंजाम देकर अपना असली चेहरा दिखा दिया था। कारगिल जंग के सूत्रधार जनरल परवेज मुशर्रफ, अजीज खान, महमूद अहमद तथा एफसीएनए के सरबराह जावेद हसन ने 17 मई 1999 को पाक सेना के 'ओजढ़ी कैंप' में जब पाक वजीरे आजम को कारगिल मंसूबे की ब्रीफिंग पेश की तो नवाज शरीफ अमन का पैगाम देने वाली उस नज्म को भूलकर कश्मीर का आलमगीर बनने का ख्वाब मखसूस अंदाज में देखने लगे। नवाज शरीफ को अपनी भंयकर भूल का एहसास तब हुआ जब 12 अक्तूबर 1999 की सैन्य बगावत को अंजाम देकर पाक जम्हूरियत का कत्ल करने वाले अहम किरदार भी वही चार चेहरे बने जो कारगिल जंग के मास्टर मांइड थे।

'जो हम पे गुजरी बच्चों संग न होने देंगे हम जंग न होने देंगे'। 20 फरवरी 1999 को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जब दिल्ली-लाहौर सदा-ए-सरहद नामक बस यात्रा के जरिए अमन का पैगाम लेकर पाकिस्तान पहुंचे तो पाक वजीरे आजम नवाज शरीफ ने लाहौर के गर्वनर हाउस में इस नज्म को पढक़र भारत के प्रधानमंत्री को खुशामदीद कहा था। लेकिन रिश्तों की गर्मजोशी जल्द ही अदावत में बदल गई। पाकिस्तान ने 21 फरवरी 1999 के लाहौर समझौते को दरकिनार करके नियंत्रण रेखा को पार करके कारगिल में मंसूबाबंदी को अंजाम देकर अपना असली चेहरा दिखा दिया था। कारगिल जंग के सूत्रधार जनरल परवेज मुशर्रफ, अजीज खान, महमूद अहमद तथा एफसीएनए के सरबराह जावेद हसन ने 17 मई 1999 को पाक सेना के 'ओजढ़ी कैंप' में जब पाक वजीरे आजम को कारगिल मंसूबे की ब्रीफिंग पेश की तो नवाज शरीफ अमन का पैगाम देने वाली उस नज्म को भूलकर कश्मीर का आलमगीर बनने का

ख्वाब मखसूस अंदाज में देखने लगे। नवाज शरीफ को अपनी भंयकर भूल का एहसास तब हुआ जब 12 अक्तूबर 1999 की सैन्य बगावत को अंजाम देकर पाक जम्हूरियत का कत्ल करने वाले अहम किरदार भी वही चार चेहरे बने जो कारगिल जंग के मास्टर मांइड थे। लेकिन रक्त के समंदर पर दास्तान-ए-शुजात का शिलालेख लिखने वाले जांबाज शबनम की बूंदों से खौफजदा हो जाएं, यह मुमकिन नहीं। शूरवीरों के बुलंद इरादों को पहाड़ भी सजदे करते हैं। कारगिल क्षेत्र में पाक फौज की घुसपैठ की पुख्ता जानकारी के बाद 1999 के मई महीने में लद्दाख का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले द्रास, कॉकसर, मश्कोह व बटालिक उपखंडों पर भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' लॉन्च करके पाक सेना पर पूरी तजवीज से हमला किया तो कारगिल का महाज पाक फौज की कयामत का खौफनाक मंजर पेश करने लगा। आपरेशन 'कोह-ए-पैमा' के तहत कश्मीर हथियाने की जहालत भरी ख्वाहिश रखने वाले पाक सिपहसालारों को उम्मीद नहीं थी कि भारत इतनी शिद्दत से पलटवार करेगा कि कारगिल के पहाड़ पाक सेना की कब्रगाह साबित होंगे। 10 जून 1999 को भारतीय सेना ने एक भयंकर हमले में पाक सेना की 'सात एनएलआई' के कै. 'फरहत हसीब' 'सितारा-ए-जुर्रत' को उसके पूरे सैन्य दल के साथ हलाक करके वहीं सुपुर्दे खाक कर दिया। कारगिल में पाक फौज की बेरहमी से हो रही हलाकत से खौफजदा होकर पाक वजीरे खारजा अमन का पैरोकार बनकर 12 जून 1999 को दिल्ली में तशरीफ ले आए तो लर्जिश चेहरे पर झलक रही थी, मगर भारत ने मुजाकरात की पेशकश को ठुकरा दिया। सरताज अजीज बेआबरू होकर पाक वापस लौटे। 13 जून 1999 को '2 राजपूताना राइफल' ने तोलोलिंग चोटी पर पाक सैन्य कमांडर कै. अनवर खान को 'नार्दर्न लाइट' की पूरी कंपनी के साथ हलाक करके जहन्नुम की परवाज पर भेज कर तिरंगा फहरा दिया था। तोलोलिंग पर विजय युद्ध का निर्णायक मोड़ था। तोलोलिंग फतह के बाद भारतीय सेना का अगला लक्ष्य प्वाइंट 5140 चोटी था। 17 हजार फीट की बुलंदी पर मौजूद 5140 शिखर पर सैन्य कार्रवाई का जिम्मा '13 जैकरिफ' को सौंपा गया था। 20 जून 1999 की रात को कै. विक्रम बत्रा तथा कै. संजीव जम्वाल के नेतृत्व में सेना ने जोखिम भरे रक्तरंजित मिशन को अंजाम देकर प्वांइट 5140 को पाक सेना के कब्जे से मुक्त कराया था। उस हमले में अहम किरदार अदा करने वाले हिमाचल प्रदेश के तीन शूरवीरों कै. संजीव जम्वाल, नायक देव प्रकाश व सूबेदार मेहर सिंह को सेना ने 'वीर चक्र' प्रदान किए थे। द्रास सेक्टर के प्वांइट 5140 पर तिरंगा फहराकर विक्रम बत्रा ने अपना विजयी कोडवर्ड 'ये दिल मांगे मोर' का सिग्नल नसर करके कारगिल की हदूद से आगे बढने की हसरत जाहिर की तो 'गजवा-ए-हिंद' का ख्वाब देखने वाले पाक हुक्मरानों को पीओके खोने का डर सताने लगा। भारतीय सेना के अचूक प्रहारों से मफलूज हो चुकी पाक फौज को कारगिल के पहाड़ों से महफूज निकालना पाक सिपहसालारों के लिए गले की फांस बन चुका था। अपनी हैसियत से बड़े अरमान रखने वाले परवेज मुशर्रफ की हनक खाक हो चुकी थी, केवल जीने की तलब जिंदा थी। आखिर अपनी सिपहसालारी की गैरत बचाने के लिए पाक जरनैलों ने 4 जुलाई 1999 को पाक वजीरे आजम को अमेरिका के आजादी इजलास में भेजकर बिल क्लिंटन की कदमबोसी करने पर मजबूर कर दिया। लेकिन भारतीय सैन्य पराक्रम के आगे पाकिस्तान के शरीक-ए-गम में कोई मुल्क शामिल नहीं हुआ। पाक आलमी सतह पर तन्हाई का शिकार हो चुका था।

नागरिक बोध

कब तक यूं ही आहत होंगे

पुनः कुल्लू घाटी और आसमान से बिगड़े बादलों का खेल तहस-नहस कर गया, जहां जीने की उम्मीदें पलकों पे सवार थीं, वहां आशियाना लुट गया। गड़सा में बादल फटने का कहर हर तरह की संपत्ति पर नहीं बरपा, बल्कि अमन-चैन के वातावरण को भी आहत कर गया। फिर यहीं कहीं बादलों ने दो पुल लील दिए और लील दिए दो दर्जन घरौंदे। वे तमाम खिड़कियां बंद हो गईं, जहां से आती थी भविष्य की उम्मीदें। प्रदेश में अब तक करीब दो दर्जन पुल बह गए हैं, जबकि हर तरह की सडक़ों को कुरेद गई है बारिश। करीब छह दर्जन पुल बरसाती घावों के कारण यातायात के काबिल ही नहीं रहे। इस तरह अगर हिमाचल का मूल्यांकन करें, तो सामान्य स्थिति के विपरीत हम आपातकालीन स्थिति से गुजर रहे हैं। दरअसल आपदा प्रबंधन की तमाम तैयारियों के बीच हिमाचल राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में हार रहा है। आश्चर्य यह कि पड़ोसी राज्यों के प्रशासन को हिमाचल के बड़े बांधों से शिकायत है, लेकिन बारिश में बहते पर्वतीय प्रदेश के बारे में देश ने आज तक कुछ हटकर नहीं किया। बारिश के तमाम कारणों का दोषी केवल पहाड़ नहीं, बल्कि राष्ट्रीय योजनाओं, बजटीय प्रावधानों, वित्तीय आबंटन के तौर तरीकों, शोध-अनुसंधान व तकनीक की कमी तथा पर्यावरणीय चिंताओं व जलवायु परिवर्तन के समाधानों में पर्वतीय राज्यों को बराबरी का दर्जा न देना, इस दिशा में पर्वतीय सुरक्षा को कमजोर करता है। आपदा प्रबंधन का राष्ट्रीय एजेंडा जिस बरसात, पानी, तूफान या अन्य चुनौतियों से जूझ रहा है, उससे कहीं भिन्न पर्वत के अपने अस्तित्व का संघर्ष है। यह प्रक्रिया समुद्र तटीय क्षेत्रों को समझने, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हवाओं या हवा की आद्र्रता-रुखेपन को जानने तथा अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों एवं विक्षोभ को समझने की है। आपदा से बाहर निकलने के लिए हिमाचल ऐड़ी-चोटी का प्रयास करता रहा है और राहत एवं बचाव के कार्य इस बार भी बड़ी शिद्दत तथा सफलता के साथ चल रहे हैं, लेकिन मौसम के साथ जीने का हुनर ताकीद कर रहा है कि ऐसे अप्रत्याशित नुक्सान से बचने के लिए क्षेत्रों के आधार पर भेद्यता का विश्लेषण होना चाहिए। इसके लिए समाज की भूमिका, ग्रामीण एवं शहरी योजना में सुधार, आधुनिक जीवन शैली के दबाव कम करने के उपायों के अलावा निर्माण की आचार संहिता तय करनी होगी। इतना ही नहीं, कृषि प्रौद्योगिकी, आधुनिक उपकरणों का प्रयोग तथा जंगल को फिर से परिभाषित करने की जरूरत है। हमारा विकास कहीं तो भौगोलिक अवरोध पैदा कर रहा है। ऐसे में हर विभाग में भविष्य की चुनौतियों के समाधान के आंकड़ों का खुराफाती खेल भी समझना होगा। खास तौर पर विकास की दौड़ में बहुत कुछ नजरअंदाज हो रहा है। यह सडक़ व सरकारी भवन निर्माण से शुरू होकर निजी तौर पर इमारतों व व्यावसायिक परिसरों के निर्माण तक चिंता का विषय है। आश्चर्य यह कि हमारी विकास योजनाएं ज्यादातर वनापत्तियों से निजात पाने में ही समय गुजार देती हैं, जबकि निर्माण के लक्ष्य आगे चलकर घातक सिद्ध होते हैं। आवश्यक भूमि की कमी ने विकास को रेत का टीला बना दिया, यानी जहां और जैसी जमीन भी उपलब्ध हो, निर्माण शुरू हो जाता है। न शहरी विकास योजना का कोई अर्थ और न ही ग्रामीण विकास में नियोजन की जरूरत समझी गई। हैरानी तो यह कि सरकारी इमारतें भी निर्माण की आचार संहिता निर्धारित नहीं कर पाईं। प्रदेश की प्राथमिकताओं में आवासीय बस्तियों को ही अगर मांग के आधार पर सही ढंग से बसाया होता तो निर्माण की आवारगी में हादसे न होते। हिमाचल में जलवायु, पर्यावरण, बारिश, पानी और बर्फबारी के बदलते तेवरों को समझते हुए एक ओर नवनिर्माण की आचार संहिता व टीसीपी कानून का दायरा बढ़ाते हुए सशक्त करना पड़ेगा, जबकि दूसरी ओर पहाड़ों से जल प्रवाह को प्रलय के सुपुर्द करने से रोकना होगा। नदियों, नालों व खड्डों पर राज्यस्तरीय सर्वेक्षण से खनन के वैज्ञानिक आधार की अवहेलना तथा जल निकासी की स्थिति का पता लगाना चाहिए और साथ ही साथ नालों, खड्डों व नदियों के चैनलाइजेशन की राष्ट्रीय नीति बननी चाहिए।

देश दुनीया से

मणिपुर संघर्ष में औरतें क्यों बनीं निशाना

आज का वक्त विरोधाभासों और क्रूर विडंबनाओं का है। धर्म से हर पल पनाह मांगते लोगों की धर्म का रक्षक बनने की हिमाकत, स्त्री को नारायणी मानने का दम भरने के साथ उसकी अस्मिता को हर पल दांव पर लगाने की क्रूरता, समाज के कमजोर वर्गों की चुनावी हिमायत के साथ ही उनसे अकल्पनीय बर्बरता और इन सब के साथ अपने पर गर्व करने की मूर्खता। शायद इनसे हम पूरी तरह मुक्त तो कभी नहीं थे। ऐसा दोहरापन और आत्म-विरोध हमेशा ही हमारे साथ रहा है। लेकिन इसकी इतनी आत्मघाती स्वीकृति कभी नहीं रही, जितनी आज है। हमारे सामने एक ओर यह खुशनुमा पसमंजर है कि लड़कियां समाजिक जंजीरें काट रही हैं, निषिद्ध दुर्ग फतह कर रही हैं और बेवजह खींची हुई सीमाएं लांघ रही हैं। लेकिन साथ ही हम इस परिदृश्य के भी गवाह हैं कि स्त्रियों का जीवन अभी भी उसी जाल में फंसा हुआ है, जो उनकी अस्मिता और सम्मान के नाम पर उन्हें समाज के हर टकराव में घसीट कर उनकी देह को रणक्षेत्र बना देता है। स्त्री की अस्मिता को उसके शरीर तक सीमित कर देने की बेहूदी सोच युगों-युगों से चली आ रही है। द्वापर युग की मिथकीय द्रौपदी को निर्वस्त्र करने की जो हरकत कौरवों की राजसभा से शुरू हुई थी, वह आज तक जारी है। मणिपुर में भी हाल के दिनों में यही देखने को मिला। आलम यह है कि मामला पुरुषों के बीच का हो, दो जातियों या उप-जातियों के बीच का या धार्मिक समूहों या मात्र दो घरों के बीच का। टकराव में प्रतिद्वंद्वी को हराने मात्र से विजय पूरी नहीं होती। विरोधी पक्ष के कितने ही खज़ाने आप लूट लें, कितने ही समर्थक कब्जे में कर लें, प्रतिद्वंद्वी की स्त्रियों की देह न लूटी तो सब बेकार, ऐसा मर्दवादी सिद्धांत आमतौर पर चलता है। राजशाही भी जहां खत्म हुई, वहां बहुत कुछ बदला, लेकिन उसके अनुरूप मर्दवादी या पितृसत्तात्मक सोच नहीं बदली। न सिर्फ बदली नहीं, कभी-कभी यह सोच ज्यादा कट्टर और भयानक हुई क्योंकि स्त्रियों में संघर्षशीलता बढ़ने के साथ मर्दवादी सोच को घबराहट हुई और उसने अपने शिकंजे को ज्यादा पैना करने की कोशिश की। आख़िर स्त्री क्यों लपेट ली जाती है किसी भी लड़ाई में? शायद इसलिए कि वह प्रतिद्वंद्वियों का सबसे नाजुक बिंदु है और हर लड़ाई में हम अपने दुश्मन की सबसे नाजुक कड़ी पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन स्त्री इतनी नाजुक कड़ी क्यों बना दी जाती है? शायद इसलिए कि हम लगातार स्त्री के लिए ही कहते हैं कि वह हमारे घर (समाज/कौम) की इज्जत है, सम्मान है। हम ऐसा कहते हैं, चाहे अपने घर और कौम में उसे अधिकारों से पूरी तरह वंचित रखें और उसके सम्मान पर हमला भी करते रहें। स्त्री को घर या बिरादरी का सम्मान मानते समय आमतौर पर जो रुख मिलता है, वह हमारे दोहरेपन को दिखाता है। एक तो यह कि हम पुरुष को घर या बिरादरी की इज्जत बिल्कुल भी उस अर्थ में नहीं मानते जिस अर्थ में स्त्री को मानते हैं। स्त्रियों पर पुरुषों के निजत्व के दावे के कारण वे किसी भी द्वंद्व में सबसे नाजुक कड़ी बन जाती हैं और हमलावर का पहला निशाना बनती हैं। अगर पुरुष और स्त्रियां दोनों समान रूप से घर की इज्जत माने जाएं तो शायद स्त्रियों की इस तरह की निशानदेही की एक वजह दूर हो जाए। लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण तो वह वर्चस्ववादी प्रवृत्ति है, जिसे हम बचपन से 'पुरुषत्व' के नाम पर पोषित करते हैं और जो स्त्रियों के बढ़ते कदमों से आज बहुत आतंकित है। यह पुरुषत्व संवेदना और सहयोग की क्षमता को तिल-तिल मारता है और स्त्री के शरीर पर पुरुष की ताकत को सेलिब्रेट करता है, पुरुष की बर्बर संवेदनहीन ताकत पर ताली बजाता है। ऐसी सोच में पोषित मर्द के लिए स्त्री देह को कब्जे में करना और उसके ऊपर मर्दानगी के झंडे गाड़ना ही उसके 'असली मर्द' होने का प्रमाण है।

स्त्री की अस्मिता को उसके शरीर तक सीमित कर देने की बेहूदी सोच युगों-युगों से चली आ रही है। द्वापर युग की मिथकीय द्रौपदी को निर्वस्त्र करने की जो हरकत कौरवों की राजसभा से शुरू हुई थी, वह आज तक जारी है। मणिपुर में भी हाल के दिनों में यही देखने को मिला। आलम यह है कि मामला पुरुषों के बीच का हो, दो जातियों या उप-जातियों के बीच का या धार्मिक समूहों या मात्र दो घरों के बीच का। टकराव में प्रतिद्वंद्वी को हराने मात्र से विजय पूरी नहीं होती। विरोधी पक्ष के कितने ही खज़ाने आप लूट लें, कितने ही समर्थक कब्जे में कर लें, प्रतिद्वंद्वी की स्त्रियों की देह न लूटी तो सब बेकार, ऐसा मर्दवादी सिद्धांत आमतौर पर चलता है।

ऑस्ट्रेलिया के तट पर फंसीं 100 पायलेट व्हेल: 51 की मौत, 46 का रेस्क्यू जारी; एक्सपर्ट बोले- यह बीमारी का संकेत हो सकता है

कैनबरा।
ऑस्ट्रेलिया के समुद्री तट पर बुधवार सुबह 51 पायलट व्हेल की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलिया के पार्क एंड वाइल्डलाइफ सर्विस ने बताया कि देश के पश्चिम में चीनेस बीच पर मंगलवार को करीब 100 पायलट व्हेल्स पहुंची थीं। यहां रातभर फंसे रहने के बाद 51 व्हेल्स की मौत हो गई। उन्होंने कहा- हम जिंदा बची करीब 46 व्हेल को गहरे पानी में भेजने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार सुबह पायलट व्हेल्स का एक ग्रुप अल्बानी से 60 किलोमीटर पूर्व में चेनेस बीच के पास तैरता हुआ देखाई दिया था। इसके बाद शाम तक व्हेल्स का ग्रुप समुद्र के किनारे पहुंचने लगा और शाम तक पूरा बीच व्हेल से ढक गया। ये व्हेल्स रातभर तट पर ही फंसी रहीं।

एक्सपर्ट बोले- व्हेल्स का तट पर पहुंचना असामान्य

मरीन लाइफ एक्सपर्ट्स ने बताया कि व्हेल्स का अचानक तट पर पहुंचना असामान्य है। यह किसी बीमारी के फैलने का भी संकेत हो सकता है। हालांकि व्हेल्स के इतनी बड़ी संख्या में अचानक तट पर पहुंचने की सही वजह अभी तक सामने नहीं आई है।

डॉक्टर्स-एक्सपर्ट्स ने रातभर तट पर कैम्पिंग की

व्हेल्स का ग्रुप तट पर पहुंचने के मरीन एक्सपर्ट्स और वॉलंटियर्स ने रातभर बीच के पास कैंपिंग की। इस टीम में पर्थ चिड़ियाघर के डॉक्टर्स, एक्सपर्ट्स जहाज और स्लिंग्स के साथ दूसरे सभी इक्विपमेंट लेकर मौजूद थे। इन लोगों को ऑस्ट्रेलिया के एनिमल लवर्स और दूसरे कई लोगों ने मदद की पेशकश भी की, ताकि व्हेल्स की निगरानी की जा सके।

डॉल्फिन की एक प्रजाति है पायलट व्हेल

पायलट व्हेल समुद्री डॉलफिन की एक प्रजाति है, जो समूह में यात्रा करती हैं। ये समुद्र तट पर अपने समूह के एक लीडर (पायलट) को फॉलो करती हैं और ग्रुप में किसी साथी के घायल हो जाने पर उसके आसपास बड़ी संख्या में इकट्ठा हो जाती हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पायलट व्हेल हमेशा एक साथ रहती हैं। अगर कोई एक व्हेल कहीं फंस जाती है तो बाकी सब भी उसके पीछे जाने लगती हैं। यही वजह है कि समुद्री तट के किनारे एक साथ इतनी सारी व्हेल्स की मौत हो रही है। बताया जाता है कि कई बार कोई एक व्हेल किनारे पर आ जाती है और फिर तकलीफ में दूसरी व्हेलों के पास संकेत भेजती है।

न्यूज ब्रीफ

मणिपुर गैंगरेप पर अमेरिका बोला- घटना डरावनी: पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए भारत सरकार की कोशिशों को हमारा समर्थन

वॉशिंगटन। मणिपुर में दो समुदायों के बीच 3 मई को शुरू हुई हिंसा अब भी जारी है। इस बीच वहां 2 महिलाओं के साथ हुए गैंगरेप के मामले में अमेरिका की प्रतिक्रिया सामने आई है। अमेरिका से इस मामले को डरावना और चौंकाने वाला बताया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा- दो महिलाओं पर हुए हमले का वीडियो देखकर हम स्तब्ध हैं। हम घटना में पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदनाए जताते हैं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए भारत सरकार की कोशिशों का समर्थन करते हैं। पटेल ने कहा- भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि किसी भी सभ्य समाज में महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार शर्मनाक है। हम पहले भी कह चुके हैं कि मणिपुर मामले में हम शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में हैं और उम्मीद करते हैं कि हर समुदाय के लोगों और उनकी संपत्ति की रक्षा की जाएगी। इससे पहले भारत में मौजूद अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा था कि ये भारत का आंतरिक मामला है। वो जहां भी ऐसी हिंसक घटनाएं देखते हैं तो उन्हें दुख पहुंचता है। इससे पहले 6 जुलाई को भी अमेरिका ने भी मणिपुर की हिंसा पर चिंता जाहिर की थी।

बाइडन ने अमेरिकी मानसिक स्वास्थ्य संकट पर की बात, फिसली जुबान, कहा- हमने कैंसर को खत्म कर दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्टपति जो बाइडन ने मंगलवार (स्थानीय समय) को एक आश्चर्यजनक दावा किया। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने प्रभावी ढंग से कैंसर को खत्म कर दिया है जैसा कि हम जानते हैं। बाइडन ने यह दावा व्हाइट हाउस में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच बढ़ाने पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए किया। इस दौरान उन्होंने अपने यूनिटी एजेंडा के हिस्से के रूप में अमेरिका के मानसिक स्वास्थ्य संकट से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता पर भी चर्चा की। बाइडन ने कहा, एक चीज जो मुझसे हमेशा पूछी जाती है वह यह है कि अमेरिकियों ने कुछ समय के लिए बड़े काम करने में सक्षम होने के प्रति विश्वास क्यों खो दिया है। उन्होंने आगे कहा, मुझसे पूछा गया यदि आप कुछ भी कर सकते, बाइडन, तो आप क्या करेंगे मैंने कहा कि मैं कैंसर का इलाज करूंगा। उन्होंने मुझे इस तरह देखा जैसे पूछ रहे हो, कैंसर क्यों क्योंकि कोई नहीं सोचता कि हम यह कर सकते हैं। क्योंकि हम ऐसा कर सकते हैं। जैसा कि हम जानते हैं, हमने कैंसर को खत्म कर दिया है। इससे पहले 2020 में एक प्रचार अभियान के दौरान बाइडन ने कैंसर का इलाज करने का वादा किया था और इसे अपने प्रशासन का केंद्र-बिंदु बनाया था। यह पहल बाइडन के बेटे ब्यू की 2015 में मस्तिष्क कैंसर से मृत्यु के बाद शुरू हुआ था।

रूसी लड़ाकू विमान ने अमेरिकी ड्रोन पर फ्लेयर्स दागे: सीरिया में एमक्यू-9 ड्रोन का प्रोपेलर खराब हुआ, एयरफोर्स ने कहा- ऐसी हरकतें बंद करे रूस

दमिश्क। सीरिया में एक रूसी फाइटर जेट ने अमेरिकी ड्रोन पर फ्लेयर्स दागे। इस दौरान अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन का प्रोपेलर खराब हो गया। यूएस एयरफोर्स सेंट्रल के लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्स ग्रिन्केविच ने मंगलवार को बताया कि ये घटना रविवार की है। रूसी लड़ाकू विमान अमेरिकी ड्रोन के बेहद करीब उड़ान भर रहा था। इसके बाद वो ड्रोन के ऊपर चला गया और उस पर फ्लेयर्स छोड़ने लगा। इनमें से एक फ्लेयर ड्रोन के प्रोपेलर पर आकर लगा जिससे उसे काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि, बाद में ड्रोन का क्रू उसे बेस स्टेशन तक ले जाने में कामयाब रहा। लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा- सीरिया को हराना ही हमारा मकसद है। ऐसे में रूस की तरफ से ये गैर-जिम्मेदाराना रवैया मिशन में अड़ंगे लगा रहा है। उन्हें तुरंत इस तरह की हरकतें बंद करनी चाहिए। इससे पहले भी अमेरिका सीरिया में रूस पर लगातार उसके ड्रोन्स को निशाना बनाने का आरोप लगा चुका है। हालांकि, इस पर रूस कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है। करीब 20 दिन पहले भी अमेरिकी एयरफोर्स ने वीडियो शेयर कर दावा किया था रूस के 3 सुखोई फाइटर जेट ने उसके 3 एमक्यू-9 ड्रोन्स को सीरिया में परेशान किया था। एयरफोर्स के बयान के मुताबिक, रूस के सिखोई-35 फायटर जेट्स ने ड्रोन्स के सामने पैराशूट से फ्लेयर्स दागे थे।

नेतन्याहू के खिलाफ पूरे इजराइल में प्रदर्शन

सुप्रीम कोर्ट की ताकत घटाने का विरोध, डॉक्टर्स ने हड़ताल की ; क्रेडिट एजेंसी ने देश की रेटिंग घटाई

तेल अवीव।
इजराइल में सोमवार को पास हुए ज्युडीशियल ओवरहॉल बिल के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन जारी हैं। नए कानूनी बदलाव के तहत अब इजराइल में सुप्रीम कोर्ट सरकार के किसी भी फैसले को गलत बताकर खारिज नहीं कर सकेगा। इजराइली बार एसोसिएशन ने मंगलवार को हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस में इसके खिलाफ याचिका दायर की है। बिल के विरोध में मंगलवार को इजराइल के डॉक्टर्स की मेडिकल एसोसिएशन ने 24 घंटे की हड़ताल का ऐलान किया था। यरूशलम पोस्ट के मुताबिक, उनकी हड़ताल पर लेबर कोर्ट ने रोक लगा दी, जिसके बाद डॉक्टर काम पर लौट आए।

उधर, प्रोटेस्ट के बीच क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मॉर्गन स्टेनली ने इजराइल की क्रेडिट रेटिंग घटा दी है। वहीं, यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन ने कहा है कि इजरायल में ज्युडीशियरी की आजादी को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। अमेरिका ने कहा है कि लोकतंत्र में बड़े बदलावों के लिए व्यापक सहमति होनी चाहिए।

29 हफ्तों के प्रदर्शन के बाद भी पास हुआ बिल

इजराइल में 29 हफ्तों से जारी प्रदर्शन के बावजूद सोमवार को ज्युडीशियल ओवरहॉल बिल का अहम हिस्सा पास हो गया था। बिल पर वोटिंग के दौरान हजारों इजराइली तेल अवीव की सड़कों पर प्रदर्शन करते रहे। उन्होंने कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू अब रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तरह हो गए हैं। वो देश को तानाशाही की ओर धकेल रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान नॉर्थ कोरिया का झंडा भी लहराया

कानूनी बदलाव के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों ने नारे लगाए- लोकतंत्र या विद्रोह। उन्होंने कहा कि इजराइल में तानाशाही नहीं चलेगी। इस दौरान कई पत्रकारों पर भी हमले हुए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य बेगिन हाईवे को बंद कर दिया। कुछ प्रदर्शनकारी नेतन्याहू की तानाशाही का विरोध करने के लिए नॉर्थ कोरिया का झंडा लिए भी नजर आए। पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया।

विपक्ष ने बिल पर वोटिंग का बायकॉट किया

सोमवार को बिल पर वोटिंग के दौरान विपक्ष के सभी 56 सदस्यों ने इसका बायकॉट किया। इसके बाद बिल 64-0 वोट से पास हो गया। इजराइल के नेशनल प्रोटेस्ट मूवमेंट ने नेतन्याहू को देश की एकता में पड़ी दरार, सेना और अर्थव्यवस्था चौपट होने का जिम्मेदार ठहराया।

नेशनल प्रोटेस्ट ने कहा कि ऐसे नेता से बात करने का कोई मतलब नहीं है जिसने खुद को रूस के राष्ट्रपति पुतिन जैसा बना लिया हो और देश को तानाशाही की तरफ धकेलने का फैसला ले लिया हो। हम नेतन्याहू से आखिर तक लड़ेंगे ताकि इजराइल एक उदार लोकतंत्र बना रहे।

नेतन्याहू बोले- हम बिल पर चर्चा के लिए तैयार

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा- मतभेद के बावजूद देश को एक साथ रहना है। अलग-अलग सरकारी महकमों के बीच संतुलन बनाने और इसे चलाने के लिए बिल बेहद जरूरी है। हम बिल पर अब भी बातचीत के लिए तैयार हैं। हमने पहले भी कोशिश की थी, लेकिन विपक्षी नेताओं ने ऐसा नहीं होने दिया। इजराइल मजबूत लोकतांत्रिक देश है और इस तथ्य को कोई नहीं बदल सकता है। हम हर हाल में साथ खड़े रहेंगे। आपसी मतभेद के चलते दुश्मनों के सामने देश कभी भी कमजोर नहीं पड़ेगा।

विपक्ष बोला- देश के इतिहास का सबसे दुखद दिन

संसद में अपोजिशन लीडर येर लैपिड ने कहा- इजराइल के संसदीय इतिहास में 24 जुलाई 2023 एक दुखद दिन के तौर पर याद किया जाएगा। सरकार ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया। हम इस बिल और प्रोसेस को बहुत जल्द हाईकोर्ट में चैलेंज करेंगे।

लैपिड ने आगे कहा- सरकार और उनका अलायंस ये तो तय कर सकते हैं कि देश को किस रास्ते पर ले जाना है, लेकिन उनको यह तय करने का हक नहीं है कि देश का कैरेक्टर क्या और कैसा होगा। इंसाफ के मामलों से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जा सकती। हमारी रिजर्व फोर्स के कुछ लोग फौज छोड़ने की बात कर रहे हैं। मैं उनसे कहूंगा कि विरोध अपनी जगह सही हो सकता है, ये करते रहिए, लेकिन फौज में रहकर देश सेवा का जो मौका आपको मिला है, उसे मत छोड़िए। मीडिया से बातचीत में लैपिड ने कहा- नेतन्याहू बेहद कमजोर प्रधानमंत्री हैं। इजराइल में इस वक्त प्रधानमंत्री जैसा कोई पद मुझे नजर ही नहीं आता। प्रधानमंत्री तो कट्टरपंथियों के हाथों की कठपुतली बन गए हैं। इससे देश में नफरत और बढ़ेगी।

ज्युडीशियल ओवरहॉल बिल का एक हिस्सा पास, जानिए क्या है पूरा प्रस्ताव

जनवरी में इजराइल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया। इसके पास होने पर इजराइली संसद को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पलटने का अधिकार मिल जाएगा। इसे 'ओवरराइड' बिल नाम दिया गया है।

लंदन में धीरेंद्र शास्त्री बोले- कोहिनूर लेकर ही लौटेंगे

कहा- पहले अंग्रेज भारत में बोलते थे, अब हम बोल रहे और ये सुन रहे

लंदन।
बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र शास्त्री लंदन गए हुए हैं। यहां वो लोगों को राम कथा सुना रहे हैं। यहीं पर एक प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा- हम कोहिनूर लेकर ही भारत वापस जाएंगे। भक्तों से बात करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने बताया कि उन्हें लगातार भारत से फोन आ रहे हैं और लोग पूछ रहे हैं कि वो भारत कब लौटेंगे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अब उनको लंदन में ही अच्छा लग रहा है। पहले अंग्रेज भारत जाकर बोलते थे और हमारे दादा सुनते थे, लेकिन अब हम इंग्लैंड आकर बोलते हैं और वहां के लोग बातें सुनते हैं। पंडित शास्त्री ने कहा कि ब्रिटेन के लोग बहुत अच्छे हैं। मैं चाहता हूं कि यहां के राजा ऐसे ही देश की इकोनॉमी और अध्यात्म बढ़ाते रहें। इसके साथ ही उन्होंने लंदन के लोगों को धन्यवाद भी कहा।

ब्रिटेन ने माना- जबरन ले गए थे कोहिनूर

इससे पहले मई में ब्रिटेन की रॉयल फैमिली ने ये मान लिया था कि ईस्ट इंडिया कंपनी भारत से कोहिनूर हीरा ले गई थी। महाराजा दलीप सिंह को इसे सरेंडर करने के लिए मजबूर किया गया था। ब्रिटेन के टावर ऑफ लंदन में रॉयल ज्वेल्स की प्रदर्शनी में बताया गया है कि लाहौर संधि के तहत दलीप सिंह के सामने कोहिनूर सौंपने की शर्त रखी गई थी। बकिंघम पैलेस के रॉयल कलेक्शन ट्रस्ट की मंजूरी के बाद प्रदर्शनी में ये टेक्स्ट लिखा गया है।

कोहिनूर हीरा विजय का प्रतीक

क्राउन ज्वेल्स एग्जीबिशन में कोहिनूर पर एक फिल्म भी दिखाई गई है। इसमें इसके पूरे इतिहास को एक ग्राफिक मैप के जरिए दिखाया गया है। इसमें बताया गया है कि हीरे को गोलकुंडा की खदानों से निकाले जाने का दावा किया जाता है। इसके बाद एक तस्वीर में महाराजा दलीप सिंह इसे ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंपते नजर आ रहे हैं। एक और तस्वीर में ब्रिटेन की क्वीन मदर के ताज में कोहिनूर जड़ा नजर आ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की याचिका की खारिज, तोशाखाना मामले में कार्यवाही रोकने को लेकर की थी अपील

इस्लामाबाद।
एक रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) द्वारा मामले में राहत से इनकार किए जाने के बाद इमरान खान ने पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने पिछले साल 21 अक्तूबर को पूर्व प्रधानमंत्री को तोशाखाना मामले में झूठे बयान और गलत घोषणा करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। उपहारों की गलत जानकारी देने को लेकर मई में एक ट्रायल कोर्ट ने मामले की स्थिरता को चुनौती देने वाली इमरान खान की याचिका खारिज कर दी और पीटीआई प्रमुख इमरान को दोषी ठहराया। इसके बाद, खान ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को आईएचसी के समक्ष चुनौती दी, जिसने मामले को दोबारा जांच के लिए ट्रायल कोर्ट में वापस भेज दिया। आठ जुलाई को, ट्रायल कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि ईसीपी की याचिका विचार योग्य है और पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ आगे की कार्यवाही की गई, जिन्होंने राहत के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया।

बुधवार की सुनवाई के दौरान दो सदस्यीय पीठ के न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी ने टिप्पणी की कि शीर्ष अदालत तोशाखाना भ्रष्टाचार

मामले में ट्रायल कोर्ट के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी

क्या है तोशाखाना मामला

प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान इमरान खान पर तोहफे में मिली एक बेशकीमती कलाई घड़ी के अलावा कई महंगे सामान बेचे जाने के भी आरोप लगा है। पाकिस्तान में 1974 में स्थापित, तोशखाना कैबिनेट डिवीजन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विभाग है, जो अन्य सरकारों और राज्यों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शासकों, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को दिए गए बहुमूल्य उपहारों को संग्रहीत करता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान को तोशाखाना से 108 तोहफे मिले हैं।

राष्ट्रपति एर्दोगन ने खाड़ी देशों का किया दौरा, देश की बीमार अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक मदद की मांग की

निकोसिया (साइप्रस)।
तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने हाल के चुनावों में एक और पांच साल का कार्यकाल हासिल करने के बाद पिछले हफ्ते सऊदी अरब, कतर और यूएई का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने तेल समृद्ध खाड़ी देशों से निवेश और वित्तीय सहायता मांगकर तुर्किये की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को बचाने का प्रयास किया।

तुर्किये की बीमार अर्थव्यवस्था के लिए खाड़ी जीवन रेखा के महत्व का इस तथ्य से पता चलता है कि हाल ही में कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने तुर्किये को 20 अरब अमेरिकी डॉलर की मुद्रा विनिमय प्रदान की थी, जबकि सऊदी अरब ने पिछले मार्च में तुर्किये के सेंट्रल बैंक में पांच अरब अमेरिकी डॉलर जमा किए थे। इसके अलावा, पिछले महीने यूएई और तुर्किये ने अगले पांच वर्षों में लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। दरअसल, तुर्किये की अर्थव्यवस्था 40 प्रतिशत के करीब अनियंत्रित मुद्रास्फीति का सामना कर रही है। तुर्किये मुद्रा लीरा ने इस साल अपने मूल्य का 29 प्रतिशत से अधिक खो दिया है और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग समाप्त हो गया है। इसके बाद एर्दोगन को अनिच्छा से आर्थिक वास्तविकता को स्वीकार करने और कम से कम अस्थायी रूप से अपनी विवादास्पद आर्थिक नीतियों को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

राष्ट्रपति एर्दोगन ने किए ये बदलाव

उन्होंने वित्त मंत्री के पद पर पूर्व निवेश बैंकर मेहमत सिमसेक को वापस लाया। सिमसेक ने 2009 से 2015 तक इसी पद पर काम किया था। साथ ही उन्होंने फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के पूर्व सीईओ हाफिज गे एरकान को सेंट्रल बैंक के गवर्नर के रूप में नियुक्त किया और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को यह समझाने की कोशिश की कि वह अब अपनी अपरंपरागत आर्थिक नीतियों को लागू करने पर जोर नहीं देंगे। एर्दोगन के तीन खाड़ी राज्यों के दौरे की तैयारी मेहमत सिमसेक ने की थी। इससे पहले सिमसेक ने पिछले महीने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर में बैठकें की थीं और इन देशों और तुर्किये के बीच आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रारंभिक चर्चा की थी। इस्तांबुल छोड़ने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए एर्दोगन ने कहा, हमें कई क्षेत्रों में अपने संबंधों और सहयोग में सुधार की उम्मीद है। हम संयुक्त निवेश और वाणिज्यिक पहलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिन्हें हम इन देशों के साथ मिलकर आगे बढ़ा सकते हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति ने लगभग 200 कारोबारियों और कई मंत्रियों के साथ बीते सोमवार को अपना तीन दिवसीय दौरा शुरू किया था। उन्होंने पहले सऊदी अरब का दौरा किया और किंग सलमान और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बैठकें कीं। जेद्दा में लगभग 400 कारोबारी प्रमुखों और अधिकारियों ने सऊदी-तुर्किये बिजनेस फोरम में भाग लिया और विशेष रूप से विनिर्माण, निर्माण, पर्यटन, खनन, खाद्य कृषि और रक्षा के क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा की।

लापता चीनी विदेश मंत्री क्विन गेंग पद से हटाए गए

8 महीने पहले मंत्री बने थे; अब उनकी जगह वांग यी लेंगे

बीजिंग।
चीन में एक महीने से लापता विदेश मंत्री क्विन गेंग को मंगलवार को उनके पद से हटा दिया गया। उनकी जगह वांग यी को नियुक्त किया गया है। वांग यी पहले भी 10 साल तक विदेश मंत्री रह चुके हैं। न्यूज एजेंसी ने राज्य मीडिया के हवाले से जानकारी दी है। क्विन गेंग दिसंबर 2022 में चीन के विदेश मंत्री बने थे। गेंग ने 10 साल तक विदेश मंत्री रहे वांग यी का स्थान लिया था। गेंग को 25 जून से सार्वजनिक स्थानों पर नहीं देखा गया है। इसके अलावा सरकार ने सेंट्रल बैंक के गवर्नर यी गैंग को भी हटा दिया है। अब उनकी जगह पैन गोंगशेंग लेंगे।

हमें क्विन गेंग के बारे में कुछ पता नहीं: विदेश मंत्रालय

चीन के विदेश मंत्री क्विन गेंग को 4 जुलाई को यूरोपीय यूनियन के फॉरेन पॉलिसी चीफ जोसेफ बोरेल से मिलना था, लेकिन ये मीटिंग अचानक आगे खिसका दी गई। बोरेल को दो दिन पहले इसकी जानकारी दी गई। इसमें मीटिंग आगे बढ़ाने का कोई कारण नहीं बताया गया। 7 जुलाई को पहली बार पत्रकारों ने चीनी विदेश मंत्री गेंग के बारे में पूछा। चीनी विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया- हमें कोई जानकारी नहीं है। 10 और 11 जुलाई को गेंग को इंडोनेशिया में एक समिट में हिस्सा लेना था। तब कहा गया- तबीयत खराब होने की वजह से गेंग नहीं जा पाएंगे। इसकी ट्रांसस्क्रिप्ट चीनी विदेश मंत्रालय के ऑफिशियल वेबसाइट पर छपी। इसमें तबीयत वाला हिस्सा गायब था। इसके साथ ही गेंग फिलीपींस के राष्ट्रपति के साथ होने वाली मीटिंग में भी नजर नहीं आए। इसी के बाद गेंग के गायब होने की चर्चा शुरू हो गई। अब जिन जगहों पर गेंग को होना

चाहिए था, वहां पर वांग यी जा रहे हैं। दरअसल, गेंग से पहले वांग यी 10 साल तक चीन के विदेश मंत्री रहे हैं।

विदेश मंत्री गेंग को आखिरी बार 25 जून को देखा गया था

चीन के विदेश मंत्री गेंग अंतिम बार 25 जून को रूसी, श्रीलंका और वियतनामी अधिकारियों के साथ एक बैठक में देखे गए थे। इसके बाद से सार्वजनिक कार्यक्रमों में नहीं दिखे हैं। यानी करीब एक महीने से क्विन गेंग कहां हैं, यह किसी को भी नहीं पता। यहां तक कि चीन के विदेश मंत्रालय को भी। एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट में पूर्व सीनियर अमेरिकी डिप्लोमैट डैनियल आर रसेल कहते हैं कि यह प्रकरण चीनी राजनयिकों के लिए शर्मनाक और परेशान करने वाला है, क्योंकि यह एक ऐसे सिस्टम में अनिश्चितता पैदा करता है, जिसे नियंत्रित किया जाता है। विदेशी राजनयिकों के लिए यह चीन के विदेश मंत्रालय के रसूख के बारे में और भी अधिक सवाल उठाता है।

चीन के विदेश मंत्री के गायब होने की दो वजह बताई जा रही

अमेरिकी टीवी एंकर से अफेयर भारी पड़ा- अमेरिकी नागरिक और कैंब्रिज से पढ़ी रिपोर्टर और टीवी एंकर फू जियोतियान के साथ अफेयर की अफवाहों के बीच गेंग के लापता होने की खबरें सामने आई हैं। क्विन गेंग की गैरमौजूदगी की चर्चा चीन के सोशल मीडिया वीबो के साथ चीन के सबसे बड़े सर्च इंजन बाइडू पर भी हो रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक और थ्योरी चल रही है कि गेंग पर एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर के आरोपों की जांच चल रही है। द वीक के मुताबिक, यह भी अफवाह है कि गेंग और फू जियोतियान के बिना शादी के एक बच्चा भी है। जबकि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में ऐसे अफेयर की सख्त मनाही है। जियोतियान ने पिछले साल एक बच्चे को भी जन्म दिया है। जियोतियान का एक ट्वीट काफी वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका एक बेटा है। हालांकि, उन्होंने बच्चे के पिता के बारे में कोई खुलासा नहीं किया था।

बिगड़ी कानून व्यवस्था पर बीजेपी महिला मोर्चा का फूटा गुस्सा

मंत्री-विधायकों के बंगले पर किया थाली नाद प्रदर्शन

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी चौतरफा गहलोत सरकार का घेराव करने में जुटी हुई है। भ्ससजपा की ओर से चलाए जा रहे नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत अलग-अलग जगह पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को बीजेपी महिला मोर्चा ने भी प्रदेशभर में कांग्रेस विधायकों के आवास का घेराव कर थाली नाद प्रदर्शन किया। जयपुर में महिला मोर्चा की अध्यक्ष रक्षा भंडारी के नेतृत्व में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के बंगले के बाहर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने हाथों में थाली लेकर चम्मच से बजाते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान लाल डायरी कहां मिलेगी नाथी तेरे बाड़े में के नारे भी लगे। बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी ने कहा कि प्रदेश में जिस तरह से आए दिन महिलाओं के साथ दुष्कर्म और हिंसा की घटनाएं हो रही है, वे यह बताने के लिए काफी है कि राज्य सरकार प्रदेश की आधी आबादी को सुरक्षा देने में पूरी तरीके से नाकाम रही है। राजस्थान पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि हर दिन 17 से 18 महिलाओं और बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं। राजस्थान मासूम बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाओं से शर्मसार हो रहा है, लेकिन सरकार को कोई चिंता नहीं है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को संभालने में यह सरकार पूरी तरीके से नाकाम रही है। इस कुशासन और जंगलराज के खिलाफ बीजेपी महिला मोर्चा आज और कल कांग्रेस के तमाम विधायकों के घरों पर थाली नाथ प्रदर्शन करेगा। महिला मोर्चा की ओर से थाली बजाकर सरकार को सत्ता से बाहर निकालने के लिए आह्वान होगा। उन्होंने कहा कि अभी तो सिर्फ यह शुरुआत है, आने वाले दिनों में अलग अलग रणनीति के जरिए महिला मोर्चा प्रदेश की आधी आबादी की आवाज बुलंद कर सड़कों पर इस सरकार से जवाब मांगेगा। बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष जयश्री गर्ग ने कहा कि जिस तरह की प्रदेश में कानून व्यवस्था है, उसके चलते आज महिलाएं और बच्चियां घर से बाहर निकलने से डरने लगी है। इस सरकार ने अपने साढ़े चार साल के शासन में सिर्फ जंगलराज दिया है, लेकिन अब वक्त आ गया है कि सरकार की विदाई का और इस कार्य में महिला मोर्चा अपनी भूमिका निभाएगा। मोर्चे की प्रदेश मंत्री दीपा नाथावत ने कहा कि जिस तरह से प्रदेश में सरकार कानून व्यवस्था के नाम पर फेल हुई है, उसका रिपोर्ट कार्ड तैयार करके बीजेपी की ओर से प्रदेश भर में फेल कार्ड बांटे जा रहे हैं। आज इस थाली नाद प्रदर्शन में सरकार की नाकामी का यह फेल कार्ड महिला मोर्चा भी लेकर आया है, जिसमें प्रशासन, कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त शासन, युवाओं को रोजगार, महिला सुरक्षा, किसान सम्मान, दलित आदिवासियों का स्वाभिमान, हिंदुओं की आस्था का सम्मान जैसे मुद्दों पर जो सरकार फेल हुई है उसको आइना दिखा रहे हैं। महिला मोर्चा की ओर से किए गए इस प्रदर्शन में लाल डायरी का मुद्दा भी छाया रहा। भाजपा नेत्री एकता अग्रवाल ने कहा कि इस प्रदर्शन में लाल डायरी भी महिला मोर्चा लेकर आया है और वह सरकार से पूछ रहा है कि आखिर भ्रष्टाचार से प्रदेश की जनता को कितना बदहाल किया है। एकता अग्रवाल ने कहा कि मोर्चे की ओर से उसी गहलोत सरकार के मंत्री के बंगले के बाहर यह प्रदर्शन हो रहा है, जिन्होंने विधानसभा में कहा था कि राजस्थान में महिलाओं के साथ दुष्कर्म इसलिए होते क्योंकि यह मर्दों का प्रदेश है। आज महिलाएं उनसे यही पूछने आयी है कि क्या मर्दानगी महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने से होती है। महिला मोर्चा अब इस सरकार के कुशासन को बर्दाश्त नहीं करेगा।

चुनावी डयूटी पर लगे कर्मचारियों के तबादलों पर रोक

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि आगामी 13 अगस्त 2023 को आजमपुर, ब्लॉक नारायणगढ़ जिला अंबाला, छाबड़ी, ब्लॉक जींद, भरटाना, ब्लॉक पिल्लूखेड़ा, रोजखेड़ा, उचाना जिला जींद और जुआं-1 ब्लॉक सोनीपत में होने वाले आम चुनाव के अंतर्गत जिन अधिकारियों को छह ग्राम पंचायतों में नियुक्त किया गया है, उनका स्थानांतरण न किया जाए। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बुधवार को जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार के जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चुनाव कराने के लिए नियुक्त किया गया है, उनका तबादला चुनाव परिणाम घोषित होने तक नहीं किया जाए। हालांकि, यदि चुनाव से जुड़े किसी अधिकारी को स्थानांतरित करना आवश्यक समझा जाता है तो स्टेट इलेक्शन कमीशन से पूर्व लिखित स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। यह आदेश चुनाव के सुचारू संचालन और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जारी किया गया है।

पंजाब पुलिस ने चलाया सर्च आप्रेशन, 79 गिरफ्तार

मुक्तसर साहिब (हिंस)। पंजाब पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ फरीदकोट रेंज के फरीदकोट, मुक्तसर साहिब और मोगा में अभियान चलाया। पुलिस ने मुक्तसर साहिब में बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया। इस अभियान में पुलिस ने 79 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पंजाब के स्पेशल डीजीपी ला एंड आर्डर अर्पित शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने मुक्तसर साहिब, फरीदकोट और मोगा पुलिस में भी छापेमारी की गई। यह सारी कार्यवाही डीआईजी फरीदकोट रेंज अजय मलूजा की निगरानी में की गई और पुलिस अधीक्षकों को भारी पुलिस फोर्स के साथ उचित ढंग से योजना बनाने के लिए कहा गया था। मुक्तसर पुलिस ने बुधवार सुबह 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक छापामार कार्रवाई की गई। शुक्ला ने बताया कि इन पुलिस टीमों ने 66 एफआईआर दर्ज करके 79 समाज विरोधी तत्वों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीमों ने उनसे 68, 500 रुपए की ड्रग मनी, 128 ग्राम हेराइन, 115 किलो भुक्की, 2560 नशीली गोलियां और बड़ी मात्रा में शराब बरामद की है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने तीन भगौड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है और 293 शक्की व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। डीजीपी ने बताया कि एसएसपी फरीदकोट हरजीत सिंह, एसएसपी मुक्तसर साहिब हरमनबीर सिंह गिल और एसएसपी मोगा जे एलनचेपियन की निगरानी में एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों ने अपने- अपने जिलों में कार्रवाई की।

पूर्व सीएम ने जलभराव क्षेत्रों का किया दौरा, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

रोहतक (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जलभराव को लेकर जो स्थिति बनी है, उसके लिए गठबंधन सरकार जिम्मेदार हैं। सरकार ने समय पर कोई प्रबंध नहीं किए और कहीं भी सरकार गंभीर दिखाई नहीं दे रही है। यह स्थिति है कि किसान आने वाली फसल भी नहीं हो पाएगा, सरकार को तुरंत किसानों के लिए प्रति 40 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देना चाहिए तथा बाढ़ से हुए अन्य नुकसान का आंकलन करके तुरंत मुआवजा दे, ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने बुधवार को गढ़ी सांपला किलोई क्षेत्र के कई गांव का दौरा किया। पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा रोहतक पहुंचे और शहर में हुए जलभराव क्षेत्रों का दौरा किया। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने गढ़ी सांपला किलोई क्षेत्र के दर्जनभर गांव में जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और खेतों में जलभराव का जायजा लिया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि गठबंधन सरकार हर मामले में फेल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि अगर समय पर जलभराव रोकने के प्रबंध किए जाते तो आज यह हालात नहीं होते। सरकार कहीं पर भी गंभीर दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने सरकार के पोर्टल योजना पर भी सवाल उठाए और कहा कि इस वक्त किसान के आगे समस्या बनी हुई है कि वे पोर्टल पर जाए या फिर अपने पशुओं में फसल को किसी तरह बचाए। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि तुरंत किसानों को 40 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दें, इसके अलावा जलभराव से जो भी नुकसान हुआ है। उसका भी आंकलन करें और तुरंत मुआवजा दिया जाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को तुरंत जरूरी कदम उठाने चाहिए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

ड्यूटी पर हादसे में मारे जाने वाले सैनिकों के परिजनों को मिलेगी एक्स-ग्रेशिया ग्रांट : भगवंत मान

ड्यूटी दौरान दिव्यांग सैनिकों की एक्स-ग्रेशिया राशि होगी दोगुनी

अमृतसर (हिंस)। देश के बहादुर सैनिकों के सम्मान में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सैनिक की ड्यूटी दौरान किसी हादसे में मौत होने पर परिवार के लिए एक्स-ग्रेशिया ग्रांट शुरू करने की घोषणा की है। साथ ही ड्यूटी दौरान दिव्यांग सैनिकों के लिए वित्तीय सहायता दोगुनी करने और दोनों विश्व युद्ध के नान-पेंशनर पूर्व सैनिकों की वित्तीय सहायता में बढ़ोतरी का भी ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को अमृतसर में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पंजाब स्टेट वॉर हीरोज मेमोरियल एंड म्युजियम में कारगिल विजय दिवस मौके पर आयोजित समागम में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि सैनिकों के बेमिसाल योगदान के सम्मान में राज्य सरकार ने अब रक्षा सेना में ड्यूटी दौरान सैनिक की किसी हादसों में (युद्ध आपरेशन के अतिरिक्त) मौत हो जाने पर उसके आश्रित परिवार के लिए 25 लाख रुपए एक्स-ग्रेशिया ग्रांट शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार ने ड्यूटी दौरान दिव्यांग सैनिकों के लिए भी एक्स- ग्रेशिया राशि में बढ़ोतरी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 76 प्रतिशत से 100 प्रतिशत दिव्यांग सैनिकों को अब 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 40 लाख रुपए एक्स-ग्रेशिया मिलेगी। इसी तरह 51 प्रतिशत से 75 प्रतिशत दिव्यांग हुए सैनिकों को 10 लाख रुपए के स्थान पर 20 लाख रुपए और 25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत दिव्यांग हुए सैनिकों को 5 लाख रुपए के स्थान पर अब 10 लाख रुपए एक्स-ग्रेशिया राशि मिलेगी। उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे विश्व युद्ध के नान-पेंशनर पूर्व सैनिकों और उनकी विधवा के लिए महीनावार वित्तीय सहायता छह हजार रुपए से बढ़ा कर दस हजार रुपए कर दी है। मान ने कहा कि राज्य सरकार इन बहादुर सैनिकों के हितों की रक्षा के लिए वचनबद्ध है, जिन्होंने देश की सेवा की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह एक भावुकता वाला समागम है और पूरा देश इन शूरवीरों के बलिदान पर गौरव महसूस करता है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा को यकीनी बनाने के लिए सैनिक मौसम की खराबी के बावजूद अपनी ड्यूटी निभाते है। भगवंत मान ने कहा कि देश निवासी इन राष्ट्रीय नायकों की बहादुरी और देश प्रति निस्वार्थ सेवा के लिए सदा ऋणी रहेंगे। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने सभी का समागम में स्वागत किया और कारगिल के नायकों को श्रद्धांजलि दी।

मणिपुर में महिलाओं के अत्याचार के विरोध में कांग्रेस का पैदल मार्च

अजमेर (हिंस)। मणिपुर में महिलाओं, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों के विरूद्ध बढ़ते अत्याचार के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया और पैदल मार्च निकाला। पैदल मार्च करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कांग्रेस ने राष्ट्रपति से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। इस अवसर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नसीम अख्तर इंसाफ, अजमेर संभाग के प्रभारी रामविलास चौधरी, अजमेर प्रभारी छोटु राम मीणा, राजेंद्र परसवाल,अजमेर डेयरी के सदर रामचंद्र चौधरी, पूर्व विधायक डॉ. श्रीगोपाल बाहेती, नाथूराम सिनोदिया, रामनारायण गुर्जर, महेन्द्र गुर्जर, ब्रह्मदेव कुमावत, पूर्व जिला प्रमुख रामस्वरूप चौधरी, राजेश टंडन, महेंद्र सिंह रलावता, हेमंत भाटी, कमल बाकोलिया, मनोज चौहान, डॉ. सुनील लारा, वाजिद खान चीता, द्रोपदी कोली, महासचिव शिव कुमार बंसल, महेश चौहान, वैभव जैन, हाजी इंसाफ अली, ब्लॉक अध्यक्ष निर्मल बेरवाल, पवन ओड, मामराज सेन, देशराज मेहरा, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

10 अगस्त से महिलाओं को मोबाइल फोन बांटने की तैयारी

उदयपुर (हिंस)। महिलाओं को इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्ट मोबाइल उपलब्ध कराने की मुख्यमंत्री बजट घोषणा की क्रियान्विति के क्रम में इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना आगामी 10 अगस्त से लांच की जाएगी। योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में डीओआईटी के अधिकारियों और उपखंड अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर पोसवाल ने बताया कि इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना राज्य सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना है। इसके लिए आगामी 28 जुलाई को मुख्य सचिव स्तर पर वीडियो कांफ्रेंस भी प्रस्तावित है। उन्होंने सभी अधिकारियों को योजना के प्रति सजग करते हुए उसकी बेहतर से बेहतर क्रियान्विति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की संयुक्त निदेशक शीतल अग्रवाल ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में प्रदेश की 40 लाख महिलाओं को स्मार्ट फोन वितरित किए जाएंगे। इसके लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर छह-छह दिवसीय शिविर लगाए जाएंगे। इनमें महिलाओं के फोन में ई-वॉलेट डाउनलोड कर उसमें राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके पश्चात शिविर स्थल पर ही मौजूद 4 टेलीकॉप सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों के माध्यम से लाभार्थी अपना पसंदीदा स्मार्टफोन व सिम खरीद पाएंगे। जिला कलेक्टर ने सभी उपखण्ड अधिकारियों को गुरुवार शाम तक राज्य मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अपेक्षित सुविधायुक्त शिविर स्थल चिह्नित कर सूचना प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में निर्धारित 8 श्रेणी में शामिल महिलाओं को ही मोबाइल फोन दिए जाने हैं, लेकिन जरूरी है कि सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्यों आदि के सहयोग को आमजन तक इसकी जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि शिविर स्थल पर किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हो। बैठक में सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार मौजूद रहे। योजना के प्रथम चरण में विधवा एवं एकल नारी पेंशन प्राप्त कर्ता महिलाओं, कक्षा 9 से 12वीं तथा महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं, मनरेगा में 100 दिन का रोजगार पूर्ण करने वाले परिवारों की महिला मुखियाओं, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 50 दिन का रोजगार पूरा करने वाले परिवार की महिला मुखियाओं, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी और पॉलीटेक्निक कॉलेज में अध्ययन छात्राओं को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराए जाएंगे। सूचना प्रौद्योगिकी व संचार विभाग की ओर से जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत और वार्ड वार लाभार्थी सूची तैयार कर उपलब्ध कराई जा रही है।

पंजाब में दो सरकारी अधिकारियों के फर्जी जाति प्रमाण पत्र रद्द

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग ने दो अध्यापकों के फर्जी जाति प्रमाण पत्र रद्द करने के आदेश जारी किए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री बलजीत कौर ने बुधवार को बताया कि बलविंदर कुमार पुत्र चमन लाल निवासी ममदोट, जिला फिरोजपुर और जसवीर कौर पुत्री केहर सिंह, हिंदी मिस्ट्रैस, सरकारी मिडल स्कूल जंडपुर, जिला एसएएस नगर का फर्जी अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र सरकार स्तर पर गठित राज्यस्तरीय स्क्रूटनी समिति ने रद्द कर दिया है। बलजीत कौर ने बताया कि जसवीर सिंह पमाली मैंबर कोर समिति गुरु रविदास फैडरेशन, गांव पमाली, जिला लुधियाना द्वारा पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पास शिकायत की गई थी कि जिला फिरोजपुर ममदोट के निवासी बलविन्दर कुमार ने अनुसूचित जाति का फर्जी सर्टीफिकेट बनाया है। इस आधार पर उसने बी.एससी.(कृषि) की डिगरी और गुरु अंगददेव यूनिवर्सिटी आफ वेटनरी सायंस ? लुधियाना में नौकरी प्राप्त की हुई है। इसके इलावा बलवीर सिंह पुत्र निर्मल सिंह गांव आलमपुर जिला पटियाला ने पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पास शिकायत दर्ज करवाई थी कि जिला एसएएस नगर के गांव जंडपुर के सरकारी मिडल स्कूल की हिंदी मिस्ट्रैस जसवीर कौर ने जट्ट सिख जाति से संबंधित होने के बावजूद अनुसूचित जाति का सर्टिफिकेट बनवाया है। मंत्री ने बताया कि पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने इन शिकायतों को जांच के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को भेजा था। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय स्क्रूटनी समिति ने विजिलेंस सेल की रिपोर्ट पर विचार करते हुए बलविंदर कुमार और जसवीर कौर के अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र के फर्जी होने की पुष्टि हुई है और इसे रद्द करने का निर्णय किया गया है। मंत्री ने बताया कि विभाग ने फिरोजपुर के डिप्टी कमिश्नर को पत्र लिखकर बलविंदर कुमार के अनुसूचित जाति सर्टीफिकेट नंबर 471 तारीख 14 जनवरी 1993 और एसएएस नगर के डिप्टी कमिश्नर को पत्र लिख कर जसवीर कौर के अनुसूचित जाति सर्टीफिकेट नंबर 151 तारीख 20 जुलाई 1990 को रद्द और जब्त करने के लिए कहा गया है।

मोहर्रम को लेकर पुलिस अलर्ट, असामाजिक तत्वों पर रखेगी नजर

डीसी सेंट्रल ने कई एरियों का दौरा कर पुलिस कर्मियों को दिए दिशा निर्देश

फरीदाबाद (हिंस)। मोहर्रम के त्यौहार को लेकर फरीदाबाद पुलिस अलर्ट हो गई है। डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ ने बुधवार को पल्ला, सराय, सेक्टर 31 एरिया में पहुंचकर थाना प्रभारियों को शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ एसीपी सेंट्रल राजीव कुमार, एसीपी सराय देवेंद्र यादव, सराय थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनीत, एसएसओ पल्ला दलीप सिंह, सेक्टर 31 प्रभारी वीरेंद्र अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। मोहर्रम के अवसर पर फरीदाबाद में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद कर दी गई है। इसी क्रम में डीसीपी सेंट्रल सेंट्रल जोन एरिया के थाना एरिया में पहुंची जहां पर उन्होंने जॉन के एसीपी वे थाना प्रभारियों को अहम दिशा निर्देश दिए। पुलिस उपायुक्त द्वारा सभी थाना व चौकी प्रभारियों को अपने एरिया में लगातार गश्त करने तथा शांति व्यवस्था कायम रखने के निर्देश दिए। उनके दिशा निर्देश के तहत फरीदाबाद पुलिस सभी धार्मिक स्थलों तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त करेगी। उन्होंने मोहर्रम के अवसर पर ताजिया निकालते समय शांति व्यवस्था कायम रखने की हिदायत के साथ साथ शहर में किसी प्रकार का उपद्रव बर्दाश्त न करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर कुछ असामाजिक तत्व अपने फायदे के लिए हिंसा भड़काने की कोशिश करते हैं इसलिए सभी नागरिकों से अनुरोध है कि इस प्रकार के भड़काऊ भाषण के झांसे में न आएं। शहर में शांति व्यवस्था भंग करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी इसीलिए अनुरोध है कि शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने में फरीदाबाद पुलिस का सहयोग करें।

मशहूर लोक गायक सुरिंदर शिंदा का निधन

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मशहूर लोक गायक सुरिंदर शिंदा का बुधवार सुबह लुधियाना के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कई माह से बीमार चल रहे थे। वह अपने पीछे पत्नी जोगिंदर कौर और बेटे मनिंदर शिंदा, सिमरन शिंदा को पीछे छोड़ गए। शिंदा का कुछ दिनों पहले औरिसन अस्पताल में मामूली-सा ऑपरेशन हुआ था, जिसके बाद अचानक इन्फेक्शन बढ़ गया। इस कारण उन्हें सांस लेने में दिक्कत आ रही थी, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। शिंदा की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें लुधियाना के डीएमसी में शिफ्ट किया गया था। जहां आज सुबह उनका निधन हो गया। 20 मई 1953 को जन्मे शिंदा 4 वर्ष की आयु में ही संगीत सीखने लगे थे। संगीत उन्हें विरासत में मिला। शिंदा ने अपने दौर में डेढ़ सौ से अधिक पंजाबी गीत इस इंडस्ट्री को दिए और कई फिल्मों में भी काम किया।

कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

कठुआ (हिंस)। एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन कठुआ के सदस्यों ने बुधवार को कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ के उपलक्ष पर कठुआ के मुख्य शहीदी चैक और शहीद कैप्टन सुनील चैधरी चैक पर कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें डीसी कठुआ, शहर के गणमान्य व्यक्तियों और एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने हिस्सा लेकर कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन कठुआ के नेतृत्व में कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने बारी-बारी से फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और काफी समय तक भारत माता की जय और कारगिल के शहीद अमर रहे जय घोष लगाते रहे। हर कोई सैनिकों की बहादुरी और शहादत को सलाम कर रहा था। डीसी कठुआ ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध के शहीदों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भारत के सैनिकों के लिए दुर्गम ऊंचाई पहाड़ियों से पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ कर अपनी जमीन वापस लेने की चुनौती थी। भारतीय सेना को किसी भी हाल में नियंत्रण रेखा को पार नहीं करना था। उन्होंने कहा कि 2 महीने तक कड़ा संघर्ष करने के बाद आखिरकार भारतीय सेना ने जीत हासिल की। एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन कठुआ के अध्यक्ष ने विजय दिवस पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस दिन 2 महीने तक चली लड़ाई में भारतीय सेना के 500000 जवान इस लड़ाई में शामिल हुए थे जबकि 500 से अधिक जवानों ने भारत मां के लिए अपनी शहादत दी थी उन्होंने कहा कि उन वीर जवानों की मां और उनके कुल को एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन नमन करता है। इसी बीच एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन कठुआ के सदस्यों ने शहीदों को याद करते हुए कहा कि 2 महीने तक देश के वीर जवानों ने दुश्मनों के साथ लोहा लिया था और दुश्मनों को नाकों चने चबा दिए थे उन्होंने कहा कि 500 से अधिक जवानों ने देश के लिए शहादत दी थी। इस दिन को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। वहीं अंत में एक्स सर्विसमैन एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने शहीदों को याद कर उन्हें सलामी दी और इस कार्यक्रम को संपन्न किया।

0.20प्रतिशत बढ़ाया भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान : 6.1प्रतिशत रह सकती है, भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली।
इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को बढ़ाकर 6.1प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले अप्रैल में आईएमएफ ने जीडीपी अनुमान 5.9प्रतिशत लगाया था। भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षा से ज्यादा 7.2प्रतिशत की तेज गति से बढ़ी थी, जिसके बाद आईएमएफ ने अपना ग्रोथ अनुमान बढ़ाया है। हालांकि, आईएमएफ ने अपने जीडीपी अनुमान को 6.3प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है। के लिए आईएमएफ का संशोधित अनुमान अन्य एजेंसियों के पूर्वानुमानों की तुलना में अधिक धीमा है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ 6.5प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जबकि एशियन डेवलपमेंट बैंक ने वित्तीय वर्ष के लिए 6.4प्रतिशत का पूर्वानुमान बरकरार रखा है। भारत ने सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का टैग भी बरकरार रखा है, पड़ोसी देश चीन की ग्रोथ रेट 2023 में 5.2प्रतिशत और 2024 में 4.5प्रतिशत रहने का अनुमान है।

ग्लोबल टेंशन के बीच भारत की इकोनॉमी मजबूत

अप्रैल महीने हुई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया था। गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था, इकोनॉमी में जारी रिकवरी को बरकरार रखने के लिए हमने पॉलिसी रेट में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन जरूरत पड़ने पर हम स्थिति के हिसाब से कदम उठाएंगे। तमाम ग्लोबल टेंशन के बीच भारत की इकोनॉमी मजबूत बनी हुई है।

ग्लोबल ग्रोथ रेट 2023 में 3प्रतिशत रहने का अनुमान

आईएमएफ ने ग्लोबल ग्रोथ रेट 2023 में 3प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। 2022 में यह 3.5प्रतिशत रही थी। 2024 के लिए भी 3प्रतिशत ग्रोथ रेट को बरकरार रखा गया है। अमेरिका की जीडीपी 2023 में 1.8प्रतिशत और 2024 में 1प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि यूरो एरिया की जीडीपी 2023 में 0.9प्रतिशत और 2024 में 1.5प्रतिशत रहने का अनुमान है। जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है। जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रजेंट करती है।

न्यूज़ ब्रीफ

आठवें वेतन आयोग की स्थापना पर सरकार ने किया बड़ा खुलासा, सदन में मंत्री ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) की दर जनवरी 2024 तक 50प्रतिशत या उससे भी अधिक होने की उम्मीद है। डीए की दर वर्तमान में 7 वें वेतन आयोग की सिफारिश के आधार पर तय की जाती है। पिछले वेतन आयोग ने यह भी सिफारिश की थी कि मुद्रास्फीति के प्रभाव को बेअसर करने के लिए भविष्य में वेतन संशोधन तब किया जाना चाहिए जब डीए/डीआर मूल वेतन से 50प्रतिशत या उससे अधिक तक पहुंच जाए। इसे देखते हुए यह सवाल लाजिमी बनता है कि क्या सरकार 8वें वेतन आयोग का गठन करने की योजना बना रही है वित्त मंत्रालय के अनुसार आठवें वेतन आयोग के गठन का फिलहाल कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 25 जुलाई, 2023 को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। चौधरी एक सदस्य के सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें पूछा गया था, जनवरी 2024 से डीए/डीआर की दर 50 प्रतिशत या उससे भी अधिक होने का अनुमान है, ऐसे में क्या केंद्र सरकार ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की स्थापना का प्रस्ताव किया है पूर्व में भी सरकार ने 8वें वेतन आयोग के गठन के किसी भी प्रस्ताव पर विचार करने से इनकार किया है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) का भुगतान किया जाता है ताकि मुद्रास्फीति के कारण उनके वेतन और पेंशन के वास्तविक मूल्य में गिरावट की भरपाई की जा सके। इन दरों को जनवरी 2023 में वेतन और पेंशन के 42प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया था।

क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में दो जालसाजों के ठिकानों पर सीबीआई ने की छापेमारी, एक करोड़ नकद बरामद

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कनाडा सरकार के अधिकारियों का रूप धारण करने वाले कथित जालसाजों के परिसरों की तलाशी के दौरान करीब एक करोड़ रुपये की नकदी जब्त की। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सीबीआई के अधिकारियों के अनुसार कनाडा के अधिकारियों से कथित धोखाधड़ी के बारे में जानकारी मिली जिसके बाद एजेंसी ने 11 मई को मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने स्थानीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई की और दो आरोपियों साहिल पाल और आशीष भंबानी के परिसरों पर मंगलवार को तलाशी अभियान शुरू किया गया। सीबीआई ने क्रिप्टो धोखाधड़ी से संबंधित एक मामले की चल रही जांच में आरोपियों के परिसरों में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक आरोपी के परिसर से करीब एक करोड़ रुपये की नकदी बरामद की गई। एजेंसी के अनुसार आरोपी खुद को कनाडा में सरकारी अधिकारी बता रहे थे और अपनी धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इस छद्म पहचान का इस्तेमाल कर रहे थे। उनके काम करने के तरीके के बारे में बताते हुए सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि वे निर्दोष पीड़ितों को नकली तकनीकी सहायता परामर्श प्रदान करने के नाम पर उन्हें क्रिप्टोकरेंसी फंड स्थानांतरित करने के लिए मजबूर करते थे।

सोना हुआ महंगा, चांदी के दाम हुए मामूली कम

नई दिल्ली । भारतीय सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि चांदी के दाम कम हुए हैं। बुधवार को बाजार खुलते ही सोने की कीमतों में 100 रुपए प्रति 10 ग्राम का इजाफा देखा गया, जबकि चांदी की कीमत 20 रुपए प्रति किलोग्राम कम हो गई। इसके बाद भारतीय सर्राफा बाजार में सोना (22 कैरेट) 54,588 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया, जबकि 24 कैरेट वाले गोल्ड के दाम बढ़कर 59,550 रुपए प्रति दस ग्राम पहुंच गए। वहीं चांदी की कीमत कटौती के बाद 74,930 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गए हैं। मल्टी कमॉडिटी एक्सचेंज पर सोना 66 रुपए की बढ़ोतरी के साथ 59,255 रुपए प्रति दस ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है। जबकि इससे पहले ये उच्चतर स्तर 59,275 और न्यूनतम स्तर 59,190 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर चुका है, जबकि चांदी का भाव एमसीएक्स पर 22 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 74,751 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। दिल्ली में 22 कैरेट वाला सोना 54,404 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि 24 कैरेट वाला सोना बढ़कर 59,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर हो गया है।

गो फर्स्ट एयरलाइन की टेस्ट फ्लाइट्स सक्सेसफुल

जल्द ही उड़ाने दोबारा शुरू हो सकती है, 3 मई से बंद है फ्लाइट्स

नई दिल्ली।
3 मई से बंद पड़ी गो फर्स्ट एयरलाइन की टेस्ट फ्लाइट्स सक्सेसफुल रही हैं। यानी अब जल्द ही उसकी उड़ाने दोबारा शुरू हो सकती है। कंपनी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। अभी गो फर्स्ट की सभी उड़ाने 28 जुलाई तक कैंसिल है। गो फर्स्ट ने कहा- हमें आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारा टेस्ट सफल रहा। हम जल्द ही रनवे पर वापस आएंगे। इससे पहले शुक्रवार को डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने गो फर्स्ट को फ्लाइट दोबारा शुरू करने के लिए शर्तों के साथ मंजूरी दी थी।

हाईकोर्ट के फैसले के आधार एयरलाइन शुरू होगी

एयरलाइन दिल्ली हाईकोर्ट और एनसीएलटी में चल रहे केस के नतीजे के आधार पर अपने ऑपरेशन शुरू कर सकती है। एयरलाइन ने 28 जून को एविएशन रेगुलेटर को अपना रिजम्पशन प्लान दिया था। इसकी जांच करने के बाद डीजीसीए ने इसे स्वीकार किया है। डीजीसीए ने कहा कि गो फर्स्ट फ्लाइट ऑपरेशन शुरू कर सकता है, बशर्ते वह एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट रखने के लिए सभी नियमों का पालन करता हो। एयरलाइन को ये भी तय करना होगा कि विमान ऑपरेशन के लिए पूरी तरह सेफ है। एयरलाइन एक समय रोजाना 200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती थी।

गो फर्स्ट एयरलाइन ने 2 मई को बताया कि वो 3, 4 और 5 मई के लिए अपनी सभी फ्लाइट कैंसिल कर रही है। 3 मई को एयरलाइन स्वैच्छिक दिवालिया याचिका के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल यानी एनसीएलटी पहुंच गई। गो फर्स्ट एयरलाइन की याचिका पर एनसीएलटी ने 4 मई को सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। फ्लाइट सस्पेंशन को 4 मई से बढ़ाकर 9 मई तक किया। फिर बढ़ाते-बढ़ाते 23 जुलाई तक कर दिया गया। 10 मई को एनसीएलटी ने एयरलाइन को राहत देते हुए मोरेटोरियम की मांग को मान लिया नियुक्त किया। एनसीएलटी के इस आदेश के खिलाफ लेसर्स ने नेशन ल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल में भी अपील की। अपीलेट ट्रिब्यूनल के आदेश को बरकरार रखा। फिर गो फर्स्ट ने डीजीसीए को रिवाइवल प्लान दिया। फ्लाइट दोबारा शुरू करने के लिए डीजीसीए ने मंजूरी दी। फिर एयरलाइन की टेस्ट फ्लाइट्स सक्सेसफुल रही।

अभिलाष लाल को नियुक्त किया था

जस्टिस रामलिंगम सुधाकर और गुप्ता की दो सदस्यीय बेंच ने गो फर्स्ट को चलाने के लिए अभिलाष लाल को इंटेरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल नियुक्त किया था। यह पहली बार था जब किसी भारतीय एयरलाइन ने खुद से ही अपने कॉन्ट्रेक्ट और कर्ज को रिनेगोशिएट करने के लिए बैंकरप्सी प्रोट्रेक्शन की मांग की थी। बाद में पिर शैलेन्द्र अजमेरा को रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल बनाया गया।

इंजन सप्लाई नहीं होने से बंद करने पड़े ऑपरेशन

एयरलाइन का दावा है कि इंजनों की सप्लाई नहीं होने से उसे अपने ऑपरेशन बंद करने पड़े है। अमेरिका के एयरक्राफ्ट इंजन मैन्युफैक्चरर प्रैट एंड व्हिटनी को गो फर्स्ट को इंजन की सप्लाई करनी थी, लेकिन उसने समय पर इसकी सप्लाई नहीं की। ऐसे में गो फर्स्ट को अपनी फ्लीट के आधे से ज्यादा एयरक्राफ्ट ग्राउंडेड करने पड़े। इससे उसे भारी नुकसान हुआ। फ्लाइट नहीं उड़ने के कारण उसके पास कैश की कमी हो गई और फ्यूल भरने के लिए भी पैसे नहीं बचे। एयरलाइन के 20 नियो एयरक्राफ्ट में इन इंजनों का इस्तेमाल होता है। एयरलाइन के सीईओ कौशिक खोना का दावा है कि इंजन की खराबी से कंपनी को बीते तीन साल में 1.1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8.9 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। गो फर्स्ट के साथ पीडब्लू के कॉन्ट्रैक्ट में तीन बड़ी शर्तें थीं: विमान का इंजन खराब हो जाता है तो 48 घंटे के भीतर स्पेयर इंजन देना होगा। फॉल्टी इंजनों की फ्री में रिपेयरिंग करानी होगी क्योंकि सभी इंजन वारंटी में हैं।

पेट्रोलियम कंपनियों का परिचालन लाभ एक लाख करोड़ रुपये के पार होगा, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली ।
घरेलू बाजार में ऊंचे खुदरा मूल्य और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल के दाम कमोबेश निचले स्तर पर रहने से पेट्रोलियम विपणन कंपनियों का मुनाफा चालू वित्त वर्ष में बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तेल कंपनियों का कर-पूर्व या परिचालन लाभ बढ़कर कम से कम एक लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष में अबतक कच्चे तेल की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। लेकिन पेट्रोलियम कंपनियों ने इस दौरान दाम नहीं घटाए हैं। तेल की कीमतों में मई 2022 से कोई बदलाव नहीं हुआ है। क्रिसिल ने बुधवार को जारी एक नोट में कहा कि चालू वित्त वर्ष में पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) एक लाख करोड़ रुपये का परिचालन लाभ कमा सकती हैं। वित्त वर्ष 2016-17 से 2021-22 के दौरान पेट्रोलियम कंपनियों का औसत परिचालन लाभ 60,000 करोड़ रुपये रहा था। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में तो यह 33,000 करोड़ रुपये के निचले स्तर पर आ गया था। यह रिपोर्ट सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम कंपनियों पर आधारित है। पेट्रोलियम कंपनियां दो कारोबार से पैसा कमाती हैं। पहला रिफाइनिंग है। इसमें उन्हें सकल रिफाइनिंग मार्जिन मिलता है। यह रिफाइनरी के गेट पर शोधित उत्पाद के दाम में से कच्चे तेल का दाम घटाकर निकाला जाता है। दूसरा कारोबार पेट्रोल पंपों के जरिये पेट्रोल, डीजल की बिक्री का है। इसमें उन्हें ईंधन उत्पादों पर मार्जिन मिलता है। वित्त वर्ष 2022-23 में पेट्रोलियम कंपनियों का सकल रिफाइनिंग मार्जिन औसतन 15 डॉलर प्रति बैरल था। इसकी वजह विशेषरूप से डीजल की मांग मजबूत रहना है। वैकल्पिक ईंधन मसलन प्राकृतिक गैस के दाम बढ़ने तथा यूक्रेन पर हमले के बाद रूसी उत्पादों पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंध की वजह से डीजल की मांग मजबूत रही थी।

हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद इन कंपनियों को ऊंचा खुदरा दाम नहीं मिला। वित्त वर्ष के लिए कच्चे तेल का औसत दाम 94 डॉलर प्रति बैरल था। मई, 2022 से खुदरा कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। इसके चलते पेट्रोलियम कंपनियों को मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन के बावजूद विपणन पर आठ रुपये प्रति लीटर का नुकसान हुआ, जिससे पूरे वित्त वर्ष के दौरान उनका मुनाफा प्रभावित हुआ।

बिजली गुल के कारण स्पेस-स्टेशन से नासा का संपर्क टूटाः एस्ट्रोनॉट्स से बात नहीं हो पा रहा थी, पहली बार बैकअप सिस्टम एक्टिव करना पड़ा

वॉशिंगटन।
अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा में बिजली गुल होने के कारण मंगलवार को मिशन कंट्रोल और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के बीच संपर्क टूट गया। मिशन कंट्रोल स्टेशन पर कमांड नहीं भेज पा रहे थे और ऑर्बिट में मौजूद सात अंतरिक्ष यात्रियों से बात भी नहीं हो पा रही थी। ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर की इमारत में अपग्रेड का काम चल रहा है, जिसके चलते बिजली गुल हो गई थी। स्पेस स्टेशन प्रोग्राम मैनेजर जोएल मोंटालबानो ने कहा कि न तो अंतरिक्ष यात्री और न ही स्टेशन कभी किसी खतरे में थे क्योंकि यह समस्या ग्राउंड से जुड़ी थी स्पेस स्टेशन में नहीं। बैकअप कंट्रोल सिस्टम्स ने 90 मिनट के भीतर टेकओवर कर लिया। आउटेज के 20 मिनट के भीतर, क्रू को रशियन कम्युनिकेशन सिस्टम्स के जरिए समस्या के बारे में सूचित कर दिया गया था।

बैकअप सिस्टम को पहली बार एक्टिव करना पड़ा

मोंटालबानो के अनुसार, यह पहली बार है कि नासा को कंट्रोल लेने के लिए इन बैकअप सिस्टम को एक्टिव करना पड़ा है। तूफान या अन्य आपदा की स्थिति में इवेक्यूएशन के लिए नासा ने ह्यूस्टन से मीलों दूर एक बैकअप कंट्रोल बनाया है। लेकिन मंगलवार के मामले में, फ्लाइट कंट्रोलर्स मिशन कंट्रोल में रुके रहे क्योंकि लाइट और एयर कंडीशनिंग काम कर रहे थे।

नासा के कंट्रोल से बाहर हो गया था स्टेशन

दो साल पहले अपनी कक्षा में जिस पोजिशन में रहता है वहां से 45 मिनट के लिए हटा रहा था। बाद में नासा के कंट्रोल सेंटर्स में मौजूद टीम ने कंट्रोल थ्रस्टर्स की मदद से स्टेशन को उसकी जगह पर पहुंचाया था। यह घटना रूसी लैबोरेटरी मॉड्यूल नाउका में तकनीकी खामी की वजह से हुई थी।

एंड्रॉयड डिवाइस के लिए चैटजीपीटी ऐप भारत में लॉन्च: जीमेल से लॉगइन करके अकाउंट बना सकते हैं यूजर्स, आईओएस के लिए पहले से अवेलेबल

नई दिल्ली।
ओपनएआई ने चैटजीपीटी का ऐप एंड्रॉयड डिवाइस के लिए लॉन्च कर दिया है। एंड्रॉयड स्मार्टफोन यूजर्स इसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। लॉन्चिंग से पहले 22 जुलाई को ऐप प्री-रजिस्टर के लिए अवेलेबल हो गया था। प्री-रजिस्टर और ऑटोमेटिक इंस्टॉल ऑप्शन इनेबल रखने वाले यूजर्स के डिवाइस पर ऐप लॉन्च होने के बाद अपने आप डाउनलोड हो गया है। ओपनएआई ने अभी कुछ देशों में ही चैटजीपीटी के ऐप को एंड्रॉयड डिवाइस के लिए लॉन्च किया है, जिसमें भारत भी शामिल है। ओपनएआई ने ऑफिशियल अकाउंट से ट्वीट कर लिखा, एंड्रॉयड के लिए चैटजीपीटी अब अमेरिका, भारत, बांग्लादेश और ब्राजील में डाउनलोड के लिए उपलब्ध है। हम अगले हफ्ते और देशों में भी इसे लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं।

एंड्रॉयड डिवाइस में चैटजीपीटी कैसे डाउनलोड करें

सबसे पहले एंड्रॉइड फोन से प्ले स्टोर पर जाएं। यहां चैटजीपीटी टाइप कर ऐप को सर्च करें। चैटजीपीटी का ऑफिशियल ऐप इंस्टॉल करें, जिसमें चैटजीपीटी के नीचे ओपनएआई लिखा हो। ऐप ओपन कर अपना अकाउंट क्रिएट करें और अगर पहले से अकाउंट है तो सीधे लॉगइन करें। एंड्रॉयड डिवाइस के चैटजीपीटी ऐप में एपल आईडी से लॉगइन कर सकते हैं यूजर्स ओपनएआई ने एंड्रॉयड डिवाइस के चैटजीपीटी ऐप में एपल आईडी से लॉगइन करने का ऑप्शन दिया है। यूजर्स एपल आईडी से लॉगइन करके चैटजीपीटी ऐप में अपना अकाउंट बना सकते हैं। इसके साथ ही यूजर्स ऐप में जीमेल और इमेल आईडी के जरिए साइनअप और लॉगइन कर सकते हैं। मई में आईओएस डिवाइस के लिए लॉन्च हुआ था ऐप दो महीने पहले मई में कंपनी ने आईओएस डिवाइस के लिए चैटजीपीटी ऐप लॉन्च कर दिया था। आईफोन यूजर्स ऐप स्टोर में जाकर चैटजीपीटी ऐप को डाउनलोड कर सकते हैं। ऐप से चैटजीपीटी यूजर्स को क्या फायदा होगा ऐप इंस्टॉल करने के बाद चैटजीपीटी यूज करने के लिए यूजर्स को बार-बार ब्राउजर पर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ऐप में सर्च की हिस्ट्री सेव होती है, जिसकी मदद से यूजर्स किसी पुराने सर्च को देख सकेंगे। इसके अलावा ऐप में मिलने वाले सभी फीचर्स को भी यूजर्स एक्सेस कर पाएंगे।

मेटा-माइक्रोसॉफ्ट सहित अन्य कंपनियों के पास पहले से एक्स ट्रेडमार्क

ट्विटर की रीब्रांडिंग के कारण कानूनी उलझन में फंस सकते हैं एलन मस्क

वॉशिंगटन।
एलन मस्क ट्विटर की रीब्रांडिंग करने कारण कानूनी उलझन में फंस सकते हैं। मेटा और माइक्रोसॉफ्ट सहित अन्य कंपनियों के पास पहले से ही एक्स के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स हैं। ये कंपनियां ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने के लिए ट्विटर पर केस कर सकती हैं। दरअसल, मस्क ने 24 जुलाई को ट्विटर का नाम बदलकर एक्स कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेडमार्क में एक्स का पहले ही इतना ज्यादा यूज हो चुका है कि इस लेटर के लिए कभी भी कानूनी लड़ाई शुरू हो सकती है। इसको हासिल करने वाले कई दावेदार होंगे।

ट्विटर पर मुकदमे की 100प्रतिशत संभावना

ट्रेडमार्क वकील जोश गेरबेन ने रॉयटर्स से कहा, इस बात की 100प्रतिशत संभावना है कि ट्विटर पर कोई न कोई मुकदमा दायर करेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा, मैने लगभग 900 एक्टिव अमेरिकी ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन्स की गिनती की है जो पहले से एक्स का यूज इंडस्ट्री में व्यापक तौर पर कर रहे हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के पास 2003 से एक्स ट्रेडमार्क

रिपोर्ट के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट के पास साल 2003 अपने वीडियो-गेम सिस्टम के बारे में कम्युनिकेशन से संबंधित एक्स ट्रेडमार्क है। वहीं, मेटा ने 2019 में सॉफ्टवेयर और सोशल मीडिया फील्ड के लिए ब्लू और वाइट कलर में एक्स लेटर को ट्रेडमार्क कराया है। ट्रेडमार्क वकील जोश गेरबेन ने कहा कि मेटा और माइक्रोसॉफ्ट तब तक मुकदमा नहीं करेंगे जब तक उन्हें खतरा महसूस न हो कि ट्विटर का एक्स उनके लिए कोई परेशानी खड़ी कर रहा है।

तीन दिन में दूसरी बार ट्विटर का लोगो बदला

एलन मस्क ने सोमवार (24 जुलाई) को ट्विटर का नाम और लोगो बदलकर एक्स किया। इसके बाद 26 जुलाई को देर रात ट्विटर के लोगो के डिजाइन में बदलाव किया गया। एक ट्विटर यूजर ने लिखा, एक्स लोगो अब अधिक बोल्ड और शार्प है। इस ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए मस्क ने लिखा, मुझे मोटी पट्टियाँ पसंद नहीं हैं, इसलिए वापस लौट रहा हूं। लोगो समय के साथ विकसित होगा।

1999 से मस्क का लेटर एक्स से नाता

एलन मस्क का एक्स लेटर से नाता साल 1999 से है। तब उन्होंने एक ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी एक्स.कॉँम बनाई थी। इसे बाद में एक अन्य कंपनी के साथ मर्ज कर दिया जो पेपाल बनी। साल 2017 में मस्क ने यूआरएल एक्स.कॉँम को फिर से खरीदा था।

उन्होंने कहा था कि इस डोमेन का उनके लिए बहुत भावुक मूल्य है। उनकी एक और कंपनी में भी एक्स की झलक दिखती है। उनकी नई एआई कंपनी का नाम भी एआई है। 2020 में, मस्क ने अपने एक बेटे का नाम मस्क रखा था।

नीली चिड़िया हटाकर डॉग को ट्विटर का लोगो बनाया था

4 महीने पहले एलन मस्क ने ट्विटर की नीली चिड़िया हटाकर एक डॉग को ट्विटर का लोगो बनाया था। उन्होंने एक ट्वीट में कहा था- जैसा वादा किया था, वह पूरा किया। हालांकि बाद में उन्होंने दोबारा नीली चिड़िया को ट्विटर लोगो बना लिया था।

ट्रेडमार्क क्या होता है

किसी प्रोडक्ट की अलग पहचान उसका ट्रेडमार्क कहलाती है। ये प्रोडक्ट का नाम, डिजाइन, कलर और पैकिंग का कॉम्बिनेशन हो सकता है। ट्रेड मार्क एक्ट 1999 के मुताबिक ट्रेडमार्क का मतलब एक ग्राफिकल पहचान से है जो किसी सामान या सर्विस को अन्य से अलग दिखाने में सक्षम हो। ये वर्ड मार्क, लोगो या दोनों का कॉम्बिनेशन भी हो सकता है।

ट्रेडमार्क भी एक इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी है। अगर आपने ट्रेडमार्क रजिस्टर करवा लिया तो इसका इस्तेमाल बिना आपकी मर्जी के कोई नहीं कर सकता। ट्रेडमार्क से ब्रांड को एक विश्वसनीयता भी मिलती है। आमतौर पर सभी बिजनेस और स्टार्टअप्स अपना ट्रेडमार्क रजिस्टर करवाते हैं। शाहरुख खान ने तो अपने नाम का ट्रेडमार्क करवा रखा है।

तापसी क्लब डॉट कॉम प्लेटफॉर्म किया लॉन्च

-एक्ट्रेस के फेसलेस ट्रोलर्स को करेगा अलग

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में तापसी क्लब डॉट कॉम नाम से अपना तापसी पन्नू ने खुद का नॉन-फंगिबल टोकन (एनएफटी) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। एनएफटी के बारे में तापसी पन्नू का कहना है कि यह फेसलेस ट्रोलर्स को रियल फैंस से अलग करने में मदद करेगा। एनएफटी को लॉन्च करने का उद्देश्य दुनिया भर में मौजूद तापसी के फैन्स के लिए एक पॉजिटिव प्लेटफॉर्म तैयार करना है, ताकि उन्हें उनकी जिंदगी की झलक मिल सके और फैन्स को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके। सदस्य बनने वाले व्यक्ति को उनकी फिल्म के सेट पर मौजूदगी का अनुभव करने, उनके साथ खास मौकों का जश्न मनाने, बातचीत में शामिल होने और ऐसी बहुत सी गतिविधियों का अवसर मिलेगा। तापसी ने कहा, आज की भागदौड़ भरी इस दुनिया में, हम जो कंटेंट शेयर करते हैं उसे अलग करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है, ताकि वह ऐसे लोगों तक पहुंचे जो सही मायने में अभिनेताओं में दिलचस्पी रखते हैं और उनकी कोशिशों का समर्थन करते हैं। यह बिना पहचान वाले ट्रोलर्स को सच्चे फैन्स से अलग करने में मदद करता है। एक्ट्रेस ने अपना जन्मदिन मनाने के लिए पहले ही एक खास कार्यक्रम के आयोजन की योजना बनाई है, जिसमें आरजे एवं अभिनेता अभिलाष थपलियाल के साथ अबीश मैथ्यू, अंगद रान्याल और गुरलीन पन्नू जैसे जाने-माने कॉमेडियन मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम सचमुच यादगार होने वाला है, क्योंकि अपनी जिंदगी के इस बेहद खास दिन पर तापसी बेहद मजेदार तरीके से रोस्ट होने वाली हैं। उन्होंने कहा, मैंने खास तौर पर सच्चे फैन्स के लिए एनएफटी को लॉन्च करने का फैसला लिया है, जिससे उन्हें मुझे निजी तौर पर और करीब से जानने का मौका मिलेगा। मेरा लक्ष्य अपने एनएफटी मेंबर्स के लिए सोशल मीडिया के अनुभव को बेहद खास बनाना है, जो मेरी सार्वजनिक उपस्थिति से अलग हो। मुझे दिल खोल कर अपनी बात कहना और लोगों के साथ बातचीत करना बड़ा अच्छा लगता है, और मुझे लगता है कि सोशल मीडिया अपनी भावनाओं को जाहिर करने के लिहाज से काफी घातक है। ऐसे करीबी लोगों की एक कम्युनिटी आपके लिए हमेशा फायदेमंद होती है, जो तहे दिल से आपका भला चाहते हैं निजी तौर पर आपकी तरक्की में योगदान देते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो, तापसी के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, जिनमें शाहरुख खान के साथ फिल्म डंकी, फिर आई हसीन दिलरुबा और वो लड़की हैं कहां शामिल हैं।

लड़कों ने उर्फी को किया बहुत ज्यादा बुली

-एक्ट्रेस ने इंस्टा स्टोरी शेयर कर बयां किया दर्द

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्ट्रेस उर्फी जावेद के साथ कुछ ऐसा हुआ जिसने उन्हें काफी ठेस पहुंचाई है। हाल ही में उर्फी ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए बताया कि फ्लाइट में उन्हें कुछ लड़कों ने बहुत ही ज्यादा बुली किया है और उन्हें गलत नाम से भी बुलाया है। हाल ही में उर्फी ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर अपने साथ हुई हरकत के बारे में फैंस को जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस घटना ने एक्ट्रेस को म्यूट ही कर दिया है। एक्ट्रेस ने वीडियो के साथ कैप्शन शेयर करते हुए लिखा कि - मुंबई से गोवा जाने वाली फ्लाइट में मेरे साथ बदतमीजी की गई, मुझे भद्दे नाम से बुलाया गया है काफी गंदी चीजें भी कही गई हैं। वीडियों में जो शख्स आपको दिख रहा है यह वही है। मुझे इस शख्स ने काफी बुली किया है। जब मैंने उठकर आवाज उठाई तो उनमें से एक शख्स ने बताया कि मेरे दोस्तों ने काफी शराब पी हुई है। अगर आपने ड्रिंक की हुई है और आप नशे में धुत हो तो महिला के साथ बदतमीजी करना कहां तक सही है? मैं एक पब्लिक फिगर हूं, लेकिन मैं कोई पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं हूं कि जो जिसके मन में आएगा वो मुझे कहेगा। उर्फी को कुछ दिन पहले एयरपोर्ट पर भी स्पॉट किया गया था। उस दौरान वह मीडिया के कैमरे में भी पोज हुई थी और उन्होंने बताया कि वह छुट्टियां बिताने गोवा जा रही थी। उर्फी ने इस दौरान अपने बालों में पिंक कलर करवाया हुआ था लेकिन जैसे वह फ्लाइट में पहुंची तो लड़कों के एक ग्रुप ने उन्हें पहचान लिया और उन्हें देखकर कमेंट्स करने लगे कई बार तो वह उनका नाम लेकर भी चिल्लाए। बता दें कि अपने फैशन के कारण सुर्खियां बटोरने वाली उर्फी जावेद आए दिन चर्चा का विषय बनी रहती हैं। आए दिन अपनी अतरंगी ड्रेसिंग सेंस के कारण उर्फी को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा एक्ट्रेस को कई बार क्रिटिसिज्म भी झेलना पड़ता है।

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को मिली बड़ी राहत

-रिया की जमानत को चुनौती नहीं देगी एनसीबी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के उभरते कलाकार सुशांत सिंह राजपूत की मौत के केस में फंसी एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को बड़ी राहत मिली है। सुशांत सिंह की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में सीबीआई ने एक्ट्रेस को मिली जमानत को अदालत में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार ने बताया कि वह रिया चक्रवर्ती को उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत को चुनौती नहीं देगी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस वी राजू ने न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ से कहा कि एनसीबी जमानत को चुनौती नहीं दे रही, लेकिन एनडीपीएस कानून की धारा 27-ए के संबंध में कानून के प्रश्न को खुला रखा जाना चाहिए। दलीलों सुनने के बाद पीठ ने सहमति जताई और सरकार की अपील का निपटारा कर दिया। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को एक मिसाल के रूप में नहीं माना जाएगा। अक्टूबर 2021 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने रिया चक्रवर्ती को जमानत दे दी थी। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा था कि ड्रग्स खरीदने के लिए पैसे मुहैया कराने का मतलब यह नहीं है कि रिया किसी अवैध तस्करी में शामिल थीं। अदालत ने यह भी कहा कि किसी को नशीली दवाओं के सेवन के लिए पैसे देने का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया। रिया को एनडीपीएस मामले में जमानत मिल गई। बता दें कि एनडीपीएस अधिनियम की धारा 27ए अवैध तस्करी के वित्तपोषण और अपराधियों को शरण देने से संबंधित है, जिसके लिए, अधिकतम 20 साल की जेल हो सकती है।

हॉट लुक से इम्प्रेस किया बेयॉन्से ने

हाल ही अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस बेयॉन्से को ग्लैमरस लुक में एक इवेंट में परफॉर्मिंग देते देखा गया, जहां वह अपने लुक से फैंस को खूब इम्प्रेस करती नजर आईं। अब बेयॉन्से की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो 41 वर्षीय बेयॉन्से मंच पर डिस्को-प्रेरित लुक में अपने ऑवरग्लास फिगर से सबके होश उड़ाती दिखीं। सेमी शीयर मैटेलिक जंपसूट में उनका किलर लुक देखने को मिला। नेट साइड में एक्ट्रेस का हॉट अंदाज भी देखने को मिला। खुले बालों और न्यूड मेकअप से बेयॉन्से ने अपने लुक को कंप्लीट किया और मंच पर अपने हुस्न का जलवा बिखेरती दिखीं। बता दें, अमेरिकन एक्ट्रेस बेयॉन्से का हॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी नाम है। इसके साथ ही वह सोशल मीडिया की दुनिया पर भी काफी फेमस है, जहां उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। एक्ट्रेस की बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार बरसाते हैं। बता दें कि अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस बेयॉन्से अक्सर अपने लुक्स को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं। कोई इवेंट हो या आउटिंग वह अपने लुक्स से लोगों का अटेंशन खींच ही लेती हैं।

अक्षय कुमार की 'ओह माय गॉड-2' के 20 सीन्स पर चली कैंची, निर्माताओं की बढ़ी चिंता

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म ओह माय गॉड-2 की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। फिल्म के टीजर में दिखाए गए कुछ सीन्स पर कई लोगों ने आपत्ति जताई थी। अब इस फिल्म को लेकर सेंसर बोर्ड काफी सावधानी से कदम उठा रहा है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) की रिवाइजिंग टीम ने फिल्म देखी। स्क्रीनिंग के मौके पर सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी खुद मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म के मेकर्स को सेंसर बोर्ड ने 20 कट्स की सिफारिश की है और उन्हें एडल्ट सर्टिफिकेट दिया गया है। किसी फिल्म को ए सर्टिफिकेट देने का मतलब है कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे थिएटर में जाकर फिल्म नहीं देख सकते। ऐसे में अक्षय कुमार और ओह माय गॉड-2 के निर्माताओं के बीच तनाव बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस संबंध में अभी तक मेकर्स को "कारण बताओ" नोटिस नहीं भेजा गया है। सीबीएफसी कार्यकारी समिति ने फिल्म देखने के बाद रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है। रिलीज में बहुत कम दिन बचे हैं, ऐसे में फिल्म की रिलीज डेट पर आखिरी फैसला अक्षय कुमार द्वारा लिए जाने की संभावना है, लेकिन फिलहाल वह देश से बाहर हैं। पहले यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने वाली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स जियो सिनेमाज से बातचीत कर रहे थे। शायद डील 90 करोड़ में होने वाली थी, लेकिन फिर अचानक फिल्म को थिएटर में रिलीज करने का फैसला लिया गया। फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होगी।

एक हफ्ते में बवाल के सात मिलियन व्यूज किए पार

वरुण धवन और जान्हवी कपूर की फिल्म बवाल के लिए बहुत सराहना मिल रही है। खबरों के मुताबिक, रिलीज के पहले सप्ताह के भीतर ही, फिल्म ने सात मिलियन व्यूज पार कर लिए हैं और एक बड़ी हिट के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। फिल्म की शानदार कहानी एक रिश्ते के भीतर अनुभव की जाने वाली चुनौतियों को दर्शाती है, जो अजय (वरुण धवन) और निशा (जान्हवी कपूर) की कहानी को खूबसूरती से बुनती है। उनकी प्रेम कहानी ने दर्शकों के दिलों को छू लिया है। कहानी, परफॉर्मेंस, प्रोडक्शन डिजाइन और निर्देशन ने प्रशंसा अर्जित की है। फिल्म अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी की अर्थस्की पिक्चर्स के सहयोग से साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। फिल्म का निर्देशन बहुप्रशंसित नितेश तिवारी ने किया है, जो दंगल, चिल्लर पार्टी और छिछोरे जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री कल्कि कोचलिन ने शेयर किया चौंकाने वाला अनुभव

अभिनेत्री कल्कि कोचलिन ने अपने आकर्षक अभिनय से कई लोगों का दिल जीता। कल्कि ने ये जवानी है दीवानी, एक थी डायन, मार्गरीटा विद अ स्ट्रॉ जैसी कई फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाई हैं। जल्द ही वह मेड इन हेवन' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इस मौके पर एक्ट्रेस ने अपने निजी और फिल्म इंडस्ट्री के संघर्षों पर टिप्पणी की। एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, बचपन से ही मुझे अपने गोरे रंग की वजह से काफी भेदभाव का सामना करना पड़ा। बहुत से लोग सोचते हैं कि मैं अधिक गोरी हूं, क्योंकि मैं ड्रग्स लेती हूं। कई लोगों को गलतफहमी हो गई थी कि ये लड़की नशे की आदी है, लेकिन जब मैं तमिल में बातचीत करती थी, तो लोग मेरे साथ अच्छा व्यवहार करते थे। फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच के अनुभव के बारे में बात करते हुए कल्कि ने कहा, एक निमार्ता ने मुझे यह कहते हुए डिनर पर बुलाया कि वह मुझे एक बहुत अच्छी भूमिका देगा। लेकिन, मैंने उनका प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। इस अनुभव को बताते हुए एक्ट्रेस ने किसी का नाम नहीं लिया। कुछ लोगों ने मुझसे कहा है कि तुम्हारे दांत कुछ ज्यादा ही बड़े हैं। इसलिए, एक मेकअप आर्टिस्ट ने मेरी आंखों पर आईलाइनर लगाने से इनकार कर दिया। कल्कि ने कहा कि इस इंडस्ट्री में मुझे ऐसे कई अनुभव हुए हैं। इस बीच एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन जल्द ही हमेड इन हेवन के दूसरे सीजन में अहम भूमिका निभाएंगी।

फोटोग्राफर्स पर फिर भड़कीं जया बच्चन, वीडियो वायरल

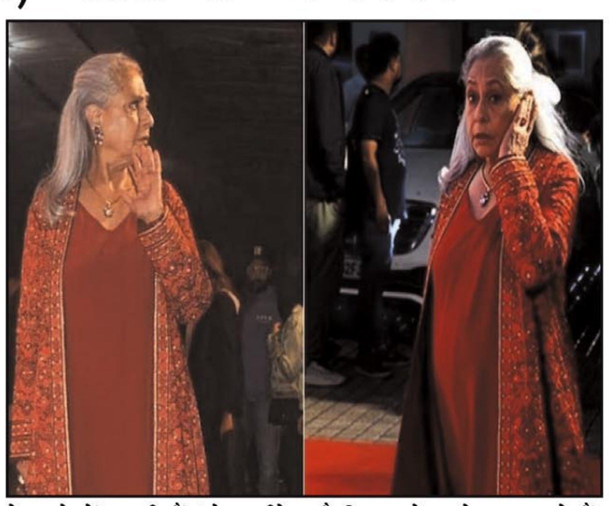

एक्ट्रेस जया बच्चन अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए भी जानी जाती हैं। उनके लगातार चिढ़ने, पैपराजी पर भड़कने के वीडियो वायरल हो रहे हैं। अब जया बच्चन का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें वह एक बार फिर तस्वीरें लेने वाले पैपराजी पर गुस्सा होती नजर आ रही हैं। हाल ही में 'फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' मुंबई में रिलीज हुई थी। इस मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के कुछ मशहूर लोगों को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में जया बच्चन, उनकी बेटी श्वेता बच्चन और अभिषेक बच्चन शामिल हुए। इस दौरान का एक वीडियो हाल ही में सामने आया है। इस वीडियो में कुछ पैपराजी एक फोटो के लिए जया बच्चन पर चिल्लाते नजर आ रहे हैं। वे जया जी, जया जी कहते नजर आ रहे हैं। वहीं जया बच्चन पीछे मुड़कर देखती हैं और कहती हैं, 'सुन रही हूं। मैं बहरी नहीं हूँ। वे गुस्से में कहती हैं 'थोड़ा धीरे बोलो।' इसके बाद जब श्वेता बच्चन और अभिषेक बच्चन आते हैं, तो वे चले जाते हैं। जया बच्चन का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस पर कई लोग कमेंट करते नजर आ रहे हैं। एक ने कमेंट किया, "यही कारण है कि हम रेखा से प्यार करते हैं। वह बिल्कुल भी नहीं घबराती और बिल्कुल भी कठोर रवैया नहीं दिखाती", एक अन्य ने कहा, "ऐश्वर्या उनके साथ कैसे रह सकती हैं" एक ने लिखा, "ये तो बिल्कुल स्कूल प्रिंसिपल की तरह बर्ताव कर रही हैं।"

अफलातून ने दो दिन में कमाए 2.98 करोड़

फिल्म अफलातून 21 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। यह एक मराठी पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है। हंसी से लोट-पोट करने वाली इस फिल्म में जॉनी लीवर, सिद्धार्थ जाधव, परितोष पेंटर, श्वेता गुलाटी, भरत दाभोलकर, विजय पाटकर, जेसी लीवर, तेजस्विनी लोनारी और जयेश ठक्कर जैसे बेहतरीन एक्टर्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म ने 0.95 करोड़ रुपये की जबरदस्त ओपनिंग की और दूसरे दिन भी दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रही है। अफलातून ने दूसरे दिन 2.03 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। ऐसे में पहले 2 दिनों में इस फिल्म ने कुल 2.98 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है इसकी रफ्तार को देखते हुए उम्मीद है कि फिल्म रविवार तक 5 करोड़ का आंकड़ा छू लेगी।शानदार ओपनिंग के बाद अफलातून के दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। अफलातून घरेलु बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक उम्दा प्रदर्शन कर रही है।

देबिना-गुरमीत ने बार्बी-थीम वाली पार्टी की होस्ट

हाल ही में टीवी कपल देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी ने अपने घर पर बार्बी-थीम वाली पार्टी होस्ट की, जिसकी झलकियां एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। देबिना बनर्जी ने 22 जुलाई को अपने घर पर बार्बी-थीम वाली पार्टी होस्ट की, जिसकी कुछ झलकियां उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर की हैं। तस्वीरों में देबिना पिंक कलर की ड्रेस में बेहद ब्यूटीफुल लग रही हैं। छोटी बेटी दिविशा को अपनी मां की गोद में बैठे मोती से सजे हैंडबैग के साथ खेलते देखा जा सकता है। इस दौरान नन्हीं दिविशा व्हाइट फ्रॉक में बेहद क्यूट लग रही थीं, जिसमें पिंक कलर के फ्लोरल प्रिंट थे। वहीं, देबिना की बड़ी बेटी लियाना को नानी के साथ मस्ती देखा जा सकता है। इस दौरान, लियाना पोल्का डॉट्स पिंक कलर की फ्रॉक में बेहद प्यारी दिखीं। तस्वीर शेयर करते हुए देबिना ने लिखा, यह छोटी बार्बी अपना चेहरा छिपाने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, देबिना बनर्जी ने हाउस पार्टी की और भी कई झलकियां शेयर की हैं।

सूडोकु नवताल- 6504

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6503 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्दजाल - 7251

श	रा	आ	स्ट्रे	लि	या	ह	ट	झ	क	अ
छ	क	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	मे
ट	र	ना	झि	दा	इं	सिं	बे	ला	ल	रि
प	म	दा	ड्ब	ल	क	डो	हा	दा	र	का
ट	रा	र	ष	हा	मि	री	ने	स	र	ट
ह	ह	प	व	पे	ह	ला	ती	शि	न	ती
भा	र	त	अं	रू	स	ट	ह	ला	या	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	कों	जू	ट
स	थो	तें	ब्रा	जी	ल	दा	ने	गो	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
ची	न	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रूस, कनाडा, ब्राजील, अमेरिका, कोंगो, आस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, पेरु, भारत,

शब्दजाल - 7250 का हल

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	क	गो
न	को	मे	म	इं	भा	र	त	ति	ना	ला
अ	दा	र	रि	मा	ग	अं	द	ह	ड्ब	का
फ्रां	स	ल	का	का	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	इ	ट	ली	दे
अ	ना	का	इं	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मो	डो	अ	ला	र	ची	न	ज
इं	न	भा	र	न	ने	स	रा	न	वि	र्म
क	ग्लैं	बा	अ	लं	का	शि	ह	न	जू	नी
र	का	ड	मा	न	सिं	ब्रा	या	का	प	श
बां	र	ल	प	स्पे	न	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6204

	4		5		1	
	34	2	36	6	28	1
4	2		1			
	33	4	34		31	6
1	6		7	3		
	28	3	32		33	7
	3		4		6	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6203 का हल

7	6	5	4	1	3	2
3	41	6	32	2	22	1
4	3	7	1	6	2	5
5	26	1	34	4	38	6
1	2	3	7	5	6	4
2	21	4	36	3	39	7
6	1	2	5	7	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

लियोनल मेसी का लगातार दूसरे मैच में धमाकेदार प्रदर्शन; 14 मिनट में दागे दो गोल, इंटर मियामी को मिली जीत

नई दिल्ली।
दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में एक अर्जेंटीना के लियोनल मेसी का अमेरिका में धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। मेसी ने इंटर मियामी के लिए लीग कप के दूसरे मुकाबले में दो गोल कर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही इंटर मियामी ने नॉकआउट राउंड में अपना स्थान पक्का कर लिया है। टीम अब राउंड-32 में पहुंच गई है। ग्रुप-जे में उसकी यह लगातार दूसरी जीत है। इंटर मियामी के दो मैच में छह अंक हो गए हैं। ग्रुप में क्रूज अजुल दूसरे और अटलांटा यूनाइटेड तीसरे स्थान पर है।

मेसी ने लगातार दूसरे मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इंटर मियामी के होम ग्राउंड पर 14 मिनट के अंतराल में दो गोल दाग दिए। इसके अलावा उन्होंने एक गोल असिस्ट भी किया। इंटर मियामी के लिए मेसी के अलावा रॉबर्ट टेलर ने भी दो गोल दागे। मेसी ने पिछले मैच में क्रूज अजूल के खिलाफ डेब्यू किया था। दो मैच में उनके अब तीन गोल और एक असिस्ट हो गए हैं।

बुस्केट्स और मेसी की जोड़ी का कमाल

मैच में इंटर मियामी की शुरुआत जोरदार रही। मेसी ने आठवें मिनट में ही टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उन्होंने बार्सिलोना के अपने साथी सर्जियो बुस्केट्स के साथ मिलकर विपक्षी टीम पर दबाव डाला। बुस्केट्स ने अटलांटा के खिलाड़ियों को छकाते हुए मेसी की ओर गेंद को मारा। इंटर मियामी के कप्तान ने इसका फायदा उठाया और गेंद को लेकर गोलपोस्ट के करीब पहुंच गए। उन्होंने गोल के लिए शॉट लगाया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट के खंभे से टकराकर वापस आ गई। मेसी वहीं पर खड़े थे। उन्होंने चतुराई का परिचय देते हुए इस बार गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया।

22वें मिनट में मेसी का दूसरा गोल

मेसी के दूसरे गोल के लिए प्रशंसकों को ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़ा। मैच के 22वें मिनट में ही मेसी ने टीम के लिए दूसरा गोल दाग दिया। वह गेंद को लेकर आगे बढ़ें, लेकिन अटलांटा के खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। इतने में मेसी ने चालाकी से गेंद को अपने साथी खिलाड़ी टेलर की ओर मार दिया। टेलर गेंद को लेकर गोलपोस्ट के करीब पहुंच गए और उन्हें मेसी की ओर उसे मारा। मेसी ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। इस तरह टीम 2-0 से आगे हो गई।

मेसी के बाद छा गए टेलर

इंटर मियामी के लिए तीसरा गोल टेलर ने किया। 44वें मिनट में गोल कर उन्होंने टीम को हाफटाइम तक 3-0 से आगे कर दिया। 53वें मिनट में टेलर ने दूसरा गोलकर स्कोर 4-0 कर दिया। यह अंतर मैच के अंत तक बरकरार रहा।

न्यूज़ ब्रीफ

मलेशियाई गेंदबाज स्याजरुल का वर्ल्ड रिकॉर्ड...टी-20 में 7 विकेट लिए: ऐसा करने वाले पहले प्लेयर बने, चीन 23 रन पर ऑल आउट

कुआला लम्पुर। मलेशिया के तेज गेंदबाज स्याजरुल इदरस ने इतिहास रचते हुए टी-20 इंटरनेशनल में 7 विकेट झटक लिए। वह ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने। इदरस ने अपने 4 ओवर के स्पेल में 8 ही रन दिए। उनकी परफॉर्मेंस के दम पर मलेशिया ने चीन को 23 रन पर ही ऑल आउट कर दिया। फिर 24 रन का टारगेट टीम ने 4.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। मलेशिया के स्याजरुल ने टी-20 वर्ल्ड कप के एशिया-बी क्वालिफायर में 7 विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने कुआलालम्पुर में जारी क्वालिफायर स्टेज के पहले ही मैच में चीन के खिलाफ ये कारनामा किया। खास बात ये रही कि उन्होंने सभी बैटर्स को इन-स्विंगर गेंदों पर बोल्ड ही किया। स्याजरुल टी-20 इंटरनेशनल के इतिहास में 7 विकेट लेने वाले पहले ही गेंदबाज बने। उन्होंने नाइजीरिया के पीटर आहो का रिकॉर्ड तोड़ा। पीटर ने 2021 में सीएरा लीयोन के खिलाफ 5 रन देकर 6 विकेट लिए थे। फुल मेंबर नेशन में भारत के दीपक चाहर के नाम बेस्ट बॉलिंग फिगर का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ महज 7 रन देकर 6 विकेट लिए थे। टी-20 में अब तक 12 खिलाड़ियों ने एक ही पारी में 6 विकेट लिए थे, लेकिन कोई भी गेंदबाज 7 विकेट नहीं ले सका था। इनमें एसोसिएट देशों के 6 और टेस्ट खेलने वाले देशों के भी 6 खिलाड़ी शामिल हैं। कुआला लम्पुर के मैदान पर टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी चीन की टीम अपना पहला ही इंटरनेशनल टी-20 मैच खेल रही थी। टीम ने 4 ओवर में बगैर नुकसान के 12 रन बना लिए थे। तभी इदरस अपने स्पेल का दूसरा ओवर लेकर आए, उन्होंने पहली ही गेंद पर चीन को झटका दिया।

पूर्व क्रिकेटर युवराज की मां से 40 लाख फिरौती मांगी: 5 लाख लेती रंगे हाथ पकड़ी युवती, झूठे केस में फंसाने की दी थी धमकी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की मां शबनम सिंह से फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। मंगलवार को 5 लाख एडवांस लेते हुए आरोपी युवती को गुरुग्राम पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। युवती ने झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर शबनम सिंह से 40 लाख रुपए मांगे थे। युवराज सिंह की मां शबनम ने गुरुग्राम के डीएलएफ फेस वन पुलिस स्टेशन में शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि साल 2022 में युवराज सिंह के छोटे भाई जोरावर सिंह के लिए हेमा कौशिक उर्फ डिम्पी नाम की केयरटेकर को नौकरी पर रखा था, क्योंकि जोरावर सिंह पिछले 10 सालों से डिप्रेशन की बीमारी से ग्रसित है। शबनम सिंह ने बताया कि 20 दिनों के अंदर ही उन्हें लगा कि केयरटेकर हेमा कौशिक प्रोफेशनल नहीं है और वह उनके बेटे जोरावर सिंह को अपने जाल में फंसा रही है। इसी के चलते हेमा कौशिक को नौकरी से निकाल दिया। इसके बाद मई 2023 में हेमा कौशिक का लगातार उनके पास वॉट्सऐप पर मैसेज और कॉल आने लगे। हेमा ने धमकी दी कि अगर उसे पैसे नहीं दिए गए तो वह उनके परिवार को झूठे केस में फंसा देगी और उन्हें बदनाम कर देगी। इस एवज में हेमा ने 40 लाख रुपए की मांग की। युवराज की मां ने बताया कि 19 जुलाई को ही हेमा का उनके पास वॉट्सऐप पर मैसेज आया कि वह 23 जुलाई को उनके खिलाफ केस दर्ज करा देगी।

विराट विश्व में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष-100 खिलाड़ियों में शामिल एकमात्र भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली रनों के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं। विराट विश्व में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष-100 खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसमें केवल दो एशियाई खिलाड़ी शामिल हैं। विराट साल 2022 में सबसे अधिक रकम पाने वाले शीर्ष 100 खिलाड़ियों में एकमात्र भारतीय हैं। उनकी कुल संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। वह साल 2022 के लिए जारी की गई शीर्ष 100 सबसे अधिक भुगतान हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में 61 वें स्थान पर हैं भारतीय राष्टीय टीम के अलावा आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलने वाले विराट ने वेतन और जीत से 2.9 मिलियन डॉलर और विज्ञापन से 31 मिलियन डॉलर कमाए हैं। उनकी कुल कमाई 33.9 मिलियन डॉलर आंकी गई है हालांकि वह 2021 में अपनी 59वीं रैंक से दो स्थान नीचे गिर गए हैं।

इंडिया-पाकिस्तान मैच एक दिन पहले हो सकता है

अहमदाबाद में 15 अक्टूबर को होना है मुकाबला, एजेंसियां बोलीं- इसी दिन नवरात्रि, तारीख बदलें

नई दिल्ली।
भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप मैच को एक दिन पहले आयोजित किया जा सकता है। 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मैच होना है। इसी दिन नवरात्रि का त्योहार भी शुरू हो रहा है। जिसे देखते हुए सिक्योरिटी एजेंसी ने मैच की तारीख या वेन्यू बदलने का सुझाव दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह मैच अब 14 अक्टूबर को हो सकता है।

दूसरी ओर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने गुरुवार को वर्ल्ड कप वेन्यू के स्टेट एसोसिएशन की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। माना जा रहा है मीटिंग में मैच की नई तारीख या वेन्यू बदलने पर फैसला लिया जा सकता है।

भीड़ ज्यादा होने से दिक्कतें होंगी- बीसीसीआई अधिकारी

नाम न बताने की शर्त पर बीसीसीआई के अधिकारी ने बताया, हम दूसरे ऑप्शन (वेन्यू के) तलाश रहे हैं, जल्द ही फैसला ले लिया जाएगा। सिक्योरिटी एजेंसी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान का हाई प्रोफाइल मैच नवरात्रि पर है। मैच के लिए हजारों फैंस अहमदाबाद ट्रैवल करेंगे। इस दिन नवरात्रि की वजह से भी शहर में बहुत भीड़ रहेगी।

इंग्लैंड-अफगानिस्तान का मैच 15 अक्टूबर को हो सकता है

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच अगर 14 अक्टूबर को शिफ्ट हुआ तो इंग्लैंड-अफगानिस्तान का मैच 15 अक्टूबर को कराया जा सकता है। शेड्यूल के अनुसार, फिलहाल 14 अक्टूबर को 2 मैच होंगे। न्यूजीलैंड-बांग्लादेश के बीच बेंगलुरु में पहला और इंग्लैंड-अफगानिस्तान के बीच दिल्ली में दूसरा मुकाबला होगा। दिल्ली में होने वाला मुकाबला दोपहर 2 बजे से होगा, भारत-पाक मैच भी 2 बजे से ही होना है, इसीलिए इसी मैच की तारीख बदली जा सकती है। बाकी मैचों की टाइमिंग और वेन्यू में कोई बदलाव नहीं होगा। टीम इंडिया पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया और दूसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगी। वहीं पाकिस्तान 6 और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ मैच खेलेगा। यानी अगर 14 अक्टूबर भारत-पाक मुकाबला हुआ तो भारत को 2 दिन का रेस्ट मिलेगा, जबकि पाकिस्तान को एक ही दिन का गैप मिलेगा।

जय शाह 27 जुलाई की मीटिंग में सिक्योरिटी पर बात कर सकते हैं

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने 27 जुलाई को मीटिंग बुलाई है। मीटिंग नई दिल्ली में होगी, जिसमें वर्ल्ड कप मैच होस्ट करने वाले सभी स्टेट एसोसिएशन के अधिकारियों को बुलाया गया है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई स्टेट एसोसिएशन के सामने सिक्योरिटी समस्या का मुद्दा रखेगा। इसी मीटिंग में वेन्यू या तारीख बदलने का फैसला लिया जा सकता है।

स्टेट एसोसिशन को भेजे गए लेटर में बताया गया, सभी वर्ल्ड कप एसोसिएशन से मीटिंग में शामिल होने की रिक्वेस्ट की जा रही है। मुझे लगता है कि सभी संबंधितों (राज्य एसोसिएशन) को मिलकर बोर्ड के सामने आ रही समस्या पर चर्चा करनी चाहिए और एक फैसले पर पहुंचना चाहिए।

अहमदाबाद में वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला भी होगा

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 27 जून को ही वर्ल्ड कप का शेड्यूल अनाउंस कर दिया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को 5 मैच मिले। यहां 5 अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला होगा। 15 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच के साथ 2 अन्य लीग मैच भी इस स्टेडियम में होंगे। 19 नवंबर को टूर्नामेंट का फाइनल भी अहमदाबाद में ही होगा।

तारीख बदली तो फैंस को परेशानी होगी

सिक्योरिटी एजेंसी का सुझाव मानकर अगर मैच का वेन्यू या तारीख बदली गई तो अहमदाबाद में ट्रैवल प्लान बना चुके फैंस को बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। टूर्नामेंट के मैचों की टिकट बिक्री अब तक शुरू नहीं हुई है, लेकिन फैंस ने अहमदाबाद में होटल के कमरे बुक करना शुरू कर दिया है।

आयरलैंड दौरे पर बुमराह को मिल सकती है कप्तानी

हार्दिक, रोहित और सूर्यकुमार बेंगलुरु में एशिया कप की तैयारी करेंगे

नई दिल्ली।
आयरलैंड के खिलाफ 18 अगस्त से शुरू हो रही टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया की कमान नया कप्तान संभाल सकता है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस दौरे की टीम में शामिल हुए तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है। खेल वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, सीनियर खिलाड़ियों को आयरलैंड दौरे से आराम मिलेगा। वहीं लिमिटेड ओवर्स टीम के उप कप्तान हार्दिक पंड्या और टी-20 स्पेशलिस्ट सूर्यकुमार यादव प्रमुख खिलाड़ियों के साथ बेंगलुरु में एशिया कप की तैयारी करेंगे।

आयरलैंड में होने हैं 3 टी-20 मैच, बुमराह ने बॉलिंग प्रैक्टिस शुरू की

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बॉलिंग करना शुरू कर दी है। वह पिछले कुछ समय से फुल-फ्लो में बॉलिंग कर रहे हैं। आयरलैंड के खिलाफ टीम इंडिया 3 टी-20 ही खेलेगी, जहां बुमराह को एक मैच में 4 ही ओवर बॉलिंग करनी होगी। कम ओवर फेंकने से बुमराह पर बॉलिंग का ज्यादा दबाव नहीं होगा। ऐसे में वह एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप के लिए भी तैयार हो सकेंगे। आयरलैंड में भारत को 18, 20 और 23 अगस्त को 3 टी-20 खेलने हैं। अगर आयरलैंड दौरे पर बुमराह को मौका मिला तो बाकी सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में उन्हें कप्तानी भी सौंपी जा सकती है। बुमराह ने भारत के लिए एक टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ कप्तानी की है। ये मुकाबला पिछले साल जुलाई में खेला गया, जिसमें भारत को हार मिली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में एशिया कप की तैयारी का कैम्प 24 और 25 अगस्त को लगेगा। हेड कोच राहुल द्रविड़ ने इस कैम्प में टीम के सभी खिलाड़ियों के शामिल होने की मांग की है, क्योंकि वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी इसी टूर्नामेंट से पुख्ता की जा सकती है।

बीसीसीआई ने मार्च तक का होम कैलेंडर जारी किया: वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया से 3 वनडे खेलेगी टीम इंडिया

मुंबई।
बीसीसीआई ने मार्च तक का होम कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके अनुसार टीम इंडिया सितंबर से मार्च के बीच 16 इंटरनेशनल मुकाबले खेलेगी। इसमें 5 टेस्ट, 3 वनडे और 8 टी-20 मैच खेले जाएंगे।

भारत के होम कैलेंडर की शुरुआत सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे से होगी। यह सीरीज 22 सिंतबर से शुरू होगी। टीम इंडिया वर्ल्ड कप से पहले अपने घर में ऑस्ट्रेलिया से 3 वनडे मैच खेलेगी। वर्ल्ड कप के बाद 23 नवंबर से 5 टी-20 मैचों की सीरीज शुरू होगी। इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें जनवरी-फरवरी में भारतीय दौरे पर आएंगी। अमिताभ विजयवर्गीय, जयेंद्र सहगल और हरि नारायण पुजारी की सदस्यता वाली टेक्निकल कमेटी ने इस मुकाबलों के लिए अलग-अलग वेन्यू भी तय किए हैं।

बड़े टेस्ट सेंटर दरकिनार

होम कैलेंडर में बड़े टेस्ट सेंटर को दरकिनार कर अन्य छोटे सेंटर को मैच दिए गए हैं। सीजन के होम कैलेंडर के अनुसार, टीम को 25 जनवरी से 11 मार्च तक इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है, लेकिन ये सारे ही मुकाबले मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे बड़ें सेंटर्स में नहीं होंगे, बल्कि इन मुकाबलों की मेजबानी हैदराबाद, वाइजैग, राजकोट, रांची और धर्मशाला के मैदान करेंगे।

22 सितंबर से होगी होम सीरीज की शुरुआत

टीम इंडिया के होम सीजन की शुरुआत 22 सितंबर को होगी। टीम इस दिन मोहाली में ऑस्ट्रेलिया से पहला वनडे मुकाबला खेलेगी। दूसरा और तीसरा वनडे क्रमश: 24 और 27 सितंबर को इंदौर और राजकोट में खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप के बाद कंगारुओं से 5 टी-20 मैचों की सीरीज होगी

वनडे वर्ल्ड कप के बाद भारत ऑस्ट्रेलिया के साथ टी-20 सीरीज खेलेगा, जो 23 नवंबर से शुरू होकर 3 दिसंबर तक चलेगी। इस सीरीज के मुकाबले वाइजैग, त्रिवेंद्रम, गुवाहाटी, नागपुर और हैदराबाद में खेले जाएंगे। नए साल में अफगानिस्तान और फिर इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज टीम इंडिया के नए साल की शुरुआत 11 जनवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले के साथ होगी। यह मुकाबला मोहाली में खेला जाएगा।

खन्ना में इंटरनेशनल खिलाड़ी का अपमान: मलेशिया से ब्रॉन्ज मेडल जीतकर लौटा; नहीं हुआ स्वागत, मायूस होकर संन्यास का ऐलान

खन्ना।
पंजाब के खन्ना में इंटरनेशनल पैरा कराटे खिलाड़ी का अपमान हुआ। मलेशिया में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाकर शहर लौटे इस खिलाड़ी का किसी ने भी स्वागत नहीं किया। इतना ही नहीं खिलाड़ी दिल्ली से रोडवेज की बस पकड़कर खन्ना पहुंचा था। खिलाड़ी तरुण शर्मा ने मायूस होकर संन्यास का ऐलान कर दिया।

तरुण शर्मा 21 से 23 जुलाई तक आयोजित दूसरी एशियन कराटे चैंपियनशिप में भारत की तरफ से भाग लेने मलेशिया गया था। इस चैंपियनशिप में 43 देशों के पैरा खिलाड़ी पहुंचे थे। भारत की तरफ से मात्र दो खिलाड़ी एक तरुण शर्मा और दूसरा दिल्ली से था। तरुण ने मलेशिया में अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। उसे उम्मीद थी कि जब वह शहर पहुंचेगा तो उसका मान सम्मान होगा।

लेकिन तरुण जब बस स्टैंड पर उतरा तो वहां उस उपलब्धि की खुशी का कोई नामोनिशान नहीं था। तरुण को लेने उसके कुछ दोस्त ही पहुंचे थे। इस दौरान तरुण ने मायूस होकर संन्यास का ऐलान कर दिया।

तरुण की नाराजगी का कारण

तरुण शर्मा पैरा कराटे खिलाड़ी हैं। गरीब परिवार से संबंधित हैं। पिता के साथ सब्जी की रेहड़ी लगाकर परिवार का गुजारा चलाता था। कुछ महीने पहले पिता की मौत हो गई। अब खुद रेहड़ी लगाता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार देश और राज्य का नाम रोशन कर चुका है। लंबे समय से सरकार के पास नौकरी की गुहार लगा रहा है। किसी प्रकार की कोई सरकारी मदद नहीं मिल रही है।

अपने खेल के शौक को पूरा करने के लिए तरुण ने घर तक गिरवी रखा है। 12 लाख रुपए का कर्ज है। इस बार भी 1 लाख रुपए कर्ज लेकर मलेशिया खेलने गया। इतनी गरीबी है कि दिल्ली से वापस रोडवेज की बस में खन्ना लौटा। शहर पहुंचने पर भी जब किसी को तरुण की जीत पर खुशी महसूस नहीं देखी गई तो वह मायूस हो गया।

गुस्से में बोला- भुक्की, अफीम, शराब बेचूंगा

इंटरनेशनल पैरा कराटे खिलाड़ी इतना मायूस हो गया था कि गुस्से में आकर बोला कि अब भुक्की, अफीम, शराब बेचूंगा। जिस तरीके से कर्ज है उसे उतारना भी है। बाद में थोड़ा शांत होकर तरुण ने कहा कि उसकी मजबूरी है। परिवार को पालना है। देखता हूं धान का सीजन चल रहा है 400 रुपए दिहाड़ी करूंगा।

सैमसन-ईशान में भारत का विकेटकीपर कौन

संजू के पास अनुभव ज्यादा, लेकिन कंसिस्टेंट नहीं; किशन दोहरा शतक लगा चुके

नई दिल्ली।
टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत ली है। अब भारत को 27 जुलाई से वनडे सीरीज खेलनी है। सीरीज वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से अहम है। 3 मैचों की इस सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ को वर्ल्ड कप टीम से जुड़े कई सवालों के जवाब तलाशने होंगे।

जैसे फिट होने की स्थिति में टीम का दूसरा विकेटकीपर कौन होगा, बुमराह के साथ पेस अटैक की जिम्मेदारी कौन संभालेगा और अय्यर फिट नहीं हुए तो नंबर-4 पर बैटिंग कौन करेगा।

सैमसन के पास अनुभव ज्यादा, लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है

केरल से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले विकेटकीपर बैटर संजू सैमसन को विंडीज दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीच-बीच में संजू सैमसन टीम से बाहर होते रहे हैं। कभी फॉर्म के कारण, तो कभी चोट के कारण। संजू तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज हैं। खराब और अच्छी दोनों तरह की गेंदों पर शॉट्स खेलना जानते हैं और प्रेशर भी हैंडल कर लेते हैं। वे केएल राहुल की जगह 5वें नंबर पर फिट भी बैठते हैं, इसलिए टीम मैनेजमेंट इन पर विचार कर रही है। अब तक खेले 11 वनडे में सैमसन ने 330 रन बनाए हैं। उनके नाम 7 कैच और 2 स्टंपिंग हैं। इन सारी खूबियों के बावजूद संजू के प्रदर्शन में निरंतरता नजर नहीं आती, हालांकि इसके पीछे का एक कारण संजू को लगातार मौके न मिलना भी है। स्ट्रेंथ - वनडे फॉर्मेट के अनुरूप स्ट्राइक रेट मैंटेन करते हैं। धैर्य के साथ बैटिंग करते हैं, आसानी से विकेट नहीं गंवाते और फुल टाइम विकेटकीपर हैं। वीकनेस - बड़े टूर्नामेंट का अनुभव नहीं है। फिटनेस उतनी अच्छी नहीं है, इसलिए इंजरी होने का चांस रहता है। संजू की बैटिंग में निरंतरता नहीं है। पिछली 10 पारियों में वे दो फिफ्टी ही जमा सके हैं।

ईशान किशन के नाम दोहरा शतक, लेकिन स्पिनर्स के सामने जूझते हैं

वनडे क्रिकेट में बांग्लादेश के खिलाफ ईशान किशन दोहरा शतक लगा चुके हैं। पिछले कुछ समय से उन्हें भारतीय टीम में लगातार मौके मिल रहे हैं। इसके बावजूद किशन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखती है। पिछली 10 पारियां देखें तो उनके बल्ले से एक दोहरा शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं, लेकिन किशन 5 दफा 20 या फिर इससे कम के स्कोर पर आउट हुए हैं। अब तक खेले 14 मैच में किशन ने 510 रन बनाए हैं। इसमें 1 दोहरा शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। विकेट के पीछे प्रदर्शन की बात करें तो ईशान किशन ने 5 कैच पकड़े हैं और दो स्टंपिंग की हैं। स्ट्रेंथ - बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं। विकेटकीपिंग कर लेते हैं। भारत की ओर से टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में बीसीसीआई टूर्नामेंट खेलने का अनुभव। वीकनेस - स्पिनर्स को खेलने में दिक्कत। किशन के पास ऑफसाइड पर ज्यादा शॉट नहीं हैं। स्ट्राइक रोटेट नहीं करते। किसे खिलाने से टीम को क्या फायदा संजू सैमसन : अगर सैमसन को मौका मिलता है तो उन्हें नंबर-5 का स्थान देना होगा। संजू अनुभवी हैं, ऐसे में विकेटकीपिंग में फायदा होगा और बैटिंग में भी गहराई बढ़ेगी, लेकिन भारतीय बैटिंग ऑर्डर में सभी राइट हैंड बैटर्स होंगे, जबकि वर्ल्ड कप के लिए टीम को टॉप-मिडिल ऑर्डर में एक लेफ्ट हैंड बैटर की जरूरत है। सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता भी नहीं है। वे पिछली 5 पारियों में एक फिफ्टी ही जमा सके हैं।

आलिया भट्ट को सफल नहीं मानती कंगना

कंगना रनोट कभी भी पॉपुलर अभिनेताओं पर निशाना साधने का करने का कोई मौका नहीं छोड़ी है। अपने इन्हीं पोस्ट एक्ट्रेस ने अपना ट्विटर हैंडल भी सस्पेंड करवा लिया था। लेकिन कंगना हैं कि मानती नहीं...आज हम आपको उस दौर के बारे में बताएंगे जब उन्होंने आलिया भट्ट को सार्वजनिक रूप से लताड़ लगाई थी और कहा था कि वो स्पाइन लेस हैं। ये घटना साल 2019 की है, जब कंगना की फिल्म *मणिकर्णिका : द क्वीन* ऑफ झांसी रिलीज हुई थी। फिल्म की रिलीज के दौरान कंगना ने आमिर खान और आलिया भट्ट जैसे बॉलीवुड एक्टर्स पर निशाना साध था और कहा था कि ये लोग जानबूझकर उन्हें सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। बाद में आलिया ने कंगना से माफी मांगते हुए कहा था कि मुझे नहीं लगता कि वो मुझे नापसंद करती है। मैंने कुछ भी जानबूझकर नहीं किया है। अगर कंगना को कुछ बुरा लगा हो तो मैं पर्सनल लेवेल पर उनसे हाथ जोड़कर माफी मांग लूंगी। आलिया भट्ट की सार्वजनिक माफी के बारे में जानने के बाद, कंगना रनोट ने फिर से आलिया की खिंचाई की। उन्होंने आलिया को स्पाइन लेस कहा और कहा था कि वो करण जौहर की कठपुतली हैं। कंगना रनोट ने एक बार पिंकविला से कहा था कि मैं आलिया (भट्ट) के पास पहुंची और उनसे पूछा कि उन्हें क्या लगता है कि मणिकर्णिका मेरी पर्सनल कॉन्ट्रोवर्स है? यह एक ऐसी फिल्म है जिसके बारे में पूरा देश बात कर रहा है और सोच रहा है कि बॉलीवुड इस तरह के एक प्रासंगिक काम पर चुप क्यों है ... मैंने उससे पूछा कि वह देखने से क्यों डरती है मेरी फिल्म। फिल्म की एक स्क्रीनिंग में, कंगना रनोट को यह कहते हुए भी देखा गया था कि वह बॉलीवुड का पर्दाफाश करेंगी और उन लोगों को नहीं बख्शेंगी जो उनके खिलाफ धमकाने और गैंग बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

पुदीना चटनी बनाने का नया तरीका

गर्मियां आते ही खाने में पुदीने का इस्तेमाल काफी बढ़ जाता है। कई सारे ड्रिंक्स में इस्तेमाल होने वाला पुदीना सबसे ज्यादा चटनी के रूप में पसंद किया जाता है। पुदीने के सेवन से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। पेट संबंधी विकारों में फायदेमंद पुदीना खाने से कई समस्याओं से निजात मिलती है। ज्यादातर लोग कच्चे आम के साथ पुदीने की चटनी खाना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आप एक ही तरह की पुदीने की चटनी खा-खाकर ऊब चुके हैं, तो आज हम आपको बताएंगे पुदीने की चटनी बनाने के नए तरीकों के बारे में-

दही और पुदीना की चटनी

अगर आप कच्चे आम के साथ पुदीने की चटनी खाकर बोर हो चुके हैं, तो इस बार दही के साथ पुदीने के चटनी ट्राई कर सकते हैं। यह न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती है, बल्कि इसे बनाना भी काफी आसान होता है। आप इस विधि से दही और पुदीना चटनी की बना सकते हैं।

सामग्री

3-4 चम्मच दही
4-5 हरी मिर्च
एक इंच अदरक
3-4 लहसुन की कली
एक चम्मच जीरा पाउडर
एक चम्मच चाट मसाला
स्वादानुसार नमक
एक चम्मच अमचूर पाउडर
एक कप धनिया की पत्ती
1.5 कप पुदीना की पत्ती
पानी

बनाने की विधि

दही पुदीना चटनी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में 3-4 चम्मच दही डालें।

अब इसमें जीरा पाउडर, चाट मसाला, अमचूर पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद मिक्सी में पुदीने की पत्ती, धनिया पत्ती, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च में थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें।

जब एक स्मूद पेस्ट तैयार हो जाए, तो इसमें दही डालकर इसे चम्मच की मदद से अच्छे मिला लें।

तैयार है दही और पुदीना की चटनी। आप इसे पराठे, पकौड़े आदि के साथ सर्व कर सकते हैं।

प्याज और पुदीना की चटनी

खाने का स्वाद बढ़ाने वाली प्याज का इस्तेमाल आप पुदीने की चटनी के साथ भी कर सकते हैं। गर्मियों के मौसम में प्याज का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद भी होता है। ऐसे में आप इस विधि को फॉलो कर प्याज और पुदीना की चटनी बना सकते हैं।

सामग्री

एक बारीक कटा छोटा प्याज
3-4 बारीक कटी लहसुन की कली
स्वादानुसार नमक
पुदीना के पत्तियां
5-6 हरी मिर्च

बनाने की विधि

प्याज और पुदीना की चटनी तैयार करने के लिए सबसे पहले पुदीना और धनिया की पत्तियों को अच्छे से धोकर साफ कर लें।

अब मिक्सर में पुदीना, बारीक कटा हुआ प्याज, लहसुन, हरी मिर्च और नमक डालकर बारीक पीस लें।

बस तैयार है प्याज और पुदीना की स्वादिष्ट चटनी। इसे पूरी,पराठे या समोसे आदि के साथ सर्व कर सकते हैं।

आपको वजन घटाने नहीं देंगी खाने की ये चीजें

बढ़ता वजन एक ऐसी समस्या है, जिससे ज्यादातर लोग जूझते हैं। इसके लिए आप खराब लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खाने की खराब आदतों, एक्सरसाइज की कमी को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं। अगर वर्कआउट और खास डाइट फॉलो करने के बावजूद भी आपका वजन कम नहीं हो रहा है, तो इसका मतलब आपके खाने में कुछ ऐसी चीजें जा रही हैं, जो आपको वजन घटाने नहीं देंगी। खाने की कई पॉपुलर चीजें ऐसी हैं, जिनमें प्रोटीन और फाइबर की कमी होती है और शुगर, रिफाइन्ड कार्ब्स और फैट्स भरे होते हैं। इनकी वजह से शरीर से फैट नहीं जाता, बल्कि जमा होता रहता है। तो आइए जानें ऐसे 11 फूड्स के बारे में जो आपका वजन कम करना मुश्किल कर रहे हैं।

1. फ्रेंच फ्राइज और आलू के चिप्स

तले हुए फूड्स जैसे फ्रेंच फ्राइज और आलू के चिप्स आमतौर पर कैलोरी और फैट्स से भरे हुए होते हैं। शोध में भी पाया गया है कि इन्हें खाने से वजन बढ़ता है और आप मोटापे के शिकार हो सकते हैं। इसके अलावा बेक्ड, रोस्टेड या तले हुए आलू में एक्रिलामाइड्स नाम का पदार्थ हो सकता है, जो कैंसर से जुड़ा होता है। इसलिए इसे कम से कम खाएं और अपनी डाइट का हिस्सा न बनाएं।

2. चीनी युक्त ड्रिंक्स

मीठी ड्रिंक्स आपके वजन और पूरी हेल्थ पर बुरा असर डालती हैं। यह कैलोरी से भरपूर जरूर होती हैं, लेकिन फिर भी इन्हें पीने से हमारा पेट नहीं भरता। इसलिए हम एक्सट्रा कैलोरी खा लेते हैं, जो मोटापे का कारण बनता है। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो फिर सोडा और इसी तरह के ड्रिंक्स से दूरी बनाना ही समझदारी है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**